खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 15 मई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-133

जंग में मात खाने के बाद भारत के सामने गिड़गिड़ाया पाकिस्तान

'सिंधु जल समझौते पर फिर से करें विचार'

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई और सिंधु जल संधि स्थगित करने से पाकिस्तान बिलबिला गया है । दुनिया के कई देशों के सामने हाथ जोड़ने के बाद अब उसने भावी संकट को देखते हुए भारत से सिंधु जल संधि स्थगित नहीं करने की गुहार लगाई है। पाकिस्तान ने भारत से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है।

पाकिस्तान ने कहा है कि इस फैसले से हमारे देश में बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा। पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय ने इसको लेकर भारत को पत्र लिखा है और फैसले पर दोबारा विचार करने की अपील की है।

हालांकि सूत्रों के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान की गुहार पर कोई हमदर्दी नहीं दिखाई है। पीएम मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भी कहा था कि खून और पानी साथ नहीं बह सकते।

पीएम ने यह भी कहा कि, जिस तरह पाकिस्तानी सेना और सरकार आतंकवाद को बढ़ावा दे रही है। वह एक दिन पाकिस्तान को तबाह कर देगी। पाकिस्तान को बचना है तो अपने आतंकी ढांचे को नष्ट करना होगा। शांति का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। भारत ने स्पष्ट किया है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ घोषित कूटनीतिक और आर्थिक प्रतिबंध अब भी प्रभावी हैं। इनमें सिंधु जल संधि का निलंबन भी शामिल है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत तब तक सिंधु जल संधि को लागू नहीं करेगा, जब तक पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देना पूरी तरह बंद नहीं कर देता।

उन्होंने कहा कि यह संधि सद्भावना और मित्रता की भावना में हुई थी, लेकिन पाकिस्तान ने सीमा-पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को ताक पर रख दिया। पहलगाम हमले के एक दिन बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक उपायों की घोषणा की थी, जिनमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना तथा हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर राजनयिक संबंधों को कम करना शामिल था।

भारत अब तीन नदियों के पानी का अपने लिए इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। इस पर तुरंत काम भी शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाओं को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 सैलानियों की हत्या कर दी थी। भारत सरकार ने इस आतंकी हमले के जवाब के रूप में सबसे पहले सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया था। इससे पाकिस्तान जल संकट से जूझ रहा है।

सिंधु जल समझौता 1960 में हुआ था। इस संधि के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच बहने वाली सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलज के जल का बंटवारा हुआ था।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर : तुर्किये के खिलाफ विरोध तेज

जेएनयू ने तुर्किये के विवि के साथ रद्द किया समझौता

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत द्वारा आतंकवाद के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्किये ने पाकिस्तान का समर्थन किया। ऐसे में भारत में तुर्किये के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। इसी कड़ी में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। दरअसल, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने तुर्किये के एक विश्वविद्यालय के साथ किए समझौता ज्ञापन को रद्द कर दिया है।जेएनयू की ओर से ऐसा करने की पीछे की वजह सुरक्षा कारणों को बताया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से जेएनयू और इनोनू विश्वविद्यालय, तुर्किये के बीच समझौता ज्ञापन को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है।एमओयू पर 3 फरवरी को तीन साल की अवधि के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। जेएनयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमने तुर्किये के इनोनू विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन को निलंबित कर दिया है। समझौते के तहत, अन्य बातों के अलावा, संकाय विनिमय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों की योजना थी।

तुर्किये के मालट्या में स्थित इनोनू विश्वविद्यालय ने क्रॉस-कल्चरल रिसर्च और छात्र सहयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत जेएनयू के साथ अकादमिक साझेदारी की थी। समझौता ज्ञापन रद्द करने का निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की पृष्ठभूमि में लिया गया है। दोनों पड़ोसी देशों ने चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए 10 मई को एक समझौता किया था। भारत के तुर्किये के साथ व्यापारिक संबंध तनावपूर्ण होने की आशंका है, क्योंकि अंकारा ने इस्लामाबाद का समर्थन किया है

और पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत के हालिया हमलों की निंदा की है।

पाकिस्तान को उनके समर्थन के बाद, पूरे देश में तुर्किये के सामान और पर्यटन का बहिष्कार करने की मांग उठ रही है, साथ ही ईजमाईट्रिप और इक्सिगो जैसे ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म ने इन देशों की यात्रा के खिलाफ सलाह जारी की है।

तुर्कीये के फलों का बॉयकॉट, मार्बल कारोबारी और ट्रैवल कंपनियां भी हुईं खिलाफ

तुर्कीये द्वारा पाकिस्तान का खुलेआम समर्थन करने के बाद देशभर में बॉयकॉट तुर्की अभियान ने जोर पकड़ लिया है। महाराष्ट्र के पुणे से लेकर राजस्थान के उदयपुर तक व्यापारियों ने तुर्की से आयातित वस्तुओं का बहिष्कार कर तुर्की को आर्थिक मोर्चे पर जवाब देने का ऐलान कर दिया है। एजेंसी के अनुसार, महाराष्ट्र के पुणे में व्यापारियों ने तुर्की से आयात होने वाले सेबों की बिक्री पूरी तरह बंद कर दी है। स्थानीय बाजारों से ये सेब गायब हो गए हैं और ग्राहकों ने भी इसका बहिष्कार कर दिया है। हर साल पुणे के फलों के बाजार में तुर्की सेबों की हिस्सेदारी लगभग 1000-1200 करोड़ रुपये की होती है, लेकिन अब यह कारोबार ठप हो गया है। ▶10 पर

भारत ने फर्जी खबरों पर कसा शिकंजा

ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ के सोशल मीडिया अकाउंट्स किए ब्लॉक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने चीन के दो प्रमुख सरकारी मीडिया प्लेटफॉर्म ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि ये दोनों लंबे समय से भारत के खिलाफ फर्जी खबरें और दुष्प्रचार फैला रहे थे।

इन मीडिया संस्थानों ने हाल ही में भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर झूठी खबरें फैलाने की कोशिश की। ग्लोबल टाइम्स बार-बार यह दावा कर रहा था कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बिना किसी कारण के हमला किया है और इसे 'एकतरफा कार्रवाई' बताया जा रहा था। इतना ही नहीं, वे यह दिखाने की कोशिश कर रहे थे कि भारत लंबा युद्ध नहीं लड़ सकता, जिससे निवेशकों में डर फैलाया जा सके। चीनी मीडिया ने पुराने युद्धों के एडिट किए गए वीडियो दिखाकर दुष्प्रचार किया और भारत के हथियारों को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाई। ग्लोबल टाइम्स ने पाकिस्तानी सेना के हवाले से भी कई झूठी खबरें चलाईं। इस पर भारत के बीजिंग स्थित दूतावास ने चीन को कड़ी फटकार लगाई थी।

तुर्की और चीन की मीडिया में यह झूठी खबर भी फैलाई गई कि पाकिस्तान के जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान ने भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट कर दिया है। जबकि भारत ने इन दावों को साफ तौर पर गलत बताया, फिर भी इन खबरों को हटाया या सुधारा नहीं गया। चूंकि जेएफ-17 विमान चीन की कंपनी द्वारा बनाया गया है, ▶10 पर

'नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलेगी'

अरुणाचल को लेकर चीन ने की गलत हरकत तो भारत ने लगाई लताड़

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के चीन के बेतुके प्रयासों को खारिज किया। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के बेतुके प्रयासों से यह सच्चाई नहीं बदलेगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि राज्य भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने देखा है कि चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं। ▶10 पर

'जहां कभी था लाल आतंक, वहां लहरा रहा तिरंगा'

21 दिनों में 31 कुख्यात नक्सली ढेर, अमित शाह ने दी जवानों को बधाई

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 21 दिनों के अभियान के दौरान 31 माओवादियों को मार गिराया है। उन्होंने इसे नक्सल मुक्त भारत के मिशन में एक ऐतिहासिक सफलता बताते हुए कहा कि अब तक का सबसे बड़ा नक्सल विरोधी अभियान कुर्रगुट्टालू पहाड़ी पर चलाया गया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, नक्सल मुक्त भारत के संकल्प में एक ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करते हुए सुरक्षा बलों ने नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक के सबसे बड़े ऑपरेशन में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के कुर्रगुट्टालू पहाड़ (केजीएच) पर 31 कुख्यात नक्सलियों को मार गिराया।उन्होंने कहा, जिस पहाड़ पर कभी लाल आतंक का राज था, वहां आज शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुर्रगुट्टालू पहाड़ पीएलजीए बटालियन 1, डीकेएसजेडसी, टीएससी और सीआरसी जैसी बड़ी नक्सल संस्थाओं का एकीकृत मुख्यालय था, जहां नक्सल ट्रेनिंग के साथ-साथ रणनीति और हथियार भी बनाए जाते थे।शाह ने कहा, इस सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान को हमारे सुरक्षा बलों ने मात्र 21 दिनों में पूरा किया और मुझे अत्यंत हर्ष है कि इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों में एक भी कैजुअल्टी नहीं हुई। खराब मौसम और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में अपनी बहादुरी और शौर्य से नक्सलियों का सामना करने वाले हमारे सीआरपीएफ, एसटीएफ और डीआरजी के जवानों को बधाई देता हूं। पूरे देश को आप पर गर्व है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को पुनः विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत का नक्सलमुक्त होना तय है।

न्यायमूर्ति गवई बने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को यहां उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह इस वर्ष 23 नवंबर तक इस पद पर रहेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलायी। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का स्थान लिया है जो कल मुख्य न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हो गये। शपथ ग्रहण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे पी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीश और कुछ पूर्व न्यायाधीश समेत कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

इस अवसर पर न्यायमूर्ति गवई की पत्नी, मां तथा परिवार के अन्य सदस्य मौजूद थे। शपथ ग्रहण करने के बाद सबसे पहले उन्होंने अपनी मां के पैर छुए।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति खन्ना ने अपने उत्तराधिकारी के तौर पर न्यायमूर्ति गवई को मुख्य न्यायाधीश बनाने की सरकार से सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 साल है। न्यायमूर्ति गवई का मुख्य न्यायाधीश बनना शीर्ष अदालत के इतिहास में मील का पत्थर माना जा रहा है, क्योंकि वह पूर्व मुख्य न्यायाधीश के जी बालकृष्णन के बाद इस पद पर पहुंचने वाले अनुसूचित जाति समुदाय से दूसरे व्यक्ति हैं। न्यायमूर्ति गवाई जाने -माने राजनीतिज्ञ, प्रमुख अंबेडकरवादी, पूर्व सांसद एवं कई राज्यों के राज्यपाल रह चुके आर एस गवई के पुत्र हैं। उन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बी.ए., एलएलबी करने के बाद 16 मार्च, 1985 से वकालत शुरू की थी। उन्होंने 1987 से 1990 तक बॉम्बे उच्च न्यायालय में स्वतंत्र रूप से वकालत की। उसके बाद बॉम्बे उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ में वकालत की। वह 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे उच्च न्यायालय ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 35^0

न्यूनतम : 26^0

बलूचिस्तान ने किया पाकिस्तान से आजाद होने का ऐलान

भारत और विश्वभर से मांगा समर्थन

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। बलूचिस्तान ने पाकिस्तान से आजाद होने का एलान किया है। बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को राज्य में दशकों से हो रही हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान से स्वतंत्रता का एलान किया। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं हैं। उन्होंने भारत और वैश्विक समुदाय से आजादी के लिए समर्थन देने की मांग की।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना फैसला दे दिया है। अब दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोग सड़कों पर हैं। उनका कहना है कि तुम मारोगे हम टूटेंगे, हम नाक बचाएंगे आओ हमारा साथ दो। बलूच लोगों का राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब मूक दर्शक नहीं रह सकती। उन्होंने भारतीय नागरिकों ने अपील की कि वे बलूचों को पाकिस्तान के अपने लोग न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं। हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं। जिन्होंने कभी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने और नरसंहार का सामना नहीं किया। बलूच नेता मीर यार बलूच ने भारत के पाकिस्तान से पीओके खाली करने की कहने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बलूचिस्तान भारत द्वारा 14 मई 2025 को पाकिस्तान से पीओके खाली करने के लिए कहने के फैसले का पूरा समर्थन करता है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान से तुरंत पीओके छोड़ने का आग्रह करना चाहिए ताकि ▶10 पर

कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिया था विवादित बयान, हाईकोर्ट बोला

विजय शाह पर 4 घंटे में दर्ज हो प्राथमिकी

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देने पर हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री विजय शाह को जमकर फटकार लगाई है। निर्देश दिया गया है कि उनके खिलाफ 4 घंटे के अंदर में प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। असल में एक कार्यक्रम में बिना कर्नल सोफिया का नाम लिए विजय शाह ने एक ऐसा बयान दिया जिस वजह से वे बुरी तरह घिर गए, कांग्रेस तक ने उनके खिलाफ एक्शन की मांग की।

जानकारी के लिए बता दें कि विजय शाह ने कहा था कि जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, उन्हीं कटे-पिटे लोगों को उन्हीं की बहन भेजकर उनकी ऐसी-तैसी करवाई। उन्होंने कपड़े उतार-उतार कर हमारे हिन्दुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी-तैसी करने के लिए हमारे जहाज से उनके घर भेजा। अब उन्होंने बिना नाम लिए कर्नल सोफिया के धर्म को लेकर टिप्पणी की, ऐसे में सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल किया गया। अब हाई कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लिया और विजय शाह को जमकर फटकार लगाई। हाईकोर्ट में जस्टिस अतुल श्रीधरन की डिवीजन बेंच ने दो टूक कहा कि 4 घंटे के अंदर में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो, इस मामले में अगली सुनवाई कल यानी कि गुरुवार को होने वाली है। वैसे इस विवादित बयान के लिए विजय शाह ने खुद माफी मांग ली है, यहां तक बोला है कि इसे अलग संदर्भ में ना देखा जाए क्योंकि 'हमारी बहनों' ने बहुत ताकत से सेना के साथ मिलकर पहलगाम हमले का बदला लिया है। ▶10 पर

श्रीलंका में छह डॉल्फिन समुद्र तट पर मिलीं, चोट देखकर विज्ञानी चिंतित

कोलंबो,14 मई (एजेंसियां)।

श्रीलंका में कम से कम छह डॉल्फिन समुद्र तट पर मिली हैं। सभी चोटिल हैं। इससे वन्यजीव विज्ञानी चिंतित आश्चर्यचकित हैं। वह इसकी वजह के लिए अशांत समुद्री परिस्थितियों की ओर इशारा कर रहे हैं। देश के वरिष्ठ वन्यजीव अधिकारियों ने इसके निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अध्ययन शुरू किया है।

खबर में वन्यजीव अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि कलूटारा साउथ बीच पर कम से कम छह डॉल्फिन बहकर किनारे पर आ गईं। वन्यजीव संरक्षण विभाग की पशु चिकित्सा इकाई के अधिकारियों ने कहा कि डॉल्फिन को स्पष्ट चोटों के साथ पाया गया।

अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में अशांत समुद्री परिस्थितियों की भी भूमिका हो सकती है। इसलिए, कलूटारा साउथ बीच के आसपास की सटीक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

समुद्रीय विज्ञानियों के अनुसार, डॉल्फिन को चोट लगने के कई कारण हो सकते हैं। इनमें कुछ मुख्य कारण हैं- मछली पकड़ने के उपकरणों में उलझना। महासागर का प्रदूषण। आवास की हानि। जलवायु परिवर्तन और ध्वनि प्रदूषण। डॉल्फिन का शिकार। गैर जिम्मेदार पर्यटन। इसके अतिरिक्त नावों से टकराना, फंगल संक्रमण और मनुष्यों का प्रताड़ित करना भी डॉल्फिन को चोट पहुंचाने का कारण बन सकता है।

श्रीलंका के दक्षिणी समुद्र के जल में ब्लू व्हेल, ब्राइड्स व्हेल, स्पर्म व्हेल, फिन व्हेल, बॉटल नोज डॉल्फिन, कॉमन डॉल्फिन और स्पिनर डॉल्फिन पाई जाती हैं। कलपिटिया के जल में स्पिनर डॉल्फिन के बड़े समूह पाए जाते हैं।

यहां स्पर्म व्हेल, ब्लू व्हेल, पिग्मी स्पर्म व्हेल और पायलट व्हेल भी बड़े समूहों में देखे जाते हैं। शर्मीली पिग्मी किलर व्हेल और पेलाजिक मेलन-हेडेड व्हेल इंसानों को शायद ही कभी दिखाई देती हैं। लेकिन वह श्रीलंका के समुद्र में पूरे साल रहती हैं।

रिसो की डॉल्फिन भी एक गहरे पानी की प्रजाति है। यह भी इंसानों से दूर रहती है। कभी-कभार धनुषाकार तरंगों पर सर्फ करती है। ऐसा खुरदरे दांतों वाली डॉल्फिन भी करती है। कभी-कभी फ्रेजर और धारीदार डॉल्फिन के विशाल झुंड दिखाई देते हैं।

उथले पानी की स्पिनर डॉल्फिन की कलाबाजा अकसर देखने को मिलती है। एथलेटिक स्पॉटेड डॉल्फिन नावों के आसपास खेलते हैं। व्हाइट इंडो-पैसिफिक हंपबैक, किलर व्हेल और फॉल्स किलर व्हेल भी दिखाई देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने भारतीय अधिकारी को दिया देश छोड़ने का आदेश

Ministry of Foreign Affairs - Pakistan
@ForeignOfficePk

PR NO. 137/2025

A Staff Member of the Indian High Commission, Islamabad, Declared as Persona Non Grata

The Government of Pakistan has declared a staff member of the Indian High Commission, Islamabad, as persona non grata for engaging in activities incompatible with his privileged status. The concerned official has been directed to leave Pakistan within 24 hours.

The Indian Charge d'Affaires was called to the Ministry of Foreign Affairs today for a démarche, conveying this decision.

11:33 PM · May 13, 2025 · 137.1K Views

इस्लामाबाद। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए और आतंकवादियों के पोषक पाकिस्तान ने अब इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग एक अधिकारी को देश छोड़ने का आदेश दिया है। पाकिस्तान ने उस पर जासूसी करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने 13 मई के इस आदेश को अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने लिखा, इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग के एक कर्मचारी को उसकी विशेषाधिकार प्राप्त स्थिति के साथ असंगत गतिविधियों में संलग्न होने के लिए अवांछित व्यक्ति घोषित किया है। संबंधित अधिकारी को 24 घंटे के भीतर पाकिस्तान छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

जेलेंस्की का ट्रंप से तुर्किये शांति वार्ता में मौजूद रहने का आग्रह

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से तुर्किये में रूस के साथ होने वाली शांति वार्ता में शामिल होने का आग्रह किया है। जेलेंस्की को उम्मीद है कि अगर ट्रंप इस दौरान मौजूद रहते हैं तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा। जेलेंस्की को विश्वास है कि ट्रंप इस दौरान मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप जरूरत पड़ने पर तुर्किये पहुंचने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरा चुके हैं। इस बीच जेलेंस्की ने कहा कि वह राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मिलने के लिए तुर्किये की राजधानी अंकारा जाएंगे और गुरुवार को इस्तांबुल में अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ सीधी बातचीत के लिए उपलब्ध रहेंगे। कीव में जल्दबाजी में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करेंगे कि यह बैठक हो। हालांकि रूस ने अभी तक यह नहीं बताया है कि इस्तांबुल कौन जाएगा। क्रेमलिन ने केवल इतना कहा है कि पुतिन अगर इसकी जरूरत समझते हैं तो इसकी घोषणा की जाएगी। दोनों देशों के बीच आखिरी बार सीधी बातचीत इस्तांबुल में मार्च 2022 में हुई थी। यह वही वक्त था जब रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया था।

अमेरिका में मेनेंडेज बंधुओं को माता-पिता की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा, 30 साल से ज्यादा जेल में काटे रिहाई का रास्ता साफ

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बेवर्ली हिल्स हवेली कैलीफोर्निया में अपने पिता जोस और मां

किट्टी मेनेंडेज की हत्या के जुर्म में लाइल और एरिक मेनेंडेज को मंगलवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। दोनों तीन दशक के अधिक समय से जेल में बंद हैं। लाइल अब 57 और एरिक 54 वर्ष के हैं। लॉस एंजिल्स सुपीरियर कोर्ट के जज माइकल वी. जेसिक ने यह फैसला परिवार के सदस्यों की गवाही के एक दिन बाद सुनाया। खबर के अनुसार, सुपीरियर कोर्ट ने जेल से रिहाई की संभावना के मद्देनजर दोनों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। परिवार के सदस्यों ने गवाही दी कि दोनों भाइयों ने शिक्षा और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से जेल के अंदर अपने जीवन को बदल दिया है। उन्होंने अदालत से 1989 के इस केस में दोनों भाइयों को कम से कम सजा सुनाने का आग्रह किया। लाइल और एरिक की मौसी जोन वेंडरमोलेन की गवाही इस केस में सबसे अहम रही। जज जेसिक ने फैसले में लिखा कि यह बहुत ही भयानक अपराध था। गुनाह बहुत चौंकाने वाला था। जेल सुधार अधिकारियों ने दोनों के जीवन में बदलाव के साक्ष्य उपलब्ध कराए। इन साक्ष्यों ने स्पष्ट रूप से इस केस में फैसले को प्रभावित किया। बचाव पक्ष के वकील मार्क गेरागोस ने फैसले की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह न्यायाधीश जेसिक को सलाम करते हैं।

फ्रांस में कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज, रेड कार्पेट पर उर्वशी रौतेला का जलवा, ज्यूरी मेंबर बनीं पायल कपाड़िया

कान्स (फ्रांस)

दुनिया के मशहूर और प्रतिष्ठित फिल्म उत्सव 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज हो गया। इसका समापन 24 मई को होगा। फेस्टिवल के पहले दिन 13 मई को अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने दुनियाभर की जानी-मानी हस्तियों के साथ रेड कार्पेट पर शिरकत की। इस दौरान उनके साथ नजर आया उनका खास पैरेट क्लच। इसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। उर्वशी ने मल्टीकलर गाउन, डायमंड क्राउन और क्रिस्टल पैरेट क्लच के साथ अपनी शानदार एंट्री दर्ज कराई। उन्होंने जूडिथ लीबर का लगभग पांच हजार डॉलर (करीब 4.2 लाख रुपये) की कीमत वाला पैरेट क्लच कैरी किया।

भारतीय फिल्म मेकर पायल कपाड़िया भी इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल की ज्यूरी का हिस्सा बनी हैं। उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने पिछले साल कान्स में ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड जीतकर देश का नाम रोशन किया था। इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में पायल कपाड़िया ज्यूरी मेंबर के तौर पर शामिल हुईं। फेस्टिवल के पहले दिन पायल को अपने साथी ज्यूरी मेंबर्स के साथ देखा गया। इस बार ज्यूरी पैनल में कई दिग्गज शख्सियत शामिल हैं, जिनमें फ्रेंच एक्टर जूलिएट बिनोश, अभिनेत्री और निर्देशक हाल्ले बेरी, इटालियन एक्टर अल्बा रोरवाकर, राइटर लीला स्लिमानी, डायरेक्टर होंग सैंग सू, डायरेक्टर-राइटर ड्यूडो हमादी, डायरेक्टर-राइटर कार्लोस रेगाडाज और अमेरिकन एक्टर जेरेमी स्ट्रॉन्ग का नाम शामिल है।

कान्स फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन टाइटैनिक फेम अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने पाम डिओर अवॉर्ड प्रेजेंट किया। हालांकि, वह रेड कार्पेट पर नजर नहीं आए। जैसे ही वह अवॉर्ड देने मंच पर पहुंचे तो दर्शकों ने उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देकर जोरदार स्वागत किया। लियोनार्डो की मौजूदगी ने समारोह के पहले दिन के माहौल को और भी खास बना दिया। लियोनार्डो डिकैप्रियो ने सीनियर हॉलीवुड एक्टर रॉबर्ट डी नीरो को पाम डिओर अवॉर्ड देते हुए उन्हें अपना रोल मॉडल बताया।

अवॉर्ड मिलने के बाद डी नीरो ने कान्स फेस्टिवल का आभार जताया, लेकिन मंच से अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर नाराजगी जाहिर की। डी नीरो ने कहा, कला सच्चाई है, कला विविधता को अपनाती है और यही वजह है कि कला तानाशाहों के लिए हमेशा खतरा बनती है। अमेरिका के असभ्य राष्ट्रपति ने खुद को देश के प्रमुख सांस्कृतिक संस्थानों का प्रमुख बना लिया है। उन्होंने कला, मानवता और शिक्षा के लिए फंड में कटौती की है। अब वह अमेरिका से बाहर बनी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं। लेकिन आप कनेक्टिविटी पर कोई टैक्स नहीं लगा सकते। उनकी इस बेबाक स्पीच ने फेस्टिवल में खूब सुर्खियां बटोरीं। इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा की दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। ईशान खट्टर, जान्हवी कपूर और विशाल जेठवा अपनी फिल्म होमबाउंड को फेस्टिवल में पेश करेंगे। इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर अन सर्टेन रिगार्ड सेक्शन में होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये तीनों कलाकार रेड कार्पेट पर भी शिरकत करेंगे। इसके अलावा, डायरेक्टर नीरज घायवान और फिल्ममेकर करण जौहर भी इस बार फेस्टिवल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

कान्स 2025 में भारतीय फिल्मों की शानदार मौजूदगी भारतीय सिनेमा की ताकत को एक बार फिर से वैश्विक मंच पर उजागर कर रही है। 'होमबाउंड', 'तन्वी द ग्रेट' जैसे उभरते प्रोजेक्ट्स से लेकर सत्यजीत रे की कालजयी कृति 'अरण्येर दिन रात्री' तक भारत इस बार कान्स में अपनी धाक जमा रहा है। इन फिल्मों के चयन ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाई है और फैंस सोशल मीडिया पर इनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं। यह भारतीय सिनेमा के लिए एक ऐतिहासिक पल है, जो दर्शाता है कि भारतीय फिल्मों का प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महसूस किया जा रहा है।

रेड कार्पेट पर नजर आएंगी आलिया भट्टः आलिया भट्ट इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। वह लोरियल पेरिस की ग्लोबल एंबेसडर के तौर पर इस प्रतिष्ठित इवेंट में शिरकत करेंगी। जैकलीन फर्नांडिस भी दूसरी बार इस समारोह का हिस्सा बनेंगी। उर्वशी रौतेला पिछले साल की तरह इस बार भी अपने ग्लैमरस लुक के साथ फेस्टिवल में नजर आएंगी। इसके अलावा, ऐश्वर्या राय बच्चन हमेशा की तरह अपने खूबसूरत अंदाज से रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरती दिखेंगी।

नेतन्याहू का ऐलानः जब तक हमास का अंत नहीं होता गाजा में युद्ध नहीं रुकेगा

तेल अवीव,14 मई (एजेंसियां)।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को स्पष्ट कर दिया कि जब तक हमास पूरी तरह समाप्त नहीं हो जाता, गाजा में चल रहे युद्ध को किसी भी सूरत में रोका नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि बंधकों की रिहाई के बदले अस्थायी युद्धविराम संभव है, लेकिन युद्ध का समापन नहीं।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान में नेतन्याहू ने घायल सैनिकों से मुलाकात के दौरान कहा, हम गाजा में पूरी ताकत के साथ घुसने वाले हैं, ताकि मिशन पूरा किया जा सके। इसका मतलब है हमास को खत्म करना। उन्होंने दोहराया कि अगर हमास कुछ और बंधकों को रिहा करता है, तो इजरायल उन्हें ले लेगा, लेकिन युद्ध की रणनीति नहीं बदलेगी। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि हम कुछ समय के लिए संघर्षविराम कर सकते हैं, लेकिन अंत तक लड़ाई जारी रहेगी। दूसरी ओर, हमास का कहना है कि वह बचे हुए बंधकों को तभी रिहा करेगा जब इजरायल, और फिलीस्तीनी कैदियों को रिहा करे। साथ ही, गाजा से अपनी सेना हटाए और और एक स्थायी युद्धविराम की घोषणा करे। ऐसे में नेतन्याहू के इस बयान से गाजा संघर्ष को लेकर चल रही संभावित युद्धविराम वार्ताओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खासकर ऐसे समय में जब हमास ने सोमवार को अंतिम जीवित अमेरिकी बंधक को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सम्मान में रिहा किया था। ट्रंप वर्तमान में पश्चिम एशिया दौरे पर हैं, हालांकि वह इजराइल नहीं जा रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध को हटाने का अमेरिका के फैसला का किया स्वागत

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने सीरिया पर लगे प्रतिबंध को हटाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनोल्ड ट्रंप के फैसला का स्वागत किया है। यूएन ने कहा कि अमेरिका के इस कदम से सीरिया के पुनर्निर्माण की राह खुलेगी। सीरिया के लिए संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष दूत गेयर पैडरसन ने मंगलवार को अमेरिका द्वारा सीरिया की नई सरकार पर लगाए गए प्रतिबंध हटाने के निर्णय का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने इसे सीरिया के पुनर्निर्माण और मानवीय सहायता पहुंचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। यूएन ने कहा- सीरिया के पुनर्निर्माण की राह खुली पेडरसन ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, यह फैसला न सिर्फ स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाओं की बहाली में सहायक होगा, बल्कि सीरियाई अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, क्षेत्रीय समर्थन को प्रोत्साहित करने और देश की पुनर्निर्माण प्रक्रिया में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र का यह बयान ऐसे समय में आया है जब सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता की दिशा में प्रयास कर रही है। अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को हटाना न केवल मानवीय सहायता को गति देगा, बल्कि सीरिया के क्षेत्रीय और वैश्विक मंच पर फिर से सक्रिय होने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार प्रमुख बनने के बाद पहली बार गृहनगर चटगांव पहुंचे

ढाका,14 मई (एजेंसियां)।

मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद आज सुबह पहली बार अपने गृहनगर चटगांव पहुंचे। मुख्य सलाहकार और उनके सहयोगियों को लेकर बिमान बांग्लादेश एयरलाइंस का विमान सुबह लगभग 9:22 बजे चटगांव के शाह अमानत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, मोहम्मद यूनुस अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान चटगांव बंदरगाह का दौरा करेंगे और बंदरगाह के अंदर एनसीटी-5 परिसर में एक बैठक में भाग लेंगे। वह बंदरगाह और शिपिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों, विभिन्न बंदरगाह उपयोगकर्ता संगठनों के प्रतिनिधियों और व्यापार निकायों के नेताओं के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके बाद चटगांव सर्किट हाउस जाएंगे। वहां कर्णफुली नदी पर कलुरघाट पुल की आधारशिला रखेंगे। वह चंटगांव के अधिकारियों से शहर में जलभराव और शहर के ऑक्सीजन चौराहे से हाथजारी रोड पर यातायात के दबाव पर भी चर्चा करेंगे। यूनुस एक समारोह में चटगांव नेशनल हार्ट फाउंडेशन

की जमीन के दस्तावेज भी सौंपेंगे। वह चटगांव विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वह हाथजारी उपजिला में शिकारपुर संघ के तहत बथुआ गांव में अपने पैतृक घर का भी दौरा करेंगे। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, मुक्ति युद्ध मामलों के सलाहकार फारूक-ए-आजम, ऊर्जा सलाहकार डॉ. मोहम्मद फौजुल कबीर खान, शिक्षा सलाहकार सीआर अबरार, स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, मत्स्य पालन और पशुधन सलाहकार फरीदा अख्तर, एसडीजी मामलों की प्रमुख समन्वयक लामिया मोर्शेद और मुख्य सलाहकार के प्रेस सचिव शफीकुल आलम मुख्य सलाहकार के साथ हैं।

भारत-पाक तनाव के बीच दोनों देशों के मंत्री काठमांडू में होंगे आमने-सामने

काठमांडू,14 मई (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम के बाद भी तनाव की स्थिति बनी हुई है। ऑपरेशन सिंदूर के अस्थाई रूप से रुकने के बाद भी कूटनीतिक और राजनीतिक रूप से स्थिति अब भी सहज नहीं है। ऐसे में दोनों देशों के मंत्री काठमांडू में दो दिनों तक एक ही कार्यक्रम में शिरकत करने वाले हैं।

नेपाल सरकार के द्वारा 16-18 मई को सागरमाथा संवाद का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भारत, पाकिस्तान और चीन सहित कई देशों के प्रतिनिधि सहभागी होने वाले हैं। जलवायु परिवर्तन को लेकर होने जा रहे इस सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में भारत की तरफ से वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव सहभागी होने वाले हैं। इसी कार्यक्रम में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने के लिए वहां के वातावरण तथा जलवायु परिवर्तन मामलों के मंत्री डा मुसादिक मसूद मलिक के सहभागी होने की जानकारी दी गई है। इस्लामाबाद में नेपाल की राजदूत रीता धिताल ने मंगलवार की शाम को मुलाकात कर उन्हें काठमांडू आने का औपचारिक न्यौता दिया है। माना जा रहा है कि मलिक ही पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करते हुए सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में सहभागी होने वाले हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चली जंग के बाद इस समय अस्थाई तौर पर युद्धविराम की घोषणा के बाद यह पहली बार होगा जब किसी अंतराष्ट्रीय फोरम पर दोनों देशों के मंत्री एक साथ नजर आने वाले हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के नाम अपने संबोधन में यह कहा था कि टेरर और टॉक एक साथ नहीं चल सकता है। ट्रेड और टॉक एक साथ नहीं चल सकता है। अब देखना यह है कि दो दिनों तक काठमांडू में एक ही कार्यक्रम में सहभागी होने के बावजूद भारत और पाकिस्तान के मंत्री का एक दूसरे के प्रति क्या रवैया रहने वाला है।

सागरमाथा संवाद कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के तौर पर चीन की संसद के डिप्टी स्पीकर जियाओ जिए सहभागी होने जा रहे हैं। पहले इस कार्यक्रम के लिए नेपाल सरकार के तरफ से भारत और चीन के प्रधानमंत्री को न्यौता भेजा गया था लेकिन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम में व्यस्तता का हवाला देते हुए इंकार कर दिया था जिसके बाद चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने भी अंतिम समय में अपना दौरा रद्द कर दिया है।

पहलगाम का झटका, हजारों लोगों की आजीविका छिनी

जम्मू, 14 मई (ब्यूरो)। पहलगाम में हाल ही हुए आतंकी हमले ने क्षेत्र के पर्यटन उद्योग को गहरा झटका दिया है, जिससे हजारों लोग बेरोजगार हो गए हैं। कभी चहल-पहल से भरा यह शहर अब वीरान पड़ा है, क्योंकि 5,000 घोड़ा संचालक और करीब 600 वाहन मालिक-अपने परिवारों के साथ-जो अपनी आजीविका के लिए पर्यटन पर निर्भर थे, आज बेकार हो गए हैं।

अनंतनाग में कभी पर्यटन गतिविधियों का जीवंत केंद्र रहा पहलगाम का सुंदर शहर अब वीरान नजर आता है। कश्मीर की बैसरन घाटी, जिसे अक्सर पोस्टकार्ड-परफेक्ट दृश्यों के लिए मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है, उसकी शांति 22 अप्रैल को तब बिखर गई, जब पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान ले ली गई। यह हमला पर्यटन सीजन की शुरुआत में हुआ, जो अप्रैल से अक्टूबर तक चलता है। यह होटल, परिवहन, हस्तशिल्प और स्थानीय बाजारों से जुड़े व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण अवधि होती है। हजारों निवासी, जिनकी आजीविका पर्यटकों की आमद पर निर्भर करती है, अब बहुत कम या बिना आय और घटती उम्मीद के साथ अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं।

पत्रकारों से बात करते हुए, पोनी वाला एसोसिएशन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद वानी ने उन हजारों घोड़ा संचालकों के लिए गहरी चिंता व्यक्त की, जो अब अपने परिवारों का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे कहते हैं कि पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले से 5,000 घोड़ा संचालकों के परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर निर्भर करती है, क्योंकि क्षेत्र के सभी 13 गांव इसकी प्राकृतिक सुंदरता पर निर्भर हैं। वे कहते हैं कि हमला करने वालों ने बहुत बड़ी गलती की है। हम इस देश के नागरिक हैं और अगर पर्यटक यहां आना बंद कर देंगे तो हमलावरों का उद्देश्य पूरा हो जाएगा। बैसरन में निर्दोष नागरिकों पर हमले के लिए जिम्मेदार लोग शांति को भंग करना चाहते थे। देश भर से पर्यटकों को यहां आना चाहिए और ऐसे तत्वों के एजेंडे को विफल करना चाहिए। फोटोग्राफर, होटल व्यवसायी, ड्राइवर और टट्टू वालों की आजीविका प्रभावित हुई है।

पहलगाम के सूमो स्टैंड के अध्यक्ष गुलजार अहमद के बकौल, पर्यटकों को परिवहन सेवाएं प्रदान करने वाले 600 से अधिक वाहन मालिकों ने भी अपनी आय का स्रोत खो दिया है। वे कहते हैं, मेरे संघ में करीब 600 वाहन हैं जो करीब 60,000 परिवार के सदस्यों की आजीविका का सहारा हैं। पहलगाम की पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन के इर्द-गिर्द घूमती है।

ऑपरेशन सिंदूर का असर वैष्णो देवी की यात्रा पर भी

जम्मू, 14 मई (ब्यूरो)।
भारत और पाकिस्तान के तनाव का असर माता वैष्णो देवी की यात्रा पर भी पड़ा है। आमतौर पर इन दिनों में यात्रियों से गुलजार रहने वाले कटड़ा मार्ग पर लोगों की संख्या में गिरावट आई है। अगर आंकड़ों पर गौर करें तो इस महीने की 6 तारीख को देशभर से 12917 यात्री आए थे, जबकि स्ट्राइक वाले दिन यानी 7 मई को 12760 यात्री माता के दर्शनों के लिए देश पर से कटरा पहुंचे।

वहीं, स्ट्राइक के बाद 8 मई को 8670, 9 तारीख को 3962, 10 मई को 1352, 11 मई को 1303, 12 मई को 1658 और 13 मई को 2808 श्रद्धालु ही माता के दर्शन करने पहुंचे। हालांकि अब सात दिनों के बाद हेलीकाप्टर सेवा फिर से शुरू कर दी गई है। यह सेवा कटड़ा से सीधे सांझी छत तक जाती है, जहां से श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के दरबार तक पहुंचते हैं। कुछ दिन पहले देश के हवाई क्षेत्र को आपरेशन सिंदूर के कारण बंद कर दिया गया था, जिसके चलते कई हवाई मार्गों के साथ-साथ कटड़ा से सांझी छत जाने वाली हेलीकाप्टर सेवा भी स्थगित कर दी गई थी। इससे तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा था, क्योंकि यह सेवा कई श्रद्धालुओं के लिए यात्रा को आसान और सुविधाजनक बनाती है।

महाराष्ट्र से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए कटड़ा पहुंचे श्रद्धालुओं का दावा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी के बाद उन्होंने अपने टिकट रद्द करवा दिए थे। हालांकि, जैसे ही पाकिस्तान घुटने टेक कर सीजफायर पर आया तो उन्होंने दोबारा अपनी टिकट करवाई और बच्चों के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शनों के लिए पहुंच गए। इन श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्हें भारतीय सेना और भारत सरकार पर पूरा भरोसा है। बेशक कटड़ा आने वाली ट्रेनें या कटरा शहर खाली हैं, लेकिन माता का दरबार खाली नहीं होना चाहिए। इन श्रद्धालुओं का दावा है कि उन्हें माता का बुलावा आया था, इसलिए वह मां वैष्णो के दर्शन के लिए आ गए। इन भक्तों ने पूरे देश में माता के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर माता वैष्णो देवी के दर्शन करें।

वैसे वैष्णो देवी जाने वाले भक्तों के लिए जरूरी खबर यह भी है कि रेलवे द्वारा विभिन्न रूटों की ट्रेनों को रि-शिड्यूल किया गया है और जम्मू की तरफ जाने वाली अधिकतर ट्रेनों को दिन के समय संचालित किया जा रहा है। इसके चलते वैष्णो देवी सहित जम्मू जाने वाली अधिकतर ट्रेनें देरी से चल रही है।

ट्रेनों का समय रूटीन के मुताबिक करने पर रेलवे द्वारा जल्द फैसला लिया जा सकता है, लेकिन फिलहाल ट्रेनों का देरी के साथ परिचालन होगा। कर्नाटक से आए कुछ श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हुई तनातनी से पहले ही अपने टिकट करवा लिए थे लेकिन जब भारत और पाकिस्तान के बीच हालत बिगड़ गए तो उन्होंने अपना टिकट कैंसिल नहीं करवाया। उनके मुताबिक उन्हें भारतीय सेना पर भरोसा है और वह माता के दर्शन किसी भी हाल में करने आएंगे।

मुर्मु ने की 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेनाओं की वीरता की सराहना

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सीमापार से संचालित आतंकवाद के खिलाफ चलाये गये 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेनाओं की वीरता, समर्पण और सफलता की सराहना की है।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने बुधवार को यहां एक साथ श्रीमती मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं। जनरल चौहान के साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने राष्ट्रपति को पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई की जानकारी दी।

राष्ट्रपति भवन ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया 'एक्स' पर दी और कहा कि इन शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया। पोस्ट में कहा गया है, राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की सराहना की, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के जवाब को शानदार सफलता बना दिया।

पहलगाम में पाकिस्तान की शह पर आतंकवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों की चुन-चुन कर हत्या किए जाने के जवाब में भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के अड्डों और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ छह-सात मई की दरमियानी रात में कार्रवाई शुरू की थी, जिसमें 100 से अधिक दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की सेनाओं की ओर से भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की गयी, जिसे नाकाम करते हुए भारत ने उसके कई सैन्य अड्डों और वायु रक्षा प्रणाली को ध्वस्त कर दिया।

शीर्ष सैन्य नेतृत्व ने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विशेषज्ञों और पूर्व सैनिकों के साथ गहन मंथन किया

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
प्रमुख रक्षा अध्यक्ष और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन और इस दौरान तीनों सेनाओं के बीच तालमेल के बारे में थिंक टैंक के विशेषज्ञों तथा पूर्व सैनिकों के साथ गहन मंथन किया है।

एकीकृत रक्षा मुख्यालय की ओर से बुधवार सुबह बताया गया कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वायु सेवा प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने सुबह रक्षा थिंक टैंक के विशेषज्ञों और पूर्व सैनिकों के साथ ऑपरेशन सिंदूर के सफल संचालन में भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई और संचालन प्रक्रिया पर चर्चा की।

इस संवाद के दौरान ऑपरेशन के दौरान तीनों सेनाओं और अन्य पदों के बीच शानदार तालमेल के बारे में विशेष रूप से चर्चा की गई। इस दौरान सेनाओं के बीच परस्पर और अन्य बलों के साथ सामंजस्य का असाधारण नमूना देखने को मिला।

शीर्ष सैन्य नेतृत्व में इस बात पर भी प्रकाश डाला कि किस तरह से तीनों सेनाओं ने स्पष्ट रूप से बताए गए रणनीतिक मार्गदर्शन के माध्यम से ऑपरेशन को सफलतापूर्वक पूरा किया।

हाईकोर्ट के कई जज लेते हैं गैरजरूरी ब्रेक, परफॉर्मेंस ऑडिट का वक्त आ गया है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा के मामले में झारखंड के चार लोगों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट्स के जजों के काम करने के तरीकों पर तल्ख टिप्पणी की।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने हाईकोर्ट्स में मुकदमों की सुनवाई पूरी होने के बाद भी लंबे समय तक फैसला सुरक्षित रखने पर चिंता जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जजों के परफॉर्मेंस का भी ऑडिट हो।

बेंच ने कहा, कुछ जज बहुत परिश्रम करते हैं, लेकिन कुछ जज बार-बार गैरजरूरी ब्रेक लेते हैं। कभी कॉफी ब्रेक, कभी लंच ब्रेक तो कभी कोई और ब्रेक। वे लगातार लंच ब्रेक तक क्यों काम नहीं करते? हम हाईकोर्ट के जजों को लेकर कई शिकायतें सुन रहे हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे गंभीरता से देखने की जरूरत है। हम कैसा परफॉर्मेंस कर रहे हैं और हमारा न्यायिक आउटपुट क्या है, इसका मूल्यांकन जरूरी है। अब समय आ गया है कि परफॉर्मेंस-ऑडिट हो।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले आजीवन कारावास सजा पाए झारखंड के चार अभियुक्तों ने अपनी अपील में कहा था कि वे अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। उनका आरोप था कि उनकी आपराधिक अपीलों पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बावजूद, दो से तीन वर्षों तक निर्णय सुरक्षित रखा गया है।

कोर्ट ने कहा, ऐसे मामले यह दर्शाते हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए अनिवार्य दिशानिर्देशों की जरूरत है, ताकि दोषियों या विचाराधीन कैदियों को ऐसा न लगे कि उन्हें न्याय मिलने की गारंटी नहीं है। इस प्रकार की याचिकाएं बार-बार दायर नहीं होनी चाहिए।

हालांकि, इस मामले में 5 मई को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि इन चारों मामलों में अब निर्णय सुना दिया गया है। तीन मामलों में दोषियों की अपील स्वीकार कर ली गई, जबकि चौथे मामले में मतभेद के चलते उसे दूसरी पीठ को सौंपा गया।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान देश के सभी हाईकोर्ट्स से जानकारी मांगी थी कि 31 जनवरी 2025 या उसके पहले के कौन-कौन से मामले हैं, जिनमें सुनवाई पूरी करने के बावजूद अब तक फैसला सुनाया नहीं गया है।

इसके बाद, 9 मई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से यह भी जानकारी मांगी कि फैसले कब सुनाए गए और कब उन्हें कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई महीने में निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता फौजिया शकील ने अदालत में पक्ष रखा।

पीओके पर कब्जा ही आतंकवाद का स्थायी समाधान : रामदास आठवले

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को अपने देश में सम्मिलित करने की मांग करते हुए बुधवार को कहा कि इस पर क़ब्ज़ा ही आतंकवाद का स्थायी समाधान है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष आठवले ने कहा, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से व्यापक कार्रवाई किए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करता हूँ। पाकिस्तान पोषित आतंकवाद को भारतीय सेना द्वारा करारा जवाब दिया है तथा पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को पूरे विश्व में उजागर किया है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की पहचान का महत्वपूर्ण उदाहरण: अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए इसे भारत की पहचान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णायक नेतृत्व में इसके सशस्त्र बलों द्वारा निभाई गई शानदार भूमिका का एक महत्व-पूर्ण प्रदर्शन बताया।वैष्णव ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले का सैन्य जवाब न केवल देश की सामरिक क्षमताओं का प्रमाण है, बल्कि केंद्र के निर्णायक नेतृत्व में लागू किए गए नए रक्षा सिद्धांत को भी दर्शाता है।मीडिया से बात करते हुए वैष्णव ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर भारत की 'अस्मिता' (पहचान), हमारे सशस्त्र बलों की भूमिका और निर्णायक नेतृत्व का एक बहुत ही महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह उस नए सिद्धांत का भी उदाहरण देता है जो बनाया गया है। यह देश के लिए एक सराहनीय विकास है।केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश के जेवर में भारत की छठी सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बारे में प्रेस को संबोधित किया। यह एचसीएल और फॉक्सकॉन के बीच एक संयुक्त उद्यम होगा और इसे जेवर हवाई अड्डे के पास स्थापित किया जाएगा। 2027 में उत्पादन शुरू हो जाएगा।एचसीएल का हार्डवेयर के विकास और विनिर्माण में लंबा इतिहास रहा है, और फॉक्सकॉन इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में वैश्विक अग्रणी है। साथ मिलकर, वे यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण, या धएखऊ- में जेवर हवाई अड्डे के पास एक संयंत्र स्थापित करेंगे।चिप इकाई में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि अन्य पांच इकाइयों पर काम चल रहा है और इस साल के अंत में इनका उद्घाटन होने की उम्मीद है।मंत्री ने कहा कि जेवर इकाई की क्षमता 20,000 वेफर प्रति माह होगी और यह प्रति माह 36 मिलियन (3.6 करोड़) चिप्स का उत्पादन करेगी। जेवर प्लांट में उत्पादित चिप्स का उपयोग मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल और पीसी सहित अन्य चीजों में किया जाएगा।भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, जिसमें विभिन्न स्थानीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ इसकी विशाल क्षमता का दोहन करने का इरादा रखती हैं। कोविड-19 के दौरान चिप की कमी ने इस कमी को पूरा करने, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी विनिर्माण के महत्व को महसूस किया।अन्य पांच सेमीकंडक्टर गुजरात और असम में निर्माणाधीन हैं।इससे पहले दिन में, वैष्णव ने प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के लिए अपने नवीनतम ब्लॉग में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत ने आतंकवाद-विरोध पर नियम पुस्तिका को फिर से लिखने का फैसला किया है।अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति का स्पष्टतम उदाहरण है।अश्विनी वैष्णव के ब्लॉग में लिखा है, पहलगाम में नरसंहार सिर्फ निर्दोष लोगों पर हमला नहीं था - यह भारत की अंतरात्मा पर हमला था। जवाब में, भारत ने आतंकवाद-रोधी नियम पुस्तिका को फिर से लिखने का फैसला किया। ऑपरेशन सिंदूर मोदी सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए शून्य-सहिष्णुता, कोई समझौता नहीं करने की नीति, पीएम मोदी के सिद्धांत की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।केंद्रीय मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया। सिंधु जल संधि को स्थगित करने से लेकर पाकिस्तानी आतंकी शिविरों पर सैन्य हमले करने तक, इन कदमों ने पाकिस्तान और आतंकी समूहों को पहलगाम हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया का अनुमान लगाने से रोक दिया।ब्लॉग में आगे कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य हमले करने तक हर कदम सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और समयबद्ध हो। सरकार ने आवेग के बजाय रणनीति को चुना। इससे पाकिस्तान और आतंकी समूहों को भारत की प्रतिक्रिया का अनुमान लगाने से रोकने में मदद मिली।

इसने सुनिश्चित किया कि ऑपरेशन सिंदूर को आश्चर्य, सटीकता और पूर्ण प्रभाव के साथ अंजाम दिया गया।ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई की सुबह पाकिस्तान और पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर के अंदरूनी इलाकों में स्थित नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमले किए।ये हमले पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में किए गए थे; हालांकि, त्वरित प्रतिक्रिया में भारत सरकार ने हमले के एक दिन बाद सीसीएस (सुरक्षा पर कैबिनेट समिति) की बैठक के बाद दोनों देशों के बीच वर्ष 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था।12 मई को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में एयर स्ट्राइक के बाद अब ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति है।प्रधानमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने का उल्लेख किया और कहा कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान के साथ बातचीत होगी तो वह केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर को खाली कराने पर होगी।प्रधानमंत्री ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक नया मानदंड स्थापित किया है तथा एक नया मानदंड और नई रीति स्थापित की है।

भारत ने अपनाया चिप-बेस्ड ई-पासपोर्ट, 2025 मिड तक पूरे देश में मिलेगी ये सुविधा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।
पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम संस्करण 2.0 के हिस्से के रूप में विदेश मंत्रालय ने ई-पासपोर्ट पहल शुरू की है। यह न केवल भारत की पासपोर्ट प्रणाली के आधुनिकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि पासपोर्ट धारकों के डेटा के दोहराव से बचने में भी मदद करेगा। ई-पासपोर्ट पहचान सत्यापन को और अधिक कुशल बना देगा, साथ ही धोखाधड़ी के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा।

ई-पासपोर्ट पारंपरिक कागजी दस्तावेज़ों का एक संयोजन है जिसमें एक सुरक्षित, इलेक्ट्रॉनिक चिप होती है जिसमें व्यक्तिगत और बायोमेट्रिक डेटा होता है। ई-पासपोर्ट एक रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन चिप का उपयोग करता है जो सभी व्यक्तिगत जानकारी और बायोमेट्रिक विवरण संग्रहीत करता है।

ई-पासपोर्ट की पहचान करना बहुत आसान है क्योंकि यह पासपोर्ट के सामने के कवर के नीचे एक छोटे से अतिरिक्त सुनहरे रंग के प्रतीक के साथ आता है।बढ़ी हुई सुरक्षा: ई-पासपोर्ट का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसमें डिजिटल हस्ताक्षरित चिप होती है, जो जालसाजी, पासपोर्ट की नकल और पहचान की चोरी के जोखिम को कम करती है।

कपिल शर्मा बॉलीवुड पार्टीज से क्यों रहते हैं दूर?

अर्चना पूरन सिंह ने अब किया खुलासा

अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने हाल ही में कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कपिल बहुत ही प्राइवेट पर्सन हैं और बॉलीवुड पार्टीज में नहीं जाते हैं। ये भी जिक्र किया कि कैसे बीते सालों में उनका रिश्ता और मजबूत हुआ है। बता दें कि कपिल द ग्रेट इंडियन कपिल शो से दर्शकों को हंसाते हैं तो अर्चना जज की कुर्सी पर नजर आती हैं।

कपिल शर्मा के साथ अपनी दोस्ती की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अर्चना पूरन सिंह ने कहा, ये कॉमेडी सर्कस था, जिसमें कपिल बाकी 10 लोगों की तरह एक कंटेस्टेंट था, तब हमारा रिश्ता शुरू हुआ। कौन जानता था कि ये इतना आगे तक जाएगा? ये आपसी सम्मान पर आधारित एक रिश्ता था। मैं उनकी सीनियर थी और शो में जज थी। मेरी तरफ से, उनके लिए सम्मान बढ़ता गया, क्योंकि मैंने उनमें शानदार टैलेंट देखा, जब भी मैं उन्हें देखती हूं, इतनी प्योरिटी (शुद्ध) और पावरफुल होने के लिए उनके आगे झुक जाती हूं। मैंने कृष्णा, कपिल के साथ भी ऐसा ही रिश्ता बनाया और अब ये एक फैमिली रिश्ते में बदल गया है।

अर्चना ने ये भी बताया कि कपिल किस तरह से संकोची हैं। उन्होंने कहा, 'कपिल अब मेरे साथ बहुत कंफर्टेबल हैं... वो 10 में से 9 लोगो के साथ सहज नहीं हैं। वो अपनी पर्सनल लाइफ में बहुत ही संकोची व्यक्ति हैं। वो चीजों को बहुत प्राइवेट रखना पसंद करते हैं और आप उन्हें बहुत ज्यादा प्रमोशन करते नहीं देखेंगे। आप उन्हें सिर्फ शो में ही देखेंगे। वो पार्टियों में नहीं जाते। जब वो मेरे घर आते हैं तो बहुत कंफर्टेबल होते हैं। अगर मैं उनके घर चली जाती हूं तो बहुत ही सहज होते हैं। अब हमारा रिश्ता बहुत सहज हो गया है। ये एक-दूसरे के साथ एक जैसे आदर पर बेस्ड है।'

अर्चना पूरन सिंह ने बताया, हम दोनों एक-दूसरे के साथ रहना पसंद करते हैं। हम एक ही तरह के ह्यूमर की तारीफ करते हैं। हालांकि हमारी परवरिश बिल्कुल अलग रही है, लेकिन हम एक-दूसरे से जुड़े हैं और ह्यूमर के एक प्लेटफॉर्म पर साथ आए हैं। वैसे, अर्चना पूरन सिंह की बात सुन कपिल शर्मा के फैंस भी इस कारण से समहत नजर आ रहे हैं। यूजर्स कॉमेंट में लिख रहे हैं कि यह सही भी है। जहां कंफर्ट नहीं हो, वहां नहीं जाना चाहिए।

अब व्लॉगर भी बन गई हैं अर्चना

वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्चना पूरन सिंह को टोस्टर में देखा जाएगा। इसके अलावा वो अब यूट्यूब पर व्लॉग भी बनाने लगी हैं और अपनी फैमिली, पति परमीत सेठी, बच्चों आर्यमन और आयुष्मान सेठी के साथ फनी मोमेंट की झलक दिखाती हैं।

सलमान खान की पार्टी में पानी की तरह बहता है वोडका, रशियन्स का भी हो जाता है बुरा हाल!

20 साल पहले सलमान खान लकी फिल्म में स्नेहा उल्लाल के साथ नजर आए थे। इस फिल्म के मेकर्स राधिका राव और वियन सप्रु ने हाल ही में सलमान की शराब से भरी पार्टियों को याद करते हुए दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने रशियंस क्रू मेंबर्स को भाईजान की पार्टी में ना जाने की हिदायत दी थी, लेकिन अपने आपको पीने के मामले में बेहतर साबित करने के चक्कर में उनका मटियामेट हो गया था। अगले दिन सेट पर भी उनकी हालत खराब थी। वहीं, सलमान टस से मस नहीं हुए थे।

फिल्म निर्माता राधिका राव और विनय सप्रू ने हिंदी रश यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए खुलासा किया, हमने उनसे (रूसी क्रू) कहा कि वो न जाएं। हमने उनसे कहा कि वे अगले दिन काम पर नहीं आएंगे। उन्होंने कहा, हम रूसी हैं, कोई भी हमसे ज्यादा नहीं पी सकता।' फिर हमने कहा, ऑल द बेस्ट, ये सलमान खान की पार्टी है, डोंट अंडरएस्टिमेट (कम मत आंकना)... वोडका का बहना कभी बंद नहीं हुआ और लोग पीते रहे। वे यह साबित करना चाहते थे कि वोडका पीने के मामले में वे दुनिया में सबसे अच्छे हैं।

राधिका ने आगे और खुलासा करते हुए बताया कि इतना पीने के बाद सबकी हालत कैसी हो गई थी। वो कहती हैं, 'कुछ लोग सीढ़ियों से लुढ़ककर नीचे आए, रूसी क्रू मेंबर्स। जब अगले दिन वो सेट पर आए तो उनमें से आधे अपना सिर पकड़े हुए थे और कुछ लेट आए थे। रशियन्स बहुत अनुशासित हैं, वे अनप्रोफेशनल होना पसंद नहीं करते हैं। राधिका ने बताया, उन्होंने (रशियन क्रू मेंबर्स) कहा कि सबसे शर्मनाक बात ये थी कि सलमान जरा सा भी हिले नहीं। वे चट्टान की तरह खड़े थे। उन्होंने कहा- हम सभी नीचे लुढ़क रहे थे, उल्टी कर रहे थे और वो हमारे साथ शराब भी पी रहे थे, लेकिन उन्हें कुछ नहीं हुआ।

2005 में रिलीज हुई थी लकी फिल्म

लकी: नो टाइम फॉर लव' फिल्म साल 2005 में रिलीज हुई थी। इसमें सलमान खान के साथ स्नेहा उल्लाल थीं। एक्ट्रेस ने इस फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा था। सलमान ने आदित्य का किरदार निभाया था।

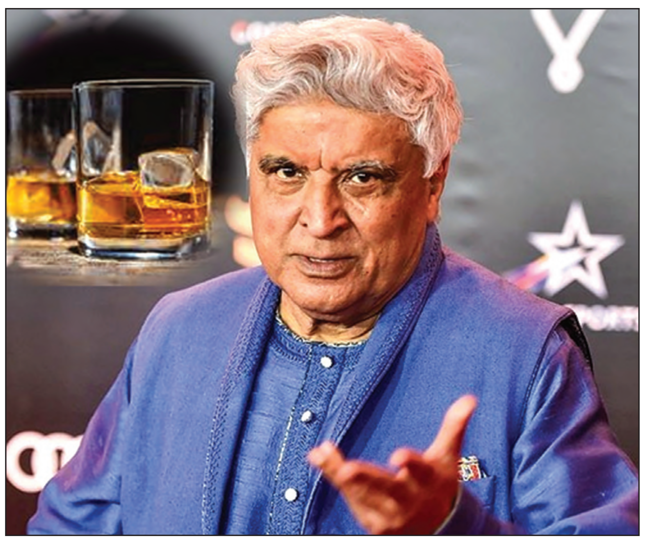

एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाते थे जावेद अख्तर!

जावेद अख्तर शराब की लत से अपनी लड़ाई के बारे में हमेशा खुलकर बात करते रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसने उनके निजी और प्रोफेशनल लाइफ को कैसे प्रभावित किया। हाल ही में एक इंटरव्यू में, जावेद ने उस समय को याद किया जब वह अकेले होने पर भी बहुत ज़्यादा शराब पीते थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि वह एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाते थे। बातचीत के दौरान, जावेद ने याद किया कि कैसे उन्होंने व्हिस्की से बीयर और फिर रम की ओर रुख किया।

जावेद अख्तर ने कहा, मुझे व्हिस्की से एलर्जी हो गई। फिर मैंने सोचा कि मुझे केवल बीयर ही पीनी चाहिए। मैं केवल एक बार में 18 बोतल बीयर पी जाता था। फिर मुझे लगा कि यार यह क्या पेट फूला रहा हूं मैं अपना? इसलिए, मैंने इसे छोड़ दिया और रम पीना शुरू कर दिया।

गीतकार-लेखक ने यह भी खुलासा किया कि शराब पीते समय उन्हें किसी की भी जरूरत नहीं पड़ती थी। उन्होंने बताया, मुझे किसी साथी की जरूरत भी नहीं पड़ती थी। कोई है तो अच्छी बात है, नहीं तो मैं अकेले पी लूंगा।

पहली शादी शराब के लत के कारण टूटी

एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने माना था कि उनकी पूर्व पत्नी हनी ईरानी के साथ उनकी शादी उनकी शराब की लत की वजह से नाकाम हुई। उन्होंने कहा, मुझे अपनी पहली शादी के टूटने का अफसोस है। इसे बचाया जा सकता था। लेकिन यह मेरा गैर-जिम्मेदाराना रवैया था, मेरी शराब पीने की आदत... जब आप नशे में होते हैं, तो आप कुछ भी डिसीजन लेते हैं, आप कुछ ऐसी चीजों के बारे में लड़ना शुरू कर देते हैं जो इतनी बड़ी बात नहीं होती। ये सब गलतियां तो हुई हैं मुझसे।

1991 में पी थी आखिरी शराब

उन्होंने शराब छोड़ने के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था, मैंने जीवन में जो कुछ अच्छे काम किए हैं, उनमें शराब छोड़ना भी शामिल है। 31 जुलाई, 1991 को मैंने आखिरी बार शराब पी थी। उसके बाद मैंने कभी शैंपेन का एक घूंट भी नहीं पिया। यहां तक कि जश्न के दौरान भी नहीं।

शबाना आजमी भी बोली थीं

इसके अलावा, जावेद अख्तर की पत्नी और एक्ट्रेस शबाना आज़मी ने भी अपने पति की शराब की लत से निपटने के अपने अनुभव के बारे में बताया था। उन्होंने बताया, यह बहुत मुश्किल था। उन्होंने तय कर लिया था कि अगर उन्होंने इस तरह से शराब पीना नहीं छोड़ा तो वे लंबे समय तक जिंदा नहीं रह पाएंगे और क्रिएटिव काम नहीं कर पाएंगे।

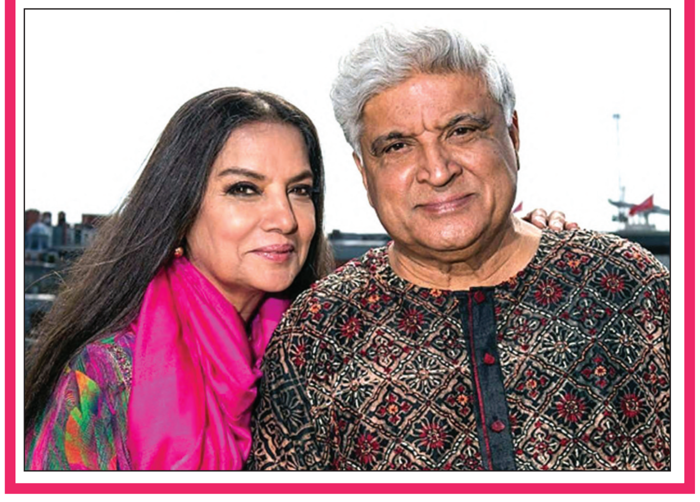

ग्राम चिकित्सालय की डॉ. गार्गी रियल लाइफ में है बेहद हॉट

ओटीटी प्लेटफॉर्म एक ऐसा माध्यम है, जहां से सेलेब्स को रातोंरात शोहरत मिल जाती हैं। इस कड़ी में नया नाम बी टाउन एक्ट्रेस अकांशा रंजन कपूर का नाम शामिल हो रहा है, जिन्होंने हालिया रिलीज वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय से फैंस का दिल जीत लिया है।ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो की इस सीरीज में सीधी-साधी महिला डॉ. गार्गी की भूमिका निभाने वालीं अकांशा रियल लाइफ में हद से ज्यादा हॉट हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरों के जरिए आप इस बात अंदाजा आसानी से लगा सकते हैं।

लेटेस्ट वेब सीरीज या फिल्में फैंस को नए किरदार के बारे में जानने की काफी रुचि रहती है। इस मामले में अब हम आपको जानने की एक्ट्रेस अकांशा रंजन के बारे में बताने जा रहे हैं। 18 सितंबर 1993 में अकांशा का जन्म हुआ। इनके पिता शशि रंजन एक फिल्ममेकर रहे हैं, जबकि बड़ी बहन अनुष्का रंजन सिनेमा की जानी-मानी एक्ट्रेस रही हैं। कियारा आडवाणी की ओटीटी फिल्म गिल्टी से अकांशा रंजन ने अपनी खास पहचान बनाई और अब वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय के जरिए वह फैंस की फेवरेट बन गई है। इस सीरीज में भोली-भाली डॉ गार्गी की भूमिका निभाने वालीं अकांशा रियल लाइफ में किसी अप्सरा से कम नहीं लगती हैं। फैंस भी उनके इस अदांज पर खुल प्यार लुटाते हैं। अकांशा ने फिल्म गिल्टी से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया और इसके बाद समय-समय पर वह अपनी अदाकारी की जलवा बिखरेती हुईं नजर आई हैं।

डीकोड- 2019, गिल्टी - 2020, रे- 2021, मोनिका ओह माय डार्लिंग- 2022, जिगरा- 2024

आलिया भट्ट की हैं जिगरी दोस्त

एक एक्ट्रेस होने के अलावा अकांशा रंजन बॉलीवुड की सुपरस्टार आलिया भट्ट की जिगरी दोस्त हैं। समय-समय पर आलिया इनके साथ सोशल मीडिया पर शानदार तस्वीरों को शेयर करते रहती हैं और अपनी दोस्ती की मिसाल कायम करती रहती है। इतना ही नहीं अकांशा भी आलिया के साथ बिताए खास लम्हों को फोटो और वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं।

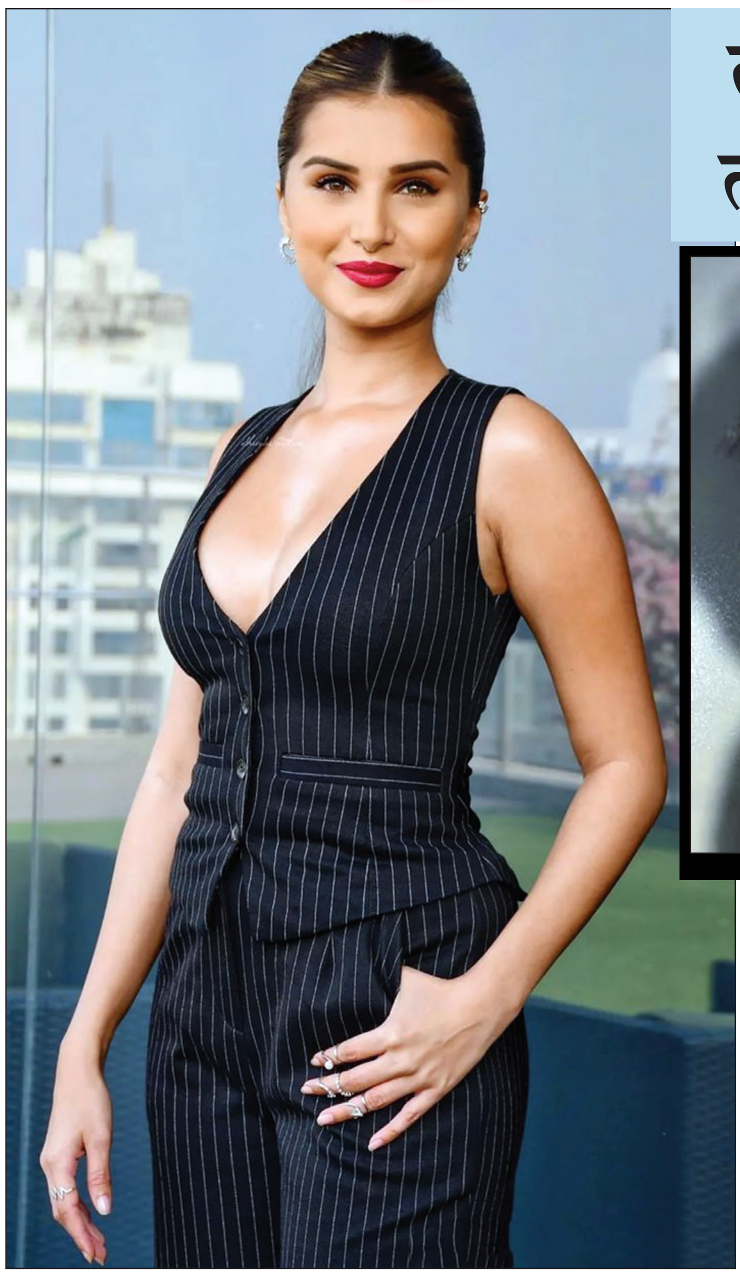

तारा सुतारिया ने अपनी बचपन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर की शेयर

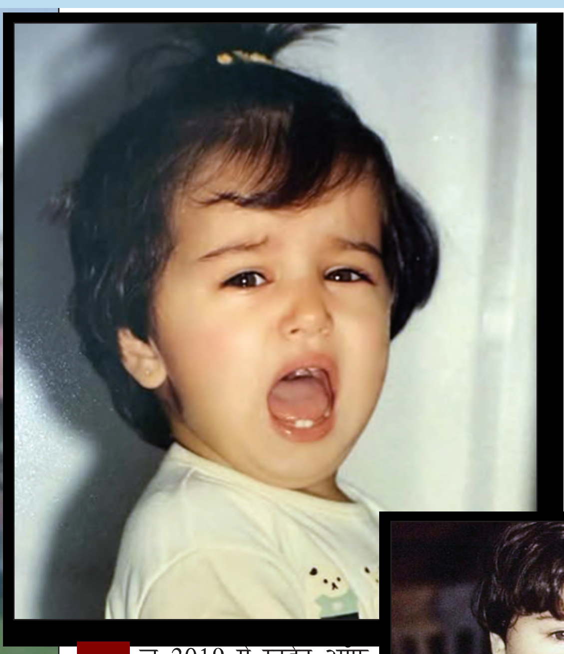

साल 2019 मे स्टूडेंट आफ़ द ईयर 2 में बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली तारा सुतारिया ने न केवल अपनी एक्टिंग से बल्कि अपने बेबाक अंदाज़ से भी लोगों का दिल जीता है। पिछले कुछ सालों में वह कई फ़िल्मों का हिस्सा रही हैं, जिनमें मरजावां, एक विलेन रिटर्न्स, तड़प, हीरोपंती 2, अपूर्वा और बहुत सारी फिल्में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर बचपन की तस्वीरें शेयर करके अपने फैंस को पुरानी यादों का लुत्फ़ दिया।

पहली तस्वीर में उनकी प्यारी गोल आंखें, गोल-मटोल गाल और एक मासूम चेहरा दिख रहा था। यह सिलसिला अलग-अलग मूड दिखाने वाली तस्वीरों के साथ जारी रहा- गुस्सा, खुशी, नींद और शरारती, इन सभी पोज में उनकी बेमिसाल क्यूटनेस ने सबका दिल जीत लिया। अपने बचपन की फोटोज को दिखाते हुए तारा सुतारिया ने मज़ाकिया अंदाज में पोस्ट को कैप्शन दिया, खुश और भूखा, बेबी टार का एकमात्र मूड। कुछ चीज़ें कभी नहीं बदलतीं।

जैसे ही तारा की तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आईं, इंडस्ट्री से उनकी दोस्त संजना सांघी ने लिखा- आवली लिटिल बेबी तारू। इस पर तारा ने जवाब दिया। नन्ही, गोल-मटोल और भूखी। किल और अपूर्वा जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले फिल्ममेकर निखिल नागेश भट ने लाल दिल वाले इमोजी के साथ कमेंट किया।

तारा सुतारिया की अगली फिल्म

एक्ट्रेस पिछले साल आदर जैन के साथ ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में थीं। रिपोर्ट्स थीं कि उन्हीं की दोस्त ने आदर के साथ अफेयर किया और फिर शादी की। काम की बात करें तो तारा अगली बार एक्शन-एडवेंचर फिल्म टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में दिखाई देंगी, जो 2026 में रिलीज होने वाली है।

सूर्य देव आज वृषभ राशि में करेंगे प्रवेश

इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, 30 दिनों तक वृषभ राशि में रहेंगे ग्रहों के राजा सूर्य

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर ग्रह के राशि परिवर्तन से हर राशि के जातकों के जीवन पर सकारात्मक या फिर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसी तरह सूर्य के गोचर होने से भी कुछ राशियों को अपार लाभ मिलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इन दिनों सूर्य मेष राशि में गोचर कर रहे हैं। इसके साथ ही आज 15 मई को मेष राशि से निकलकर वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। सूर्य के इस गोचर से कुछ राशियों को विशेष लाभ मिलेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि 15 मई 2025 को सूर्य रात्रि 12:20 बजे को मेष राशि से निकलकर वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। इसके साथ वृषभ राशि में पूरे एक माह यानी 15 जून तक रहेंगे। सूर्य के इस गोचर से 6 राशियों पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ेगा। ज्योतिष में सूर्य को तेज, मान-सम्मान और यश, उच्च पद-प्रतिष्ठा, आदि का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष के अनुसार सूर्य का राशि परिवर्तन एक महत्वपूर्ण घटना मानी जाती है। जिसका प्रभाव सभी राशि के जातकों पर पड़ता है। सिंह राशि के स्वामी सूर्य तुला राशि में नीचराशि तथा मेष राशि में उच्चराशिगत संज्ञक माने गए हैं। उच्च भाव में ग्रह अधिक मजबूत और बलशाली होते हैं। जबकि नीच राशि में ये कमजोर हो जाते हैं।

सेहत के नजरिये से भी महत्वपूर्ण सूर्य को जल चढ़ाना सेहत के लिए भी फायदेमंद है। उगते हुए सूर्य को चल चढ़ाने से शरीर को विटामिन डी की भरपूर मात्रा में मिलता है। सूर्य की किरणें शरीर में मौजूद बैक्टीरिया को दूर कर निरोगी बनाने का काम करती हैं। इससे शरीर स्वस्थ रहता है। इंसान का शरीर पंच तत्वों से बना होता है। इनमें एक तत्व अग्नि भी है। सूर्य को अग्नि का कारक माना गया है। इसलिए सुबह सूर्य को जल चढ़ाने से उसकी किरणें पूरे शरीर पर पड़ती हैं। इससे हार्ट, स्कीन, आंखें, लिवर और दिमाग जैसे सभी अंग सक्रिय हो जाते हैं। शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में मददगार ज्योतिष ग्रंथों में भी सूर्य को आत्मा का कारक माना गया है। इसलिए सुबह जल्दी उठकर सूर्य देव के दर्शन से मन प्रसन्न होता है। इससे सकारात्मक रहने और अच्छे काम करने की प्रेरणा मिलती है। सूर्य पूजा से शरीर में स्फूर्ति भी आती है। उगते हुए सूर्य की किरणें हमारी आंखों के लिए अच्छी होती है। ये हमारे शरीर के ऊर्जा चक्र को सक्रिय करने में भी मदद करती हैं। सूर्य को जल चढ़ाने से मन में अच्छे विचार आते हैं, जिससे प्रसन्नता महसूस होती है। इससे सोचने-समझने की शक्ति भी बढ़ती है। ये व्यक्ति की इच्छाशक्ति को मजबूत करने का भी काम करता है।

सूर्य का शुभ - अशुभ प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से जॉब और बिजनेस में तरक्की के योग बनते हैं और लीडरशीप करने का मौका भी मिलता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्माकारक ग्रह कहा गया है। इसके प्रभाव से आत्मविश्वास बढ़ता है। पिता, अधिकारी और शासकिय मामलों में सफलता भी सूर्य के शुभ प्रभाव से मिलती है। वहीं सूर्य का अशुभ प्रभाव असफलता देता है। जिसके कारण कामकाज में रुकावटें और परेशानियां बढ़ती हैं। धन हानि और स्थान परिवर्तन भी सूर्य के कारण होता है। सूर्य के अशुभ प्रभाव से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी होती है।

देश-दुनिया में बड़े बदलाव

15 मई से 14 जून तक दुनिया भर में प्राकृतिक आपदा अधिक रहेगी। भारत में भी हिंसा हो सकती है। दुनिया भर में धार्मिक आस्था के कारण लोग सड़क पर होंगे। इस साल मुंबई में भारी बारिश होने की संभावना अधिक रहेगी। मोदी सरकार में मंत्रिमंडल में कई चौंकाने वाले नाम होंगे और जून जुलाई का समय थोड़ा कठिन रहेगा स्वास्थ्य समस्याओं के कारण मोदी की यात्रा में थोड़ा बदलाव होगा। मोदी की सभी जगह प्रशंसा और प्रसिद्धि होगी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनेगी। रियल स्टेट के कारोबार में वृद्धि होगी। विदेशों में राजनीतिक उठापटक सत्ता परिवर्तन इत्यादि होने की संभावना। भारतीय बाजारों में अचानक तेजी आएगी और व्यापार बढ़ेगा। अचानक किसी वस्तु के दाम बढ़ेंगे और बाजार से वह वस्तु गायब होगी। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। होटल रेस्टोरेंट वालों के लिए बहुत ही अच्छा समय होगा। सांस्कृतिक रूप से कोई कोई विवाद या उत्तल पुथल होने की संभावना।

उपाय - भगवान श्री विष्णु की उपासना करें। बंदर, पहाड़ी गाय या कपिला गाय को भोजन कराएं। रोज उगते सूर्य को अर्घ्य देना शुरू करें। रविवार के दिन उपवास रखे। रोज गुढ़ या मिश्री खाकर पानी पीकर ही घर से निकलें । जन्मदाता पिता का सम्मान करें, प्रतिदिन उनके चरण छुकर आशीर्वाद लें । भगवान सूर्य की स्तुति आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें ।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

सूर्य के वृषभ राशि में जाने पर सभी राशियों पर क्या होगा प्रभाव

मेष राशि - अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना पारिवारिक संबंध खराब होंगे। हालांकि धन स्थान में गोचर होने के कारण इनके लिए धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। दांपत्य जीवन में मनमुटाव, तनाव पैदा होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ राशि-स्वभाव में क्रोध की अधिकता होगी। किसी प्रकार का पुराना रोग उभरने की आशंका है, इसलिए स्वास्थ्यगत लक्षणों पर बारीकी से नजर बनाए रखें। इस राशि के जो लोग नौकरी की तलाश में हैं उनकी इच्छा पूरी होगी।

मिथुन राशि - पारिवारिक जीवन के लिए यह समय ज्यादा ठीक नहीं कहा जा सकता। जीवनसाथी की बीमारी पर खर्च करना होगा। यात्रा के दौरान सावधानी रखें। इस राशि के विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी।

कर्क राशि- पारिवारिक और सामाजिक जीवन में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतानपक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार प्राप्त होगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की, पदोन्नति मिलने के योग हैं। अपनी कमाई से मकान, भूमि, वाहन खरीदने के योग बनेंगे। प्रेम संबंधों में गर्माहट आएगी।

सिंह राशि - आलस्य का त्याग करें और परिवार की सलाह जरूर लें। नौकरी में तरक्की, व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। बेरोजगारों को अच्छा जॉब मिल सकता है। अविवाहितों के विवाह की बात बन जाएगी। नए प्रेम संबंध प्राप्त होंगे।

कन्या राशि- रोगों से मुक्ति भी मिलने वाली है। इस राशि वालों को एक बात का विशेष ध्यान रखना होगा कि किसी प्रकार का गलत कार्य, चोरी, झूठ बोलना या विवाहेत्तर संबंधों से बचें वरना प्रतिष्ठा धूमिल होते देर नहीं लगेगी।

तुला राशि - वाहन से दुर्घटना चोट लगने की आशंका है। निवेश किया गया पैसा डूब सकता है। दांपत्य जीवन में कड़वाहट आ सकती है। प्रेम संबंधों में धोखा मिल सकता है। हालांकि इन्हें इस बात से खुश हो जाना चाहिए कि सूर्य के इस गोचर के अंतिम सात दिनों में इन्हें कोई बड़ा लाभ मिल सकता है।

वृश्चिक राशि - विद्यार्थियों को कोई बड़ी सफलता हाथ लग सकती है। जिन लोगों के विवाह में रूकावट आ रही है वह दूर होगी। भौतिक सुख सुविधाएं प्राप्त होंगी लेकिन इसमें जीवनसाथी का सहयोग आवश्यक रहेगा।

धनु राशि - कोर्ट कचहरी के मामलों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य की दृष्टि से यह गोचर ठीक नहीं कहा जा सकता। बाहरी खान-पान का ध्यान रखें। अधिक मात्रा में भोजन करना दुखदायी हो सकता है।

मकर राशि - जीवनसाथी के साथ किसी बात पर मनमुटाव हो सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से सूर्य का गोचर मकर राशि वालों के लिए बेहतर रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। बीमारियों पर हो रहा खर्च बंद होगा।

कुंभ राशि - भौतिक सुख-सुविधाएं, संपत्ति, वाहन सुख प्राप्त होगा। जो लोग कोई नया कार्य प्रारंभ करना है तो वक्त अच्छा है, कार्य शुरू कर सकते हैं। पार्टनरशिप में भी कार्य प्रारंभ किया जा सकता है। जो लोग जॉब बदलना चाहते हैं वे बदलाव कर सकते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से वक्त सुधार का है।

मीन राशि - दंपतियों के बीच मनमुटाव चल रहा है उनके मतभेद दूर होंगे और फिर से अच्छे सुखद वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्वास्थ्य के फिलहाल से समय बेहतरी का है। रोगों पर होने वाला खर्च कम होगा।

घर में शांति के लिए आज ही आजमाएं सिंदूर के ये उपाय, वैवाहिक जीवन होगा खुशहाल

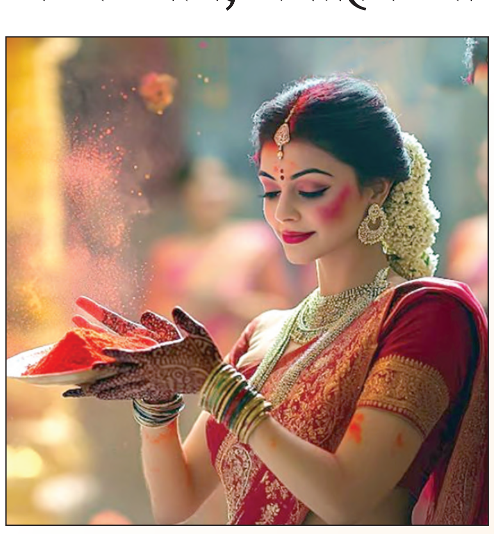

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी को सिंदूर अति प्रिय है। पूजा के दौरान बजरंगबली को सिंदूर अर्पित किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने से जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही जीवन में आ रही सभी तरह की बाधा से छुटकारा मिलता है।

आपकी जानकारी के लिए के लिए बता दें कि सिंदूर से कई तरह के उपाय भी किए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि सिंदूर से जुड़े उपायों को करने से वैवाहिक जीवन हमेशा खुशियों से भरा रहता है। साथ ही जीवन में कई बदलाव देखने को मिलते हैं।

आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए मंगलवार का दिन शुभ माना जाता है। इस दिन सुबह स्नान करने के बाद विधिपूर्वक हनुमान जी की पूजा-अर्चना करें। इस दौरान बजरंगबली को सिंदूर अर्पित करें। साथ ही बूंदी के लड्डू और फल का भोग लगाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

वैवाहिक जीवन होगा खुशहाल

वैवाहिक जीवन में खुशियों के आगमन के लिए एक कपड़े में सिंदूर बांधकर रात को सोने से पहले पति के तकिए के नीचे रख दें। इस उपाय को लगातार 7 दिन तक करें। ऐसा कहा जाता है कि इस उपाय को करने से वैवाहिक जीवन से जुड़ी समस्या दूर होती है। साथ ही पति-पत्नी के रिश्ते मधुर होते हैं।

नकारात्मक ऊर्जा होगी दूर

अगर आप घर में अशांति के माहौल का सामना कर रहे हैं, तो सिंदूर में सरसों के तेल को मिलाकर घर के मेन गेट पर लगाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से घर में शांति का वास होगा। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा से छुटकारा मिलेगा।

हनुमान जी होंगे प्रसन्न

अगर आपको किसी काम में सफलता नहीं मिल रही है, तो मंगलवार के दिन हनुमान मंदिर जाकर बजरंगबली को सिंदूर चढ़ाएं। इस दौरान काम में सफलता प्राप्ति के लिए प्रभु से प्रार्थना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस टोटके को करने से व्यक्ति के सभी काम पूरे होंगे और हनुमान जी प्रसन्न होंगे।

महाभारत : 5 पतियों के जिंदा रहने पर भी द्रौपदी पोंछने लगीं थी मांग का सिंदूर

महाभारत में द्रौपदी चीरहरण की घटना ऐसी है, जिसकी आलोचना आज कलियुग में भी की जाती है। हस्तिनापुर के महल में दुर्योधन और शकुनि ने द्युत क्रीडा यानी चौसर के खेल में पांडव भाइयों को ऐसे फंसाया, जिससे कि वे बाहर नहीं निकल सके। चौसर खेल का अंत द्रौपदी के अपमान से हुआ लेकिन द्रौपदी का अपमान तो केवल महाभारत के युद्ध की शुरुआत थी। पांडव अपना सबकुछ हारकर सर्वहारा बनकर राजमहल में झुकाए बैठे थे, तो उनकी आंखों के सामने द्रौपदी को घसीटकर राजमहल में लाया गया था।

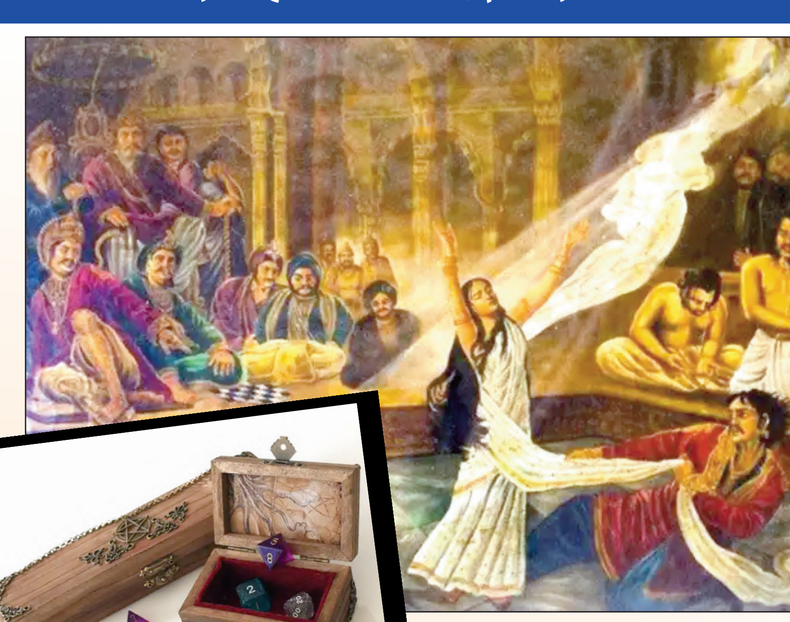

पांडवों ने अपनी पत्नी द्रौपदी को किसी वस्तु की तरह दांव पर लगा दिया

जुआ एक ऐसी बुरी आदत है, जो व्यक्ति के विवेक का हरण कर लेती है। ज्ञानी, साहसी और पराक्रमी समझे जाने वाले पांडवों के साथ भी यही हुआ। धर्मराज युधिष्ठिर सहित पांडव भाइयों ने अपनी पत्नी को किसी वस्तु की तरह दांव पर लगा दिया। सब कुछ वापस पाने के लालच में द्रौपदी को दांव पर लगाते ही पांडव अपनी पत्नी को भी हार बैठे। इसके बाद दुर्योधन ने अपने भाई दुशासन को द्रौपदी को राजमहल में लाने का आदेश दिया। जब दुशासन द्रौपदी के कक्ष में जबरन पहुंचा, तो द्रौपदी को बहुत क्रोध आया। वहीं, जब द्रौपदी को पांडव और कौरवों के बीच चलने वाले खेल के बारे में पता चला, तो इसे सुनकर द्रौपदी के क्रोध और पीड़ा की सीमा नहीं रही।

द्रौपदी को घसीटते हुए राजसभा में लाया गया

द्रौपदी ने जब सुना कि उन्हें किसी वस्तु की तरह दांव पर लगाया गया है, तो उन्होंने ... दुशासन से प्रश्न किया- पांडव भाइयों ने अपनी मर्जी से यह खेल खेला है। मैं किसी भी तरह से इस खेल में प्रतिभागी नहीं हूं, तो फिर मेरे हारने और जीतने का प्रश्न कहां उठता है? वहीं, अगर पांडव भाई सब कुछ हारकर कौरवों के दास बन चुके थे, तो फिर उनके पास मेरे स्वामित्व का अधिकार कैसे रहा? नैतिकता से अलग अगर खेल के नियमों के अनुसार भी देखा जाए, तो मुझे दांव पर लगाने का उनके पास अधिकार ही नहीं था। मैं राजमहल में नहीं आऊंगी। द्रौपदी के प्रश्नों का दुशासन के पास कोई उत्तर नहीं था, उसे तो केवल अपने भाई की आज्ञा का पालन करना था इसलिए वो द्रौपदी के प्रश्नों को अनदेखा करके उनके बाल पकड़कर उन्हें घसीटते हुए राजदरबार में ले आया।

द्रौपदी के साथ क्रूरता देखकर भी मौन रहे वरिष्ठजन

द्रौपदी को राजदरबार में लाते ही दुर्योधन के मन में बसी क्रूरता बाहर आ गई और उसने अपने भाई दुशासन को द्रौपदी को निर्वस्त्र करके अपनी जांघ पर बैठाने का आदेश दिया। दुर्योधन की इस निर्लज्जता को देखकर पांडव क्रोध से पागल हो उठे और सभा में जिसने भी यह बात सुनी, वो सन्न रह गया। सभा में उपस्थित सभी वरिष्ठजन सिर झुकाकर मौन खड़े थे। दुशासन ने अपने भाई की आज्ञा पालन करते हुए द्रौपदी की साड़ी खींचते हुए उतारने की कोशिश की लेकिन द्रौपदी की पुकार पर श्रीकृष्ण ने अदृश्य रूप में उपस्थित होकर साड़ी के कपड़े को इतन लंबा कर दिया कि दुशासन थककर चूर हो गया लेकिन द्रौपदी की लाज बनी रही।

द्रौपदी का धैर्य टूटा, राजदरबार में पूछे कई ज्वलंत सवाल

इतना अपमान सहने के बाद द्रौपदी का धैर्य टूट गया। क्रोध और पीड़ा से भर चुकी द्रौपदी ने कौरव ही नहीं बल्कि अपने पांचो पतियों को भी खूब धिक्कारा। पांचाल देश की राजकुमारी द्रौपदी ने क्रोध में कहा-जिस स्त्री के पांच पति होकर भी उसे इस तरह अपमानित किया जाता हो। उसके पास कोई सुरक्षा न हो, तो फिर वह न्याय की उम्मीद किससे रखेगी? इस राजपरिवार के वरिष्ठजनों से? जो सब कुछ देखकर भी मौन खड़े हैं? ये सब कहते हुए द्रौपदी क्रोध, पीड़ा से भरकर रोने लगीं।

क्रोध और पीड़ा से भरकर मांग में लगा सिंदूर पोंछने लगी द्रौपदी

सारी उम्मीद खो चुकीं द्रौपदी 5 पतियों की पत्नी होने पर भी खुद को अकेला महसूस कर रही थी। द्रौप्दी इतने क्रोध और पीड़ा से भर उठी, कि वे पांडवों को धिक्कारते हुए अपनी मांग में लगा सिंदूर पोंछने लगीं लेकिन तब तक द्रौपदी के अपमान की खबर आग की तरह हर तरफ फैल चुकी थी। सूचना मिलते ही कुंती, गांधारी राजदरबार में पहुंची और उन्होंने द्रौपदी को ऐसा करने से रोका। इसके साथ ही कुंती और गांधारी ने इस अन्याय के लिए माफी मांगी। कुंती ने द्रौपदी से कहा- तुम्हारा यही सिंदूर तुम्हें न्याय दिलाएगा। अपने पांच पतियों से न्याय की मांग करो। वही, तुम्हें न्याय दिलाएंगे। अंत में कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर पांचों पांडवों ने दुर्योधन, दुशासन सहित सभी कौरव भाइयों का अंत करके द्रौपदी के अपमान का प्रतिशोध लेकर न्याय किया।

कारोबार में सफलता के लिए ज्येष्ठ माह में करें तुलसी के ये उपाय

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ज्येष्ठ माह में शनिदेव का जन्म हुआ था और हनुमान जी की भगवान श्रीराम से भेट हुई थी। इसी वजह से सनातन धर्म में ज्येष्ठ माह को विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। इस माह में रोजाना मां तुलसी की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। साथ ही मां तुलसी से जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मां तुलसी की पूजा करने से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

अगर आप भी मां तुलसी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो ज्येष्ठ माह में तुलसी से जुड़े उपाय जरूर करें। ऐसा माना जाता है कि तुलसी के उपाय करने से घर मां लक्ष्मी का वास होता है। साथ ही शुभ परिणाम देखने को मिलते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार ज्येष्ठ माह की शुरुआत 13 मई से हो गई हैं और महीने का समापन 11 जून को होगा।

आर्थिक तंगी से मिलेगा छुटकारा

आर्थिक तंगी को दूर करने के लिए ज्येष्ठ माह में तुलसी की जड़ को गंगाजल से धो लें। इसके बाद जड़ को पीले कपड़े में बांधकर घर के मेन गेट पर बांध दें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से साधक पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा बरसती है। साथ ही आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलता है।

कारोबार में मिलेगी सफलता

कारोबार में सफलता प्राप्ति के लिए रोजाना तुलसी की पूजा करें। पूजा के दौरान पौधे के पास देसी घी का दीपक जलाएं। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और साधक को कारोबार में सफलता मिलती है।

प्रसन्न होंगी मां लक्ष्मी

ज्येष्ठ माह में पूजा के समय मां तुलसी को कच्चा दूध चढ़ाएं और लाल चुनरी अर्पित करें। देसी घी का दीपक जलाकर आरती करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से साधक को मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और धन से हमेशा तिजोरी भरी रहती है।

मां तुलसी का पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

संपादकीय

युद्धविराम का औचित्य

युद्धविराम पर भी सियासत शुरू हो गई है। आप युद्धविराम कहें या संघर्षविराम मान लें, कोई फर्क नहीं पड़ता। सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान के साथ टकराव की स्थितियों और घटनाओं को युद्ध से कम नहीं आंका है, लिहाजा हम युद्धविराम का ही प्रयोग करेंगे। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने युद्धविराम को 'अप्रत्याशित' करार दिया है और कई सवाल भी उछाले हैं। कांग्रेस मुख्यालय के बाहर अचानक एक पोस्टर चिपका दिया गया है-'इंदिरा गांधी बनना आसान नहीं है।' इस वाक्य में निहित राजनीति को आसानी से पढ़ा-समझा जा सकता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को चि_ी लिख कर मांग की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। उसमें पहलगाम आतंकी हमले, नरसंहार, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अप्रत्याशित युद्धविराम पर चर्चा करना जन-प्रतिनिधियों का अधिकार है। देश भी घटनाक्रम की गहराई तक जाना चाहता है। एमआईएम सांसद ओवैसी को युद्धविराम पर आपत्ति नहीं है। उनके तेवर आजकल बदले हुए हैं। उनके लिए आजकल देश प्रथम है, सियासत बहुत बाद में। उनका मानना है कि युद्धविराम की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी को करनी चाहिए थी। भारत के संदर्भ में अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप कौन होते हैं? वह भारत-पाकिस्तान के बीच टांग क्यों फंसा रहे हैं? भारत अमरीका का मित्र देश है, मोहताज नहीं है। ट्रंप इस गलतफहमी में न रहें कि प्रधानमंत्री मोदी उनकी हर बात आंख मूंद कर मान लेंगे। भारत का अपना राष्ट्रीय विवेक है। बहरहाल संसद सत्र बुलाने की मांग गलत या अतिशयोक्ति नहीं है। सरकार एक और सर्वदलीय बैठक भी बुला सकती है। अतीत में महत्वपूर्ण मुद्दों या घटनाओं पर संसद के विशेष सत्र बुलाए जाते रहे हैं, लेकिन यह मोदी सरकार का विशेषाधिकार है। संकट अभी टला नहीं है, सिर्फ युद्धविराम हुआ है, पाकिस्तान का रुख अभी लगातार देखा जाना है, लिहाजा सरकार और विपक्ष जिस तरह एकजुट रहे हैं, अब भी वही रवैया अपेक्षित है। युद्धविराम की घोषणा डीजीएमओ ही करते रहे हैं। वह उनका संवैधानिक जनादेश है। हमें याद नहीं है कि कभी देश के प्रधानमंत्री ने युद्धविराम की घोषणा की हो। प्रधानमंत्री मोदी रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। जाहिर है कि युद्धविराम पर भी विमर्श किया गया होगा। डीजीएमओ को भी, अंततः, प्रधानमंत्री से ही निर्देश मिलते हैं। डीजीएमओ ने पाकिस्तान के समकक्ष के अनुरोध पर, अंततः, युद्धविराम की सहमति दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत-पाक के बीच युद्धविराम का फैसला नहीं लिया। ट्रंप को दक्षिण एशिया की परिस्थितियों का सम्यक ज्ञान भी नहीं है। उन्होंने तो भारत और पाकिस्तान दोनों के नेतृत्व को 'महान' करार दिया है। दोनों की ताकत, समझ और धैर्य की सराहना की है कि उन्होंने युद्धविराम की घोषणा कर दी। ट्रंप का भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में, बराबर-बराबर, तोलना ही गलत और भ्रामक है। एक तरफ दुनिया का सबसे विराट लोकतंत्र और दूसरी तरफ नाकाम लोकतंत्र, फौज का परोक्ष शासन, क्या दोनों में तुलना हो सकती है? भारत हर संदर्भ में पाकिस्तान से दसियों गुना आगे और विकसित है। दरअसल ट्रंप 'सौदेबाज राष्ट्रपति' हैं। वह यमन पर बमबारी भी करा सकते हैं और हूतियों के साथ बातचीत को भी तैयार हैं। वह हमास के साथ भी संवाद कर सकते हैं, लेकिन गाजा पट्टी पर कब्जा करना चाहते हैं। अमरीका अतीत में भी भारत का मूल्यांकन इसी आधार पर करता रहा है। वह भारत को 'शक्तिशाली देश' के तौर पर नहीं देखना चाहता, लिहाजा वह भारतीय सेना के 'मिट्टी-मलबा' करने वाले मिसाइल हमले से भी हैरान होगा! यूरोपीय देश भी भारत की शक्ति के विश्लेषण कर रहे हैं। इन स्थितियों में न तो युद्धविराम पर राजनीति उचित है और न ही प्रधानमंत्री के तौर पर इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी की तुलना की जानी चाहिए।

> सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने पाकिस्तान के साथ टकराव की स्थितियों और घटनाओं को युद्ध से कम नहीं आंका है, लिहाजा हम युद्धविराम का ही प्रयोग करेंगे। प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने युद्धविराम को 'अप्रत्याशित' करार दिया है और कई सवाल भी उछाले हैं। कांग्रेस मुख्यालय के बाहर अचानक एक पोस्टर चिपका दिया गया है-'इंदिरा गांधी बनना आसान नहीं है।' इस वाक्य में निहित राजनीति को आसानी से पढ़ा-समझा जा सकता है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को चि_ी लिख कर मांग की है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए। उसमें पहलगाम आतंकी हमले, नरसंहार, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अप्रत्याशित युद्धविराम पर चर्चा करना जन-प्रतिनिधियों का अधिकार है। देश भी घटनाक्रम की गहराई तक जाना चाहता है। एमआईएम सांसद ओवैसी को युद्धविराम पर आपत्ति नहीं है। उनके तेवर आजकल बदले हुए हैं। उनके लिए आजकल देश प्रथम है, सियासत बहुत बाद में। उनका मानना है कि युद्धविराम की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी को करनी चाहिए थी।

साइबर युद्ध को आम तौर पर साइबर हमले या हमलों की श्रृंखला के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो किसी देश को निशाना बनाते हैं

साइबर हमलों से सावधान रहने की जरूरत !

सुनील कुमार महला

> जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत द्वारा पाकिस्तान के 9 एवं 12 अन्य, कुल 21 आतंकी ठिकानों पर आपरेशन 'सिंदूर' द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई करने एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच सीजफायर रोकने हेतु मध्यस्थता की बातचीत के बाद हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी भी दोनों देशों के बीच सीमा पर कहीं न कहीं तनाव जारी है।

पाकिस्तान के आतंकियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत द्वारा पाकिस्तान के 9 एवं 12 अन्य, कुल 21 आतंकी ठिकानों पर आपरेशन 'सिंदूर' द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई करने एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच सीजफायर रोकने हेतु मध्यस्थता की बातचीत के बाद हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी भी दोनों देशों के बीच सीमा पर कहीं न कहीं तनाव जारी है। इसी तनाव के बीच भारत सरकार ने, पाकिस्तान द्वारा भारत पर बड़े साइबर अटैक की आशंकाओं के चलते एक एडवायजरी जारी की है और आम जनता, विभिन्न संस्थानों (सरकारी और निजी) को इससे पूरी तरह से सावधान व जागरूक रहने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आया है कि भारत के पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रणालियों और सरकारी वेबसाइटों पर लगातार साइबर हमले हुए हैं। वास्तव में, इन साइबर हमलों का मुख्य उद्देश्य आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को बाधित करना और सरकारी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता को कम करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि साइबर युद्ध को आम तौर पर साइबर हमले या हमलों की श्रृंखला के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो किसी देश को निशाना बनाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें सरकारी और नागरिक बुनियादी ढांचे पर कहर बरपाने और महत्वपूर्ण प्रणालियों को बाधित करने की क्षमता होती है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्र को नुकसान होता है। यहां यदि हम साइबर हमलों के प्रकारों की बात करें तो इनमें क्रमशः जासूसी (संवेदनशील जानकारी को बॉटनेट या स्पीयर फ़िशिंग हमलों का इस्तेमाल करके चुराना), विभिन्न संवेदनशील जानकारी व सूचनाओं के साथ छेड़छाड़/उसे तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करना, डेटा चोरी करना आदि को शामिल किया जा सकता है। इतना ही नहीं, हमलावर बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो, पावर ग्रिड पर हमले से संचार तक बाधित हो सकता है, जिससे इंस्टेंट मैसेज और इंटरचेंज जैसी सेवाएं बेकार हो सकती हैं। अचानक हमला, प्रोपेगंडा हमला, आर्थिक व्यवधान भी साइबर हमलों के ही

प्रकार हैं। इतना ही नहीं, हमलावर विश्वास, भय, जिज्ञासा या तत्परता जैसी मानवीय विशेषताओं का फायदा उठाकर व्यक्तियों को धोखा देकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर लेते हैं, और अनधिकृत पहुंच प्रदान कर देते हैं या सुरक्षा से समझौता करने वाली अन्य गतिविधियां करते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि भारत की कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (CERT-In) ने एक स्पेशल एडवाइजरी जारी करके वित्त (फाइनेंशियल सैक्टर) और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अपनी साइबर सुरक्षा मजबूत करने की सलाह दी है। दरअसल, भारत सरकार ने निजी व सरकारी संस्थानों, विशेष रूप से फाइनेंशियल सैक्टर को अपने साइबर मैकेनिज़्म को बेहतर बनाने के साथ ही लगातार सतर्क व सजग रहने की सलाह दी है। इस बात की पूरी आशंकाएं जताई गईं हैं, कि पाकिस्तान अनजान नंबरों और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भारत पर कभी भी कोई साइबर अटैक कर सकता है। ऐसे में जरुरत इस बात की है, कि लोगों को अपने वाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम, एक्स जैसे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आने वाले किसी भी अनजान, संदिग्ध लिंक, इ-मेल या पीडीएफ, एपीके फाइल, पाकिस्तानी डोमेन लिंक, यूआरएल को ओपन नहीं करना चाहिए, क्यों कि इसके जरिए भारत पर पाकिस्तान साइबर अटैक (फिशिंग व मैलवैयर अटैक) कर खतरा पैदा कर सकता है। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं कि, पाकिस्तानी हैकर्स ने इस मैलवेयर अटैक को 'डांस ऑफ द हिलेरी' नाम दिया है। मीडिया में खबरें आईं हैं कि पाकिस्तानी हैकर्स इस मैलवेयर को हैकर्स मैसेज, इ-मेल, सोशल मीडिया हैंडल्स और विभिन्न ग्रुप्स में भेज रहे हैं। ऐसे में साइबर अटैक से बचने के लिए सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। इसलिए, हमें अपने स्मार्टफोन और कंप्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम और ऐप्स हमेशा अपडेट रखने की आवश्यकता है। वास्तव में, हमें यह चाहिए कि हम अपनी डिवाइसों (कंप्यूटर, लैपटॉप एंड्रॉयड मोबाइल फोन आदि) में हमेशा टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) को ऑन रखें तथा डिवाइस में एंटी स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर इंस्टाल करें। कोई भी अनजान एप्लिकेशन आदि को अपने एंड्रॉयड फोन और टैबलेट/लैपटॉप आदि में इंस्टॉल न करें। एंटीवायरस और फायरवॉल इंस्टॉल करें और एक्टिव रखें। कहना ग़लत नहीं होगा कि पाकिस्तान सीमा पर तनातनी के बाद किसी भी एंड्रॉयड स्मार्टफोन या पीसी को हैक कर सकता है, जो हमारे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा व गंभीर खतरा हो सकता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि पाकिस्तान पहले भी कई बार भारत पर साइबर हमले कर चुका है और यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वह इस बार भी अपनी नापाक व तुच्छ हरकतों से बाज नहीं आएगा। वैसे, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान से किसी भी साइबर हमले के खतरे को लेकर हमारे देश की सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से मुस्तैद और सक्रिय हैं, लेकिन फिर भी हमें यह चाहिए कि हम अपनी तरफ से इस खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार और सजग रहें। वास्तव में, साइबर हमले का सीधा असर ऑनलाइन काम करने वाले लोगों पर पड़ता है। इस तरह के हमलों में अक्सर डेटा, सूचनाएं आदि चुराने से लेकर वायरस आदि डालकर डिवाइस को करप्ट करने तक की घटनाएं होतीं हैं। हम साइबर हमले का शिकार न होने पाएं, इसके लिए हमें अपनी डिवाइस में पासवर्ड को बहुत मजबूत सेट करना चाहिए, ताकि हैकर्स किसी भी तरह से हमारे पासवर्ड के बारे में पता न लगा सकें। साइबर हमलों से बचने के लिए हमें किसी भी अनजान लिंक, टेक्स्ट मैसेज आदि की जानकारी तुरंत साइबर सैल हेल्पलाइन 1930 में देनी चाहिए। साथ ही साथ, मोबाइल फोन से ऑटो डाउनलोड का ऑप्शन भी बंद होना चाहिए, ताकि अपने आप कोई भी एप आदि डाउनलोड न हो सके। हमें यह पता होना चाहिए कि +92 कंट्री कोड वाले मैसेज, कॉल किसी भी तरह के भेजे गए लिंक पर हमें किसी भी हाल और परिस्थितियों में क्लिक नहीं करना है, क्योंकि यह नंबर पाकिस्तान का है।

दृष्टि कोण

विश्व को भारतीय मूल्यों की सख्त जरूरत

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जब संपूर्ण विश्व नैतिक मूल्यहीनता, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय असंतुलन, सांस्कृतिक विघटन तथा सामाजिक असमानता जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं परंपराओं की प्राचीन ज्ञान परंपरा एवं समग्र दृष्टि सांस्कृतिक पुनर्जागरण की एक मार्गदर्शक शक्ति के रूप में उभर कर सामने आ रही है। भारतीय जीवन दृष्टि की उन मूलभूत अवधारणाओं की समकालीन प्रासंगिकता जिनमें वसुधैव कुटुंबकम्, धर्म, अहिंसा, संतुलन तथा सत्य की साधना जैसे शाश्वत सिद्धांत समाहित हैं। भारतीय ज्ञान पद्धति का प्रयोग करते हुए वैदिक, उपनिषदिक, बौद्ध, जैन तथा भक्ति परंपराओं के साथ-साथ आयुर्वेद, योग, वास्तु, नाट्य शास्त्र एवं ग्राम्य जीवन की जीवन शैली को आधुनिक संदर्भों में पुनर्परिभाषित कर सामुदायिक सशक्तिकरण में भी सहायक सिद्ध हो रहा है कि कैसे योग एवं आयुर्वेद जैसी परंपराएं आज वैश्विक स्वास्थ्य एवं मानसिक संतुलन के लिए प्रभावशाली विकल्प के रूप में उभर रही हैं। परंतु भारतीय ज्ञान परंपरा की दार्शनिक नींव को अभी भी समुचित पहचान नहीं मिली है। अतीत की धरोहर, वर्तमान की आवश्यकता, भारतीय जीवन दृष्टि में भारतीय त्योहारों, लोक परंपराओं, पारंपरिक कुटीर उद्योगों, मंदिर स्थापत्य, शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य, और सेवा की अवधारणा को सामाजिक एकता, ग्राम्य पर्यटन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और आजीविका के साधन के रूप में पहचान मिली है। भारत के ग्रामीण अंचलों एवं प्रवासी भारतीय समुदायों में किए गए कार्यक्रम के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि भारतीय परंपराओं का पुनर्जागरण न केवल सांस्कृतिक गर्व का माध्यम बन रहा है बल्कि आत्मनिर्भरता, स्थानीय रोजगार एवं सामुदायिक सशक्तिकरण में भी सहायक सिद्ध हो रहा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य अनुभव यह भी दर्शाता है कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक धरोहर को आज बाजारवाद, विकृतिकरण एवं डिजिटल युग की एकांगी प्रस्तुति से खतरा है। ऐसे में एक समुदाय आधारित, मूल्यों पर आधारित और शैक्षणिक दृष्टिकोण से पुनर्संरचित सांस्कृतिक नीति की आवश्यकता है, जो भारतीय ज्ञान परंपरा को न केवल देश के भीतर, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी प्रभावशाली स्वरूप दे सके। अंततः भारत को केवल एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य के रूप में नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसकी मूलधारा में दर्शन, संस्कृति और जीवनशैली की समग्रता निहित है। भारतीय परंपराएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी वे प्राचीन काल में थीं। केवल आवश्यकता है उन्हें समझने, सहेजने और नवाचार के साथ आगे बढ़ाने की। भारतवर्ष की सांस्कृतिक विरासत और दार्शनिक परंपराएं हजारों वर्षों से मानव सभ्यता के लिए दिशा-दर्शन का कार्य करती आई हैं। जब विश्व औद्योगिक क्रांति के प्रभाव में केवल भौतिकता की ओर उन्मुख हो रहा था, भारत तब भी अध्यात्म, संतुलन और समग्र जीवन दृष्टि की बात करता था। आज जब तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवता कई आंतरिक संकटों से जूझ रही है, तब भारतीय दृष्टिकोण की प्रासंगिकता पुनः केंद्र में आ गई है। भारतीय दर्शन का मूल आधार 'एकं सद्विप्रा बहुधा वदंति', 'अहिंसा परमो धर्मः' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसी विचारधाराएं रही हैं। वैदिक साहित्य, उपनिषद, गीता, बौद्ध, जैन, सिख तथा भक्ति परंपराओं में वर्णित नैतिक सिद्धांत आज वैश्विक नीति और मानव अधिकारों की चर्चा के केंद्र में हैं। यह मूल्य समाज में समरसता, शांति और परस्पर सहयोग को बढ़ावा देते हैं। भारतीय संस्कृति महज धार्मिक अनुष्ठानों या रीति-रिवाजों का संकलन नहीं है, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलन, सौहार्द और संयम का संदेश देती है। पर्व-त्योहार, नृत्य-संगीत, वास्तुकला, ग्राम्य जीवन, लोककलाएं और कुटीर उद्योग न केवल सांस्कृतिक अस्मिता को संरक्षित करते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी सहायक बनते हैं। आज सम्पूर्ण विश्व में योग, आयुर्वेद, स्वास्थ्य, संतुलन की वैश्विक स्वीकार्यता मिली है। सम्पूर्ण विश्व योग को एक वैज्ञानिक पद्धति के रूप में स्वीकार कर चुका है। मानसिक तनाव, अवसाद, जीवनशैली जनित बीमारियों के समाधान में योग एवं आयुर्वेद प्रमुख उपचार पद्धति के रूप में स्थापित हो चुके हैं। यह भारत की दार्शनिक परंपरा की व्यावहारिक उपयोगिता का जीवंत प्रमाण है। वैश्वीकरण, बाजारीकरण और सांस्कृतिक चुनौतियां डिजिटल मीडिया और उपभोक्तावादी संस्कृति ने भारतीय परंपराओं को एकांगी ढंग से प्रस्तुत किया है।

कुछ अलग

उठे हैं मां के लाल...

सुबह पांच बजे का वक्त था। पहलगाम की आतंकी घटना के बाद ख़बरिया चैनलों द्वारा पाकिस्तान पर हर रोज़ की जा रही बमबारी को देर रात तक देखने के बावजूद मेरी आंख खुल चुकी थी। पर अभी बिस्तर से उठने का दिल नहीं कर रहा था। काफी देर से मेरे कानों में झुन्नू लाल जी की आवाज़ में 'उठे हैं मां के लाल, उठे हैं मां के लाल' के बोल गूंज रहे थे। वह अपनी छत पर घूमते हुए इस एक पंक्ति को किसी पवित्र मंत्र की तरह बार-बार दोहराए जा रहे थे। गिद्ध मीडिया की हर शाम को होने वाली चर्चा में दोहराए जाने वाली 'हिंदू-मुस्लिम' टैग लाइन की तरह जब उनके यह बोल मेरे कानों में चुभने लगे तो चादर को एक ओर लतियाने के बाद मैं भी अपनी छत की सीढियां चढने लगा। सोचा कि पूछूं क्या बात है? क्यों झुन्नू जी बार-बार इसी एक लाइन को पूरे जोशो-खरोश के साथ दोहराए जा रहे हैं? मुझे देखते ही झुन्नू जी ने किसी नेता की तरह अपनी ज़ोरदार आवाज़ में उद्घोष किया, 'भारत माता की जय! आज पाकिस्तान की आखिरी रात है। सेना को किसी भी कार्रवाई के लिए ख़ुला हाथ दे दिया गया है। अब सेना जाने या आतंकवादी जानें। हर बार की तरह अब वह अपनी ज़िम्मेवारी से मुक्त हैं।' सुबह-सवेरे किए गए उनके ज़ोरदार उद्घोष और तीख़े तंज़ से हतप्रभ होते हुए मैंने पूछा कि क्या बात है? इतने जोश में क्यों है? क्या भारत ने पहलगाम की आतंकी घटना के बाद पाकिस्तान पर कोई सख्त क़दम उठाया है या ख़बरिया चैनलों और अख़बारों ने अपने स्टूडियो तथा दफ़्तरों से बैठे-बैठे ही पाकिस्तान को जुबानी हमलों से तबाह कर दिया है? चेहरे पर रहस्यमयी मुस्कान लिए झुन्नू लाल जी मेरी ओर देखते हुए पुनः गुनगुनाने लगे, 'उठे हैं मां के लाल, उठे हैं मां के लाल।' उनकी रहस्यमयी को समझ पाने में असमर्थ रहने पर मैं तनिक झल्लाते हुए बोला, 'यही पांच-दस अक्षर गुनगुनाते रहेंगे या कुछ बताएंगे भी? यह उठे हैं मां के लाल. उठे हैं मां के लाल क्या बला है?' वह हंसते हुए बोले, 'अमा, एक ही लाइन को मेरे बार-बार गुनगुनाने पर तुम इतना झल्ला गए। लेकिन पिछले हफ़्ते भर से टीवी पर ख़बरिया चैनलों को बदल-बदल कर एक ही ख़बर को बार-बार देखने में तुम्हें कोई तकलीफ नहीं हुई। पिछ-मुसलमान की सांप्रदायिक खेती में पकी वैमनस्य और नफरत की रोटियां खा रहे हो। उनके पकाए तुम पकते नहीं और मेरी एक लाइन से तुम्हें अंधभक्तों की तरह भारत की सबसे तेज़ मिर्च भूत जोलोकिया लग रही है। देर रात तक तुम टीवी पर उन ख़बरिया चैनलों के साथ पाकिस्तान का पानी बंद करते रहते हो या राफेल सहित कई लड़ाकू जहाज़ों के साथ बम गिराते रहते हो, जो गिद्ध की तरह हमेशा केवल मरे हुए मुद्दों को ही नोचते हैं। रवीश भले ऐसे मीडिया को गोदी मीडिया कहे, पर मेरी नजऱ में ये गिद्ध मीडिया है। पिछले एक दशक से पूरा देश इनके आतंकवाद से त्रस्त है। ये चैनल तथा समाचारपत्र पैक जर्नलिज़्म की ऐसी जीती-जागती मिसाल हैं जो सत्ता के दरबार में मुजरा करते हुए उसकी जूठन पर जीते हैं। इनमें न सत्ता से सवाल पूछने की हिम्मत है और न कोई ऐसा मुद्दा उठाने का हौंसला, जो आम लोगों के हित से जुड़ा हो। राजा के नंगा घूमने पर भी ये उसके जिस्म को ढाका की उस मलमल से ढका होने का दावा करते हैं, जिसे दो हज़ार रुपए के नोट में लगी चिप की तरह केवल गिद्ध पत्रकार ही देख सकते हैं। अपने राजा को महान दिखाने के लिए यह गिद्ध मीडिया किसी भी हद तक नीचे गिर सकता है। यह कभी उसकी गलतियों पर सवाल नहीं करता।

देश दुनिया से

फसलों की विविधता को कम करेगी बढ़ती गर्मी

ग्लोबल वार्मिंग दुनिया में फसलों की विविधता को कम कर सकती है। एक नए अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यदि वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाता है, तो विशाल क्षेत्र फसल विविधता खो सकते हैं, जिससे विश्वव्यापी खाद्य सुरक्षा के लिए जोखिम बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि उच्च तापमान के कारण वैश्विक खाद्य उत्पादन का लगभग एक तिहाई हिस्सा खतरे में पड़ सकता है। फिनलैंड के आल्टो विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने नेचर फूड में प्रकाशित शोध में बताया कि तापमान, वर्षा पैटर्न और समग्र शुष्कता में परिवर्तन किस तरह दुनिया भर में 30 प्रमुख खाद्य फसलों के विकास को प्रभावित करेंगे। शोध के परिणाम बताते हैं कि निम्न अक्षांश क्षेत्र, खास कर उष्णकटिबंधीय देशों के बड़े हिस्से सबसे अधिक नुकसान उठाने वाले हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ेगा, इन क्षेत्रों में कृषि के लिए बहुत अधिक भूमि अनुपयुक्त होती जाएगी। साथ ही उगाई जा सकने वाली फसलों की विविधता में भी भारी गिरावट आएगी। अध्ययन का नेतृत्व करने वाली शोधकर्ता सारा हेइकोनेन ने कहा कि विविधता के नुकसान का मतलब है कि कुछ क्षेत्रों में खेती के लिए उपलब्ध खाद्य फसलों के दायरे में काफी कमी आ सकती है। इससे खाद्य सुरक्षा कम होगी और पर्याप्त कैलोरी और प्रोटीन प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाएगा। इन बदलती परिस्थितियों से दुनिया के मौजूदा खाद्य फसल उत्पादन का आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। चावल, मक्का, गेहूं, आलू और सोयाबीन जैसी प्रमुख फसलों को उपयुक्त कृषि भूमि में भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। इससे उन लोगों के लिए चुनौतियां बढ़ सकती हैं जो दैनिक पोषण के लिए इन फसलों पर निर्भर हैं। कई अन्य फसलें भी असुरक्षित हैं जिनमें अनाज और दालों के अलावा उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में उगने वाली जड़ वाली फसलें शामिल हैं। जिमीकंद जैसी जड़ वाली फसलें कम आय वाले क्षेत्रों में खाद्य सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अफ्रीका के सहारा रेगिस्तान के दक्षिण में स्थित देश सबसे अधिक प्रभावित होंगे। यदि ग्लोबल वार्मिंग 3 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो जाती है तो इन देशों में वर्तमान उत्पादन का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। वैश्विक तापमान का असर सब जगह एक जैसा नहीं होगा। नया अध्ययन निम्न अक्षांश और मध्य से उच्च अक्षांश क्षेत्रों (भूमध्य रेखा और ध्रुवीय क्षेत्रों के बीच में गर्म और ठंडी जलवायु वाले क्षेत्र) के बीच एक स्पष्ट अंतर को दर्शाता है। भूमध्य रेखा के नजदीकी देशों को जहां फसल की भारी क्षति और विविधता में गिरावट का सामना करना पड़ सकता है, वही ठंडी जलवायु वाले देश अपने समग्र उत्पादन स्तर को बनाए रख सकते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी अनुमान लगाया है कि मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्र गर्म होती दुनिया में फसलों की एक विस्तृत श्रृंखला की खेती करने में सक्षम हो सकते हैं। अध्ययन के वरिष्ठ लेखक मैटी कुम्मू का कहना है कि जलवायु में अनुकूल बदलाव अधिक पैदावार की गारंटी नहीं देता है। जलवायु परिवर्तन से कुछ स्थानों पर उत्पादन बढ़ सकता है लेकिन वार्मिंग नए कीट पैदा कर सकती है और चरम मौसम की घटनाएं ला सकती है। खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे देश, खास कर अफ्रीकी देश पहले से ही कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं क्योंकि बढ़ते तापमान अन्य सामाजिक और आर्थिक दबावों के साथ मेल खाते हैं। कई कम अक्षांश वाले क्षेत्रों में, खास तौर पर अफ्रीका में, दुनिया के अन्य क्षेत्रों की तुलना में पैदावार कम है। ये देश उर्वरकों और सिंचाई तक अपनी पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन और भंडारण श्रृंखला के माध्यम से खाद्य नुकसान को कम करके वे अधिक पैदावार प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि वैश्विक गर्मी इन अनुमानों में बहुत अधिक अनिश्चितता जोड़ेगी और संभवतः और भी अधिक कार्रवाई की आवश्यकता होगी, जैसे कि अनुरूप फसल का चयन करना और प्रजनन के नए तरीके अपनाना। मॉडल के जरिए अध्ययन और विश्लेषण करना आसान लगता है लेकिन यह समझना सबसे कठिन है कि बदलाव कैसे किए जाएं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कम अक्षांश वाले देशों में नीति-निर्माताओं को कृषि के इंफ्रास्ट्रक्चर में अंतर को पाटने के तरीकों की तलाश करनी चाहिए। साथ ही अधिक प्रतिकूल बढ़ती परिस्थितियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए। ऐसे प्रयासों के बिना स्थानीय समुदायों को, जो पहले से ही खाद्य कमी के खतरे में हैं, आने वाले वर्षों में और भी अधिक संघर्ष करना पड़ेगा। दुनिया की खाद्य फसलों को सुरक्षित करना मध्य और उच्च अक्षांश वाले क्षेत्रों के लिए किसानों और नीति निर्धारकों को लचीला बने रहना होगा। गर्मी नई फसलों के लिए द्वार खोल सकती है, लेकिन वैश्विक मांग और बाजार की ताकतों में बदलाव लोगों द्वारा खेती के लिए चुने जाने वाले तरीकों को और भी बदल सकते हैं। नई स्थितियों से निपटने के लिए किसानों द्वारा जो तरीके अपनाए जा सकते हैं, उनमें विभिन्न फसल किस्मों के साथ प्रयोग करना, रोपण के मौसमों को समायोजित करना तथा गर्म मौसम और कीटों से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश करना शामिल है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर हम भविष्य में अपनी खाद्य प्रणाली को सुरक्षित करना चाहते हैं, तो हमें जलवायु परिवर्तन को कम करना पड़ेगा और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पड़ेगा। भले ही सबसे बड़े परिवर्तन भूमध्यरेखीय क्षेत्रों में हों, हम सभी वैश्विक खाद्य प्रणाली के माध्यम से इन प्रभावों को महसूस करेंगे। अतः हमें इन समस्याओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना पड़ेगा। इस अंतर्संबंध का मतलब है कि दुनिया के एक हिस्से में जलवायु द्वारा संचालित फसल विफलताओं का असर समस्त सप्लाई चेन पर पड़ेगा, जिससे हर जगह खाद्य कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि जलवायु परिवर्तन को कम करना आवश्यक है, लेकिन एक गर्म और अधिक अप्रत्याशित ग्रह पर उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों से निपटने के लिए बेहतर योजना बनाना भी उतना ही जरूरी है।

आप का नजरिया

आतंक और महिलाएं

पहलगाम हमले में अपने पति को खोने वाली भारत की बेटियों का बदला आखिरकार भारतीय सेना ने सिंदूर से लिया। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कुल 9 आतंकवादी अड्डों पर मिसाइल से निशाना साधकर उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। इस मिशन की जानकारी जब पहलगाम हमले में शिकार बने परिवारों को मिली, तब उनकी आंखें खुशी से नम हो गईं। सभी परिवारों ने उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सेना का धन्यवाद जताया। भारत ने पाकिस्तान में कार्रवाई की। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इस अभियान को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। भारत का ये एक्शन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी अटैक के बाद हुआ। इसमें हरियाणा के नेवी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल भी मारे गए थे। विनय कोच्चि में तैनात थे। विनय अपनी पत्नी हिमांशी के साथ हनीमून पर कश्मीर गए हुए थे। 16 अप्रैल को उनकी शादी हुई थी। इसके बाद वह कश्मीर में हनीमून पर आए थे, लेकिन 22 अप्रैल को बैसरन घाटी में आतंकी अटैक में उनको गोली मार दी गई। पाकिस्तान से आए आतंकियों ने खासतौर से पुरुषों को निशाना बनाया था और उनके परिवार के सामने उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना के बाद से ही देश में पाकिस्तान के खिलाफ गुस्से का माहौल था और कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही थी। लोगों की डिमांड पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर स्ट्राइक की। हालांकि पहलगाम की पीड़ित महिलाएं इस स्ट्राइक से संतुष्ट नहीं थीं। उन्होंने कल्पना से भी परे डिमांड कर दी। हमले में मारे गए समीर गुहा की पत्नी सरबरी गुहा ने कहा कि सिर्फ कुछ आतंकवादी शिविरों पर हमला करने से शांति नहीं आएगी, बल्कि पाकिस्तान को नक्शे से हटाना ही स्थायी समाधान है। सरबरी ने कहा, मैंने जो खोया है, उसे वापस नहीं पा सकती। लेकिन इस हमले से हम सभी को थोड़ी राहत तो मिली। मैं इस ऑपरेशन के लिए केंद्र सरकार और सेना को शब्दों में धन्यवाद नहीं दे सकती। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को पूरी तरह से नक्शे से नहीं हटाया गया तो ऐसी घटना फिर हो सकती है। मुझे यकीन है कि सरकार इस खतरे को रोकने के लिए आगे कदम उठाएगी। समीर गुहा के रिश्तेदार सुशांत घोष ने कहा, उम्मीद थी कि सरकार कार्रवाई करेगी। हम सभी इसका इंतजार कर रहे थे और आखिरकार हमला हो गया। वहीं, मृतक बितान अधिकारी की पत्नी सोहिनी अधिकारी ने कहा कि जिस तरह से उन्होंने अपना सिंदूर खोया है, किसी अन्य महिला को अपना सिंदूर नहीं खोना चाहिए। सोहिनी ने कहा, मुझे अभी भी विश्वास है कि मेरे दिवंगत पति हमें देख और सुन सकते हैं। मुझे लगता है कि वह भी इस हमले से खुश हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत की कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस बयान के अनुरूप है जिसमें पहलगाम हमले के दोषियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया गया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन–साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम–काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी–मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा ख़ासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम–काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 मई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : तृतीया रात्रि 04:05 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा दोपहर 02:08 तक
योग : शिव प्रातः 07:00 तक
करण : वणिज सायं 03:21 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक दोपहर 02:08 तक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:30 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय तक, भद्रा सायं 03:19 से रात्रि 04:03 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जन सेवा का अप्रतिम उदाहरण बनी मुख्यमंत्री जन–सुनवाई

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील, सेवाभावी और सर्वस्पर्शी कार्यों की त्रिवेणी ने आमजन की परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करने का एक तंत्र सुविकसित किया है। जन सेवा को सर्वाच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता के साथ परिवेदनाओं को उसके निष्कर्ष तक पहुंचाना इस तंत्र का आधार है। इससे प्रदेश के युवा, महिला, मजदूर और किसान सहित सभी वर्गों को सुगम सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री शर्मा के सुस्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में जनता की समस्याओं का समयबद्धता निस्तारण किया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई ने जनसेवा का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किया है।

गंगापुर सिटी निवासी कैलाश चन्द्र सेन पारिवारिक आर्थिक तंगी के कारण अपनी बेटी मीनाक्षी का स्थानीय विद्यालय में दाखिला नहीं करवा पा रहे थे। कैलाश ने जनसुनवाई में आकर मुख्यमंत्री शर्मा के समक्ष अपनी परिवेदना प्रस्तुत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बालिका का नजदीक के विद्यालय में प्रवेश दिलाने के निर्देश दिए। आज मीनाक्षी नजदीक के विद्यालय में आरटीई के तहत निःशुल्क अध्ययन कर रही है। वह नियमित स्कूल जाती है और बडे.गर्व से कहती है कि मैं आगे बढ़ूंगी और अपने माता–पिता का नाम रोशन करूंगी। साथ ही, सक्षम बन विकसित भारत–विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने में भूमिका निभाऊंगी।

मजदूरी कर अपने परिवार का पालन–पोषण कर रहे मुकेश ने जनसुनवाई में मुख्यमंत्री से आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया। इस पर शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मुकेश को त्वरित राहत देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में अधिकारियों ने मुकेश का नाम खाद्य सुरक्षा में जुड़वाया।

जयपुर के कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर बड़ी लूट

नेपाली नौकर दंपति ने साथियों संग मिलकर ढाई करोड़ के आभूषण और नकदी लेकर हुए फरार

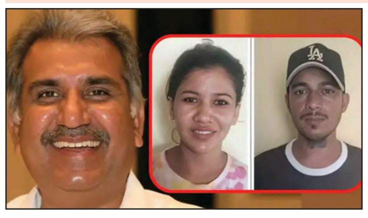

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में आज बुधवार सुबह लूट की बड़ी वारदात हुई है। शहर के पॉश इलाके वैशाली नगर में रहने वाले कांग्रेस नेता संदीप चौधरी के घर यह लूट की वारदात हुई है। घरेलू नौकर दंपती बनकर पहुंचे काजल और भरत ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है। नौकर दंपती नेपाल के रहने वाले थे। 10 दिन पहले ही वे संदीप चौधरी के घर पर काम करने पहुंचे थे। संदीप चौधरी दिल्ली गए हुए थे और घर में उनकी पत्नी और माताजी थे। घरेलू नौकर दंपती ने अपने अन्य साथियों को बुलाकर कांग्रेस नेता संदीप चौधरी की पत्नी और माताजी को बंधक बनाया। फिर लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।जानकारी के मुताबिक संदीप चौधरी ने आज सुबह करीब 7 बजे अपनी पत्नी को कॉल किया। बार बार कॉल करने के बाद भी कॉल रिसीव नहीं हुआ। फिर उन्होंने अपनी मां को कॉल किया लेकिन मां ने भी कॉल रिसीव नहीं किया। सुबह 7 बजे से लेकर साढ़े 8 बजे तक जब पत्नी और मां से संपर्क नहीं हुआ तो संदीप चौधरी ने अपनी बेटी को कॉल करके कहा कि वह घर जाकर मां और दादी को संभालें। जब संदीप चौधरी की बेटी घर पहुंची तो उनकी मां और दादी दोनों बेहोशी की अवस्था में पड़े थे।

चौधरी की बेटी घर पहुंची तो उसकी मां और दादी दोनों बेहोश थी। घर का पूरा सामान बिखरा हुआ था। अलमारियों के लॉक और दरवाजे टूटे हुए थे। आभूषण और नकदी गायब थी।

कर्नल सोफिया कुरैशी विवाद पर पायलट ने भाजपा पर साधा निशाना

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व को देश से माफी मांगने की बात कही है। बुधवार को जयपुर में मीडिया से रूबरू होते हुए पायलट ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ने जिस तरह से कर्नल कुरैशी को लेकर अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। इसके बाद उन्हें सरकार में रहने का कोई हक नहीं है। उन्हें तुरंत प्रभाव से मंत्री पद से बर्खास्त किया जाना चाहिए और उनकी इस बेहूदा हरकत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को माफी मांगनी चाहिए। साथ ही पार्टी हाईकमान को ऐसे नेता के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। पायलट ने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर पूरे देश को गर्व है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में पूरी जानकारी देश के समक्ष रखी। कर्नल कुरैशी तीसरी पीढी हैं जो देश सेवा

करते हुए सेना में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

दरअसल, सचिन पायलट ने जिस मसले पर बीजेपी को घेरा है उसका नाता मध्य प्रदेश से है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशभर में राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों की ओर से सेना के सम्मान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार 12 मई को महू के एक कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह ने कर्नल कुरैशी को लेकर बेहूदा बयान दे दिया। उन्होंने कर्नल को आतंकवादियों की बहन बताते हुए संबोधित किया। उनके इस बयान के बाद देशभर में उनका विरोध रहा है। मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी पार्षद ने मंत्री विजय शाह का मुंह काला करने वाले को 51 हजार रुपए का इनाम देने का ऐलान कर दिया है। हालांकि बाद में विजय शाह ने माफी मांगी और कहा कि कर्नल कुरैशी उनकी बहन है, वे उनसे हजार बार माफी मांगते हैं।

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार भारत को लेकर बयान दे रहे हैं। हाल ही में वे सऊदी अरब के दौरे पर गए। वहां भी उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान के बीच जो युद्ध विराम हुआ, वह उनके द्वारा कराया गया है। यह भी कहा कि दोनों देशों के साथ व्यापार बढ़ाने की शर्त रखते हुए सीजफायर कराया गया। पायलट ने कहा कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान की तुलना क्यों कर रहे है। यह समझ से परे है। पाकिस्तान जो दशकों से आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। बार बार भारत में आतंकी घटनाओं को अंजाम दे रहा है। इस मामले में ट्रंप ने पिछले तीन चार दिन में एक शब्द भी नहीं कहा। ट्रंप ने अपने बयानों में आतंकवाद और आतंकवादी शब्दों का इस्तेमाल तक नहीं किया। इन सबके बावजूद भारत सरकार की ओर से ट्रंप के बयानों का अभी तक खंडन नहीं किया गया। यह भी समझ से परे है।

आईपीएल मैच से पहले एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आईपीएल के तीन मैच होने प्रस्तावित हैं। इससे पहले सवाई मानसिंह स्टेडियम को बार बार बम से उड़ाए जाने की धमकियां मिल रही है। पिछले एक सप्ताह में तीन बार धमकी भरे ईमेल पहले मिल चुके हैं और आज बुधवार सुबह एक बार फिर एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यानी सात दिन में चौथी बार धमकी दी गई है। हर बार की तरह इस बार भी क्रीड़ा परिषद की ऑफिशियल ईमेल आईडी पर धमकी भरा ईमेल आया है। इस बार धमकी देने वाले ने लिखा कि पाकिस्तान से पंगा मत लीजिए। हमारे पास भारत में स्लीपर सेल है। इस धमकी भरे ईमेल में यह भी लिखा है कि ऑपरेशन सिंदूर के लिए आपके हॉस्पिटल भी उड़ा दिए जाएंगे। ऑपरेशन सिंदूर के बाद एकबारगी आईपीएल के मैचों को स्थगित कर दिया था और बाद में बीसीसीआई ने फिर से मैच कराने का निर्णय लिया। जयपुर में तीन मैच कराए जाने प्रस्तावित हैं। 18 मई को राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच, 24 मई को पंजाब किंग्स का मुकाबला दिल्ली से और फिर 26 मई को पंजाब किंग्स का मुकाबला मुंबई इंडियंस से होना है। इससे पहले लगातार एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही है।

ग्राहक ने दुकानदार की गोली मारकर की हत्या

गुरुग्राम, 14 मई (एजेंसियां)। फर्रुखनगर में झज्जर गेट पर मंगलवार सुबह एक दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दुकानदार अपनी दुकान में बैठे थे कि एक युवक आया और फायरिंग कर दी। वारदात थाने से चंद कदम दूर हुई। वारदात से गुस्साए दुकानदारों ने बाजार बंद कर मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस ने वाहनों को दूसरे रास्तों से निकाला। एसीपी ने थाना प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किए जाने व आरोपी को जल्द अरेस्ट करने का आश्वासन देकर जाम खुलवाया।

एरिया में रहने वाले 28 वर्षीय भाई राकेश की झज्जरगेट पर चाय–समोसे की दुकान है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को राकेश दुकान में बैठे थे। अचानक एक युवक आया और फायरिंग शुरू कर दी। दात की सूचना मिलते ही फर्रुखनगर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के भाई तरुण ने मामले की शिकायत पुलिस को दी। दुकानदार की हत्या से गुस्साए परिजन और दुकानदार सड़क पर उतर गए। लोगों ने बाजार बंद करने के साथ रोड जाम कर दिया गया। लोगों ने हत्यारोपी को अरेस्ट करने के साथ ही पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए थाना प्रभारी सहित अन्य पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग की।

फरीदाबाद में 3 दिन में 3 डिग्री बढ़ा तापमान

फरीदाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में इन दिनों मौसम के अलग–अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। कभी गर्मी तो कभी बारिश से राहत मिलते हुए दिखाई दे रही है। लेकिन आने वाले दिनों में गर्मी बढ़ने वाली है। फरीदाबाद जिले की बात करें तो यहां का पारा बारिश के बाद एक बार फिर से बढ़ने लगा है। मौसम विभाग के अनुसार

सोमवार को फरीदाबाद का अधिकतम तापमान 38 डिग्री व न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस हिसाब से तीन दिन में तीन डिग्री तापमान बढ़ गया है। विभाग की मानें तो जल्द ही तापमान 40 डिग्री व उससे भी पार पहुंच सकता है। रविवार रात को फरीदाबाद में हल्की बारिश होने के बाद सोमवार को मौसम पूरी तरह से साफ रहा और इस पूरे सप्ताह मौसम साफ रहने का अनुमान है।

फरीदाबाद में पिछले दिनों मौसम परिवर्तनशील रहा। हल्की बारिश और बादल छाने से तापमान में गिरावट थी। हीट वेव भी पूरी तरह से खत्म थी और हवाएं ठंडी हो गई थीं।

हरियाणा के उद्यमियों के लिए अच्छी खबर

एनओसी के लिए नहीं खाने पड़ेंगे धक्के, सभी जिलों में शुरू होगा सिंगल विंडो सिस्टम

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में उद्यमियों को अब अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के लिए सरकारी कार्यालयों में नहीं भटकना पड़ेगा। पंचकूला की तर्ज पर सभी शहरों में सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित करने की तैयारी है। इससे उद्योगपतियों को आसानी से एनओसी मिल जाएगा। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने बुधवार को बताया कि 10 नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) विकसित करने के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है।

गुरुग्राम के साथ लगते मेवात में नया आईएमटी विकसित किया जाएगा। मानेसर के बाद मेवात में मेसर्स एंपरेक्स टेक्नोलॉजिज लिमिटेड ने अपनी इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई है। कंपनी द्वारा प्रस्तावित 7083 करोड़ रुपये में से 2460 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका है। मेवात देश के 100 आकांक्षित पिछड़े जिलों में से एक है। प्रदेश सरकार का प्रयास मेवात को प्रदेश के अन्य जिलों की तरह विकसित जिला बनाने का है। शीघ्र ही नई औद्योगिक नीति लाई जाएगी। उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि जब गुरुग्राम में मारुति ने अपनी पहली इकाई स्थापित की थी, उस समय यह शहर औद्योगिक रूप से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था। आज विश्व की बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने यहां अपनी इकाइयां स्थापित की हैं। गुरुग्राम ने आज देश के साइबर सिटी के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा आत्मनिर्भर वस्त्र नीति 2025 लागू की है। पानीपत, गुरुग्राम और फरीदाबाद में कपड़ा उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इस नीति के तहत उद्योगों को 1200 करोड़ रुपये की सब्सिडी देने का प्रविधान किया गया है। उन्होंने कहा कि 10 एकड़ क्षेत्र में जहां 50 औद्योगिक यूनिट स्थापित हों, इसको कन्फेरमेशन जोन घोषित किया जाएगा।

हरियाणा में सरकारी नौकरियों की बहार!

ग्रुप डी के 7596 पदों पर होगी भर्ती, सीएम सैनी ने किया ऐलान

चंडीगढ़।, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सरकारी विभागों, बोर्ड–निगमों, स्वायत्त संस्थाओं और सरकारी कंपनियों में चतुर्थ श्रेणी के 7596 पदों पर भर्ती होगी। पहली बार चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पदों की भर्ती में 1209 पद वंचित अनुसूचित जाति (डीएससी) और अन्य अनुसूचित जाति (ओएससी) के लिए आरक्षित किए गए हैं। इनमें डीएससी के लिए 605 और ओएससी के लिए 604 पद आरक्षित रहेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा राज्य कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) के माध्यम से जल्द ही चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। भर्ती में वंचित अनुसूचित जाति और अन्य अनुसूचित जाति के साथ ही पिछड़ा वर्ग–ए (बीसीए), पिछड़ा वर्ग–बी (बीसीबी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईब्लयूएस), दिव्यांग, खिलाड़ियों और एक्स सर्विसमैन को आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्गों के लिए आरक्षण की नई व्यवस्था अंतर्विशिष्ट असमानताओं को दूर करने और आरक्षण लाभों के निष्पक्ष वितरण को सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। यह पहल न केवल

रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी, बल्कि सामाजिक समावेशिता और निष्पक्षता को भी सुनिश्चित करेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के अपने वादे को पूरा करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार का साझा लक्ष्य अंत्योदय अर्थात समाज के सबसे वंचित वर्ग के उत्थान को प्राथमिकता देना है। यह भर्ती प्रक्रिया समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से अनुसूचित जातियों और अन्य पिछड़े समुदायों को उनका हक दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह भर्ती प्रक्रिया न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगी, बल्कि सामाजिक न्याय को भी मजबूत करेगी। भर्ती प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष रखने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग कर आवेदन और चयन प्रक्रिया को और अधिक सुगम और कुशल बनाया जाएगा। यह पहल युवाओं के लिए नए अवसरों का द्वार खोलने के साथ ही सामाजिक समावेश और समानता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगी।

भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए योगी ने कहा

भारतीय सेना के शौर्य का पूरा देश कर रहा अभिवादन

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत शौर्य तिरंगा यात्रा का शुभारंभ करते हुए कहा कि जब चुनौती हो और राष्ट्रीय संकट के लिए कोई संकट खड़ा हो रहा हो तो धैर्य, साहस और एकता ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी होती है। इस माहौल में शौर्यवान जवानों के कारण भारत ने पाकिस्तान के हौसले पस्त किए। दुनिया ने पाकिस्तान और उसके आकाओं के बेशर्मी भरे उस चेहरे को भी देखा, जिसमें आतंकियों के जनाजे में वहां के नेता व सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए। यह चीजें दिखाती हैं कि पाकिस्तान विफल राष्ट्र है और 70-75 वर्षों में उसने केवल आतंकवाद के बीज बोए हैं। पाकिस्तान ने अपनी विफलता की कहानी ही दुनिया को बताई है। आतंकवाद को दिए जा रहे प्रश्रय इस बात को साबित करते हैं कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को भी निगल देगा। खोखला हो चुका पाकिस्तान आज जिस प्रकार का दुस्साहस कर रहा है, ऑपरेशन सिंदूर उसका जवाब था। आने वाले समय में यह तय है कि भारत की तरफ जो भी उंगली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सेना के शौर्य को सलामी देने के लिए बुधवार को अपने सरकारी आवास से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को रवाना किया। सीएम योगी ने हाथ में तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व किया। सीएम योगी ने प्रदेशवासियों की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जवानों, पूर्व सैनिकों, नौजवानों का अभिनंदन किया। सीएम ने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को सैल्यूट करते हुए बहादुर जवानों का अभिनंदन करने के लिए उतावला दिखाई दे रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में वीभत्स व बर्बर घटना को अंजाम दिया था, जिसकी निंदा देश-दुनिया ने की थी, लेकिन आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान व उसके आका मौन रहे। भारत के आन-मान-शान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने सारे प्रमाण दिए, उसके बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो अंततः ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया। पहले ही दिन 100 से अधिक आतंकियों व प्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद के विषबेल को पालने-पोसने में योगदान देने वाले उनके परिवार से जुड़े लोगों को वीभत्स कृत्य की सजा दी गई। सभी ने भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्य का लोहा माना। पाकिस्तान की हिमाकत का थल, वायु व नौसेना के बहादुर जवानों ने मजबूती से जवाब दिया और दुनिया को भी संदेश दिया कि हम छेड़ेंगे नहीं, लेकिन छेड़ने वालों को छोड़ेंगे नहीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जवानों के सम्मान में भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा प्रारंभ की गई है। यह तिरंगा भारत के आन, मान-शान तथा शौर्य-पराक्रम का प्रतीक है। तिरंगा के प्रति सम्मान का भाव व्यक्त करने, सैनिकों को सर्वोच्च सम्मान देने व पीएम मोदी के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यूपी में आज से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हो रहा है। भीषण गर्मी के बावजूद इतनी सुबह आपकी उपस्थिति भारतीय सेना के प्रति सम्मान की अभिव्यक्ति का सुंदर उदाहरण है। यही धैर्य व समर्पण का भाव भारतीय नागरिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सैनिकों व देश की सरकार के प्रति व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी का पहले दिन से ही संकल्प रहा है कि जब हम नए और विकसित भारत की बात करते हैं तो हमारा ध्येय राष्ट्र प्रथम होना चाहिए। विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए आवश्यक है कि हम राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ काम करें। जब राष्ट्र प्रथम का भाव 140 करोड़ भारतीयों की प्राथमिकता होगी तो अपने-अपने क्षेत्र में कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए हर भारतवासी लगेगा, फिर दुनिया की कोई ताकत भारत के सामने टिक नहीं पाएगी। सीएम ने पीएम मोदी के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने पूरे देश को एकजुट रखा और पंजाब के आदमपुर में जाकर बहादुर जवानों के हौसलों को बढ़ाया।

इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, खेल मंत्री गिरीश यादव, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, राज्यसभा सांसद बृजलाल, संजय सेठ, विधायक पंकज सिंह, जय देवी, नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव, योगेश शुक्ला, विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता, मुकेश शर्मा, उमेश द्विवेदी, अवनीश सिंह पटेल, पवन सिंह चौहान, लालजी प्रसाद निर्मल, भाजपा के जिलाध्यक्ष विजय मौर्य, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी आदि मौजूद रहे। संचालन विधान परिषद सदस्य गोविंद नारायण शुक्ल ने किया

गर्भवती महिलाओं और बच्चों को मिलेगा पोषण का सुरक्षा कवच

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने कुपोषण के खिलाफ अपनी लड़ाई को और मजबूत करते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के लाभार्थियों के लिए अनुपूरक पुष्टाहार की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 51.89 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि को मंजूरी दी है। यह फैसला नैफेड के माध्यम से पुष्टाहार सामग्री की बढ़ती लागत को देखते हुए लिया गया है। इसके साथ ही, योगी सरकार ने अनुपूरक पुष्टाहार योजना हेतु टॉप-अप व्यवस्था नाम की एक नवोन्मेषी पहल शुरू की है, जो लागत में वृद्धि के बावजूद पोषण आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। योगी सरकार का यह कदम न केवल बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देता है, बल्कि ग्रामीण सशक्तिकरण और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति देने में महत्वपूर्ण है।

समन्वित बाल विकास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं तथा 14 से 18 वर्ष की किशोरियों को पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। यह योजना कुपोषण और स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए चलाई जा रही है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां ये चुनौतियां गंभीर हैं। प्रदेश के लाखों आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से फोर्टिफाइड गेहूं दलिया, चना दाल, मसूर दाल और खाद्य तेल जैसी पौष्टिक सामग्री लाभार्थियों तक पहुंचाई जाती है। केंद्र और राज्य सरकार इस योजना में 50-50 प्रतिशत की हिस्सेदारी करती हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पोषण का लाभ हर जरूरतमंद तक पहुंचे। नैफेड के माध्यम से पुष्टाहार सामग्री की आपूर्ति उत्तर प्रदेश में एक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में शुरू की गई थी, क्योंकि स्थानीय स्तर पर पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों (टीएचआर यूनिट) की स्थापना में समय लग रहा है। हालांकि, चना दाल, मसूर दाल, और अन्य सामग्रियों की बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण नैफेड की आपूर्ति लागत में वृद्धि हुई है। भारत सरकार द्वारा निर्धारित लागत मानकों (कॉस्ट नॉर्म्स 2017) की तुलना में यह लागत अधिक होने से अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता पड़ी। इस चुनौती से निपटने के लिए योगी सरकार ने अनुपूरक पुष्टाहार योजना हेतु टॉप-अप व्यवस्था शुरू की है। इस व्यवस्था के तहत, यदि नैफेड द्वारा आपूर्ति की गई सामग्री की लागत निर्धारित मानकों से अधिक होती है, तो राज्य सरकार उस अतिरिक्त लागत को वहन करेगी। इस नव-ाचार के तहत, वित्तीय वर्ष 2024-25 के तीसरे तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) के लिए 25.92 करोड़ रुपए और चौथे तिमाही (जनवरी-मार्च 2025) के लिए 25.97 करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गई है। कुल 51.89 करोड़ रुपए की यह राशि टॉप-अप के रूप में प्रदान की गई है, ताकि पुष्टाहार की आपूर्ति में कोई रुकावट न आए।

इसके अतिरिक्त, सरकार ने भविष्य में भी नैफेड की बढ़ी हुई दरों को समायोजित करने के लिए टॉप-अप व्यवस्था के तहत धनराशि प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि बाजार कीमतों में उतार-चढ़ाव का बोझ लाभार्थियों पर न पड़े और पोषण आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहे।

मिलावटखोरी जैसे सामाजिक अपराध के खिलाफ सरकार का अभियान

चौराहों पर लगेंगी मिलावटखोरों की तस्वीर: मुख्यमंत्री

मिलावटखोरों और नकली दवाओं के धंधेबाजों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के कारोबार को सामाजिक अपराध करार देते हुए कहा कि यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है, जिससे किसी भी प्रकार का समझौता अक्षम्य होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत मिलावटखोरों, नकली दवाओं के कारोबारी नेटवर्क और इस अपराध में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त व निर्णायक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ऐसे लोगों को सार्वजनिक रूप से चिन्हित किया जाए और उनकी तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं, ताकि जनता भी उन्हें पहचान सके और समाज में उनके प्रति नकारात्मक संदेश जाए।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में निर्देश दिया कि तेल, घी, मसाले, दूध, पनीर जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं की जांच यथासंभव उत्पादक इकाई पर ही की जाए। दूध व दुग्ध उत्पादों की विशेष रूप से सघन जांच के लिए समर्पित टीमें बनाई जाएं जो लगातार निगरानी रखें। साथ ही पेशेवर रक्तदाताओं की पहचान कर इस पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ होना चाहिए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि राज्य में खाद्य एवं औषधि प्रयोगशालाओं के नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है। पूर्व में कार्यरत छह प्रमुख मंडलों के अलावा अब अलीगढ़, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, बस्ती, चित्रकूट, कानपुर, मिर्जापुर, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और देवीपाटन मंडलों में भी नई प्रयोगशालाएं और कार्यालय स्थापित किए गए हैं। लखनऊ, गोरखपुर और झांसी में प्रयो-गशाला भवनों का उच्चीकरण किया गया है। साथ ही, लखनऊ, मेरठ और वाराणसी में तीन आधुनिक माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशालाएं भी स्थापित की गई हैं, जिनमें सूक्ष्मजीव, प्रोटोजोआ, विषाणु, जीवाणु, माइक्रो टॉक्सिन्स तथा अन्य रोगकारक जीवों की जांच संभव हो पाई है। लखनऊ और मेरठ में परीक्षण भी प्रारंभ हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने इन प्रयोगशालाओं के संचालन व रखरखाव हेतु एक कॉर्पस फंड स्थापित करने का सुझाव दिया।

नकली औषधियों के कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पुलिस के साथ विभागीय समन्वय को और बेहतर बनाया जाए ताकि प्रवर्तन कार्यवाहियों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। औषधियों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए की जा रही कार्रवाइयों की समीक्षा भी बैठक में की गई। खाद्य सुरक्षा की प्रक्रिया को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से एफएसडीए द्वारा पासवर्ड-संरक्षित बारकोड प्रणाली लागू की गई है, जिससे नमूनों के विश्लेषण की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। प्रत्येक नमूने का परीक्षण वैज्ञानिकों द्वारा डिजिटल माध्यम से किया जाता है और उच्च अधिकारियों की स्वीकृति के बाद ही वह विश्लेषण मान्य माना जाता है।

आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभाग ने फूड सेफ्टी कनेक्ट नामक मोबाइल ऐप और टोल फ्री नंबर 1800-180-5533 उपलब्ध कराया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत का निस्तारण तभी मान्य माना जाए जब शिकायतकर्ता संतुष्ट हो। चिकित्सा उपकरण और औषधि विनिर्माण के क्षेत्र में निवेश और रोजगार सृजन को लेकर भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि पिछले तीन वर्षों में 1,470 करोड़ के निवेश प्रस्ताव स्वीकृत हुए हैं, जिससे 3,340 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। औषधि निर्माण इकाइयों, मेडिकल डिवाइस निर्माण, रक्त कोषों और फुटकर औषधि विक्रेताओं की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। फुटकर औषधि प्रतिष्ठानों में ही बीते तीन वर्षों में 65 हजार से अधिक नए रोजगार सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि एफएसडीए की संगठनात्मक क्षमता को सुदृढ़ किया जाए और इसके लिए रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्मशती समारोह

नारीशक्ति की प्रतीक थीं लोकमाता अहिल्याबाई: योगी

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को धर्म, न्याय और राष्ट्रधर्म का सजीव स्वरूप बताते हुए कहा कि वे भारतीय सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापना की अग्रदूत थीं। उन्होंने विदेशी आक्रांताओं के कालखंड में जिस साहस, भक्ति और समर्पण से काशी से लेकर रामेश्वरम् तक तीर्थस्थलों का पुनरुद्धार कराया, वह भारतीय इतिहास का अद्वितीय अध्याय है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी के अवसर पर राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अहिल्याबाई ने धर्मो रक्षति रक्षितः के वैदिक उद्घोष को न केवल जिया, बल्कि उसे मूर्त रूप भी दिया। जब देश विदेशी आक्रांताओं से त्रस्त था, मंदिर विध्वंस किए जा रहे थे, तब अहिल्याबाई ने बिना भय के, बिना किसी राजनीतिक समर्थन के, उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक सनातन धर्म की पुनर्स्थापना का विराट कार्य अपने हाथों में लिया था, आज हमें उनके जीवन से सद्प्रेरणा लेकर देश और सनातन संस्कृति के गौरव की पुनर्स्थापना के लिए पूरे मनोयोग से समर्पित हो जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उल्लेख किया कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने स्वयं घोषणा की थी, मेरा पथ धर्म का पथ है, धर्म का पथ ही न्याय का पथ है और न्याय का पथ ही हमें सर्वशक्तिमान और समर्थ बनाने में सहायक हो सकता है। उनके इस उद्घोष ने ही उनके शासन और जीवन के कार्यों को दिशा दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें आज जो भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर दिखता है, वह उसी मंदिर का स्वरूप है जिसे अहिल्याबाई होल्कर ने 1777 से 1780 के बीच अपने निजी संसाधनों से बनवाया था।

उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में काशी विश्वनाथ धाम कॉरिडोर का निर्माण हुआ, तो स्वयं प्रधानमंत्री ने 13 दिसंबर 2021 को इसे अहिल्याबाई होल्कर के कार्य का ही विस्तारित रूप बताया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई केवल काशी तक सीमित नहीं रहीं। उन्होंने केदारनाथ धाम, रामेश्वरम्, सोमनाथ, हरिद्वार, महिष्मति और देश के अनेक तीर्थस्थलों के जीर्णोद्धार का कार्य किया। उन्होंने नदियों के घाटों, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बनी रहे।

योगी आदित्यनाथ ने लोकमाता अहिल्याबाई को भारतीय नारी शक्ति की प्रतीक बताते हुए कहा कि उन्होंने न केवल राजनीतिक प्रशासन को धर्म-संगत और प्रजा-हितकारी बनाया, बल्कि सामाजिक न्याय और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। उनकी प्रशासनिक दूरदृष्टि और साधु-संतों के प्रति श्रद्धा के साथ सेवा-भाव आज भी प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि किस तरह लोकमाता अहिल्याबाई ने अपनी प्रशासनिक क्षमता और दूरदर्शिता से माहिष्मति में साड़ी उद्योग को बढ़ावा देकर महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने का कार्य किया। साथ ही उन्होंने विधवा पुनर्विवाह को प्रोत्साहित और बाल विवाह पर रोक लगा कर नारी सशक्तिकरण की दिशा में अनुकरणीय कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें महारानी अहिल्याबाई के जीवन से प्रेरणा लेकर भारत के प्राचीन गौरव और सनातन संस्कृति के उत्कर्ष में संपूर्ण मनोयोग से समर्पित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरदार वल्लभभाई पटेल ने स्वतंत्र भारत में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से एक सांस्कृतिक चेतना का सूत्रपात किया, उसी भावधारा की आधारशिला सैकड़ों वर्ष पहले लोकमाता अहिल्याबाई ने रखी थी। उन्होंने आदि शंकराचार्य की परंपरा को भी स्मरण करते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक एकता चारों कोनों में स्थापित पीठों के माध्यम से आज भी कायम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है कि जब हम उनके योगदान को स्मरण कर रहे हैं, उसी समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी, अयोध्या, उज्जैन और अब मां विंध्यवासिनी धाम में भी भव्य परियोजनाएं आकार ले रही हैं।

यूएई नेशनल डे पर शुरू होगा डीपी वर्ल्ड टी20 लीग का चौथा सीजन

नई दिल्ली ,14 मई (एजेंसियां) ।

डीपी वर्ल्ड अंतरराष्ट्रीय लीग टी-20 के चौथे संस्करण की शुरुआत इस साल के अंत में 2 दिसंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर होगी। यह प्रतियोगिता 4 जनवरी 2026 तक चलेगी, जिसमें 6 टीमों के बीच 34 मुकाबले खेले जाएंगे।

इस बार टूर्नामेंट का आयोजन उसके पारंपरिक जनवरी-फरवरी समय से पहले किया जा रहा है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय टी-20 विश्व कप फरवरी-मार्च 2026 में होने वाला है।

टी-20 लीग के अध्यक्ष और अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि लीग का चौथा संस्करण यूएई के राष्ट्रीय पर्व ईद-अल-इत्तिहाद पर शुरू होगा। यह दिन हमारे लिए गर्व का प्रतीक है और दुनियाभर के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के लिए उत्सव का अवसर भी। यूएई विभिन्न देशों से आए लोगों का घर है और यह लीग हमारे इस विविधता भरे समाज को एकजुट करने का अवसर देती है।

टी-20 लीग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेविड व्हाइट ने कहा, हमने सभी संबंधित पक्षों से चर्चा के बाद दिसंबर-जनवरी की अवधि तय की है, जिससे विश्व कप से पहले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम की तैयारी का पूरा समय मिल सके। उन्होंने आगे कहा, यह समय टीमों को बेहतर खिलाड़ियों की उपलब्धता भी देगा, जिससे मुकाबले और रोमांचक होंगे।

पिछले सीज़न में दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ी मैदान में नजर आए थे, जिनमें प्रमुख नाम निकोलस पूरन, सैम करन (सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी - लाल बेल्ट), शाई होप (सर्वाधिक रन - हरी बेल्ट), फज़लहक फारूकी (सर्वाधिक विकेट - सफेद बेल्ट), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, डेविड वॉर्नर, टिम साउदी, फखर ज़मान, और एडम ज़म्पा के हैं।

न्यूज ब्रीफ

कोपा अमेरिका विवादः सीएएस ने उरुग्वे के खिलाड़ियों की अपील खारिज की,पांच खिलाड़ी रहेंगे निलंबित

लुसाने। खेलों की सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने उरुग्वे के पांच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की अपील खारिज कर दी है। इन खिलाड़ियों पर पिछले साल जुलाई में कोपा अमेरिका सेमीफाइनल में कोलंबिया से हार के बाद बैंक ऑफ अमेरिका स्टेडियम (नॉर्थ कैरोलिना, यूएस) में दर्शकों से भिड़ने का आरोप था। कोर्ट ने साफ कहा कि यह हरकत 'स्वरक्षा' नहीं, बल्कि स्वेच्छा से की गई हिंसात्मक और अनुचित प्रतिक्रिया थी। इस विवाद में लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज़, बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो, और एटलेटिको मैड्रिड के डिफेंडर जोस मारिया गिमेनेज़ शामिल थे। इनके अलावा टॉटनहम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटनकुर और नापोली के डिफेंडर माथियास ओलिवेरा भी इस झड़प में शामिल पाए गए। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल संस्था कॉनमेबोल ने इन सभी खिलाड़ियों को 3 से 5 मैचों के लिए निलंबित किया था। वर्ल्ड कप क्वालिफायर में नहीं खेल पाएंगे नुनेज़ अब डार्विन नुनेज़ 5 जून को पराग्वे के खिलाफ और 10 जून को वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 क्वालिफायर मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। मार्सेलो बिएल्सा की कोचिंग में उरुग्वे की टीम इस समय 10 टीमों की क्वालिफाइंग तालिका में तीसरे स्थान पर है और वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करने की मजबूत स्थिति में है। क्या है क्वालिफिकेशन की स्थिति दक्षिण अमेरिकी क्वालिफायर में शीर्ष 6 टीमें सीधे विश्व कप में जगह बनाएंगी, जबकि 7वें स्थान पर रहने वाली टीम इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ खेलेगी। उरुग्वे फिलहाल वेनेजुएला से 6 अंक आगे है और उसके पास क्वालीफाई करने के लिए कुल 4 मैच बचे हैं।

शमी बेले अभी संन्यास का इरादा नहीं अफवाह फैलाने वालों पर भड़के

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि अभी उनका

संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। शमी ने उन लोगों को भी आड़े हाथों लिया है जो उनके संन्यास की बातें कर रहे हैं। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही शमी के संन्यास को लेकर भी काफी अटकलें तेज हो रही हैं। शमी ने सोशल मीडिया में स्क्रीनशॉट साझा करते हुए संन्यास की खबरों को खारिज कर दिया है। शमी ने लिखा, बहुत अच्छा महाराज, अपने काम के दिन भी गिन लो, विदाई का कितना है बाद में देख लो। हमारा आप जैसे लोगों ने नुकसान कर दिया है। भविष्य को लेकर कभी तो अच्छा बोल लिया करें, सबसे खराब स्टोरी, सॉरी। गौरतलब है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी फिटनेस समस्याओं से परेशान हैं। आईपीएल 2025 में वह हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं पर उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और इस वजह से उनके भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। उन्होंने पिछले दो साल से भारत के लिए टेस्ट मैच नहीं खेला है। शमी ने साल 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की ओर से टेस्ट खेला था। शमी 2023 एकदिवसीय विश्व कप के बाद चोट के कारण करीब एक साल तक खेल से दूर रहे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के जरिए भी वापसी के प्रयास किये हालांकि उसमें उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने वापसी के बाद से केवल एक ही लाल गेंद वाला मैच खेला है। शमी आजकल आईपीएल में खेल रहे है।

आईपीएल के बचे मैचों में विराट को कप्तान बनाना चाहती है आरसीबी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार के चोटिल होने के कारण

आईपीएल सत्र के बचे हुए मैचों में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली कप्तानी एक बार फिर कप्तानी संभाल सकते हैं। पाटीदार को पिछले मैच में चोट लग गयी थी जिसे ठीक होने में अभी समय लगेगा। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन एक ऐसे खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहती है जिसे अनुभव हो और इसमें विराट से बेहतर कोई नहीं है। विराट ने लंबे समय तक टीम की कप्तानी की है। 17 मई से फिर शुरु हो रहे सत्र में विदेशी खिलाड़ी भी नहीं रहेंगे। ऐसे में आरसीबी प्रबंधन चाहता है कि ऐसे व्यक्ति कप्तान बने जिससे टीम के प्रदर्शन में कोई फर्क ना पड़े। आईपीएल के इस सत्र में अब तक आरसीबी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह प्लेऑफ की दौड़ में शामिल है। टीम अपने पहले खिताब की ओर बढ़ रही है। इसी कारण टीम प्रबंधन के लोग चाहते हैं कि विराट कप्तानी के लिए मान जाएं हालांकि इसकी संभावना कम ही है। विराट ने एक दिन पहले ही टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी ।

देहरादून करेगा अगले महीने राइफल/पिस्टल स्पर्धाओं के नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 की मेजबानी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने घोषणा की है कि ग्रुप ए निशानेबाजों के लिए राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं में नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 का आयोजन 24 से 30 जून, 2025 तक देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के त्रिशूल शूटिंग रेंज में किया जाएगा। ये ट्रायल्स अगस्त में कजाकिस्तान में होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप 2025 और वर्ष के अंत में चीन और मिस्र में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम चयन में अहम भूमिका निभाएंगे।

देश के शीर्ष राइफल और पिस्टल निशानेबाज इन चयन ट्रायल्स में उस आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे, जो उन्होंने अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों की साउथ अमेरिकन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन कर अर्जित किया है। इस दौरे में भारतीय निशानेबाजों ने 32 फाइनल मुकाबलों में जगह बनाई, जिसमें मिश्रित टीम स्पर्धाएं भी शामिल थीं, और कुल 15 पदक जीते जिनमें छह स्वर्ण पदक थे।

चयन मानदंडों के अनुसार केवल ग्रुप ए में शामिल पात्र निशानेबाजों को ही इन ट्रायल्स में भाग लेने की अनुमति होगी। नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 में सभी ओलंपिक राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं को शामिल किया जाएगा और इसमें केवल शीर्ष रैंकिंग वाले सीमित संख्या में निशानेबाज ही भाग लेंगे। इसमें 10 मीटर एयर राइफल (पुरुष एवं महिला) और 10 मीटर एयर पिस्टल (पुरुष एवं महिला) में 50-50 स्लॉट, 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (पुरुष एवं महिला) में 30-30 स्लॉट, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल (पुरुष) में 20 स्लॉट और 25 मीटर स्पोर्ट पिस्टल (महिला) में 30 स्लॉट होंगे।

ट्रायल्स का पहला दिन, 25 जून, ट्रायल-3 के तहत 10 मीटर एयर राइफल पुरुष, 25 मीटर पिस्टल महिला और 50 मीटर थ्री पोजीशन महिला स्पर्धाओं के क्वालिफाइंग राउंड और फाइनल के साथ शुरू होगा। अगले दिन ट्रायल-4 में इन्हीं स्पर्धाओं के क्वालिफाइंग और फाइनल मुकाबले आयोजित किए जाएंगे।

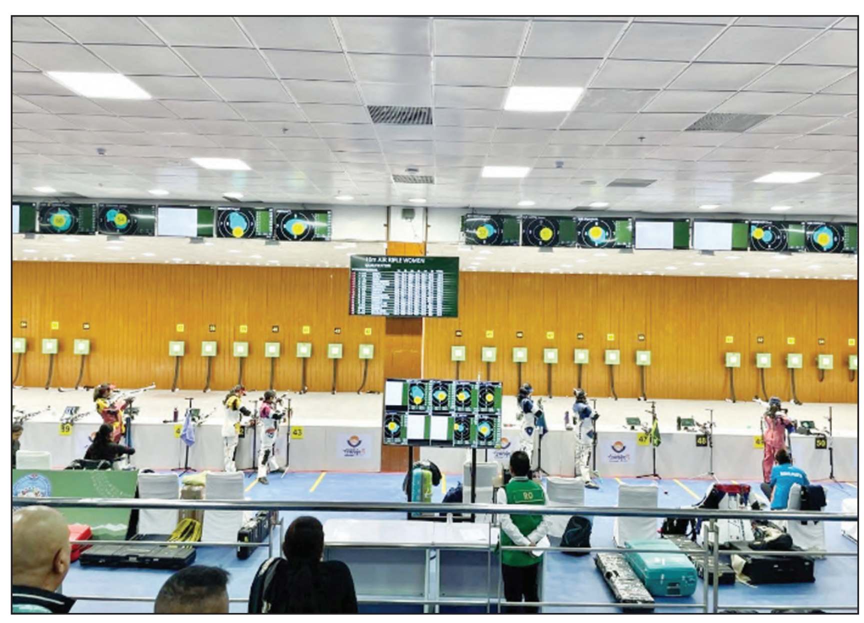

आईपीएल के बचे हुए सत्र में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ेगा

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 मई से शुरु हो रहे लीग मुकाबलों में पंजाब किंग्स को विदेशी खिलाड़ियों के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के कारण उसके जो विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे वे अब वापस नहीं लौटना चाहते हैं। इससे पंजाब के आईपीएल खिताब जीतने की संभावनाओं को झटका लग सकता है। पंजाब की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में काफी अच्छा रहा है और वह अब तक प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे रही है पर अब उसके आगे की राह कठिन होती जा रही है। पंजाब किंग्स की टीम फिलहाल अंक तालिका में 15 नंबर के साथ तीसरे नंबर पर है। उसके अभी तीन लीग मैच खेलने हैं। इनमें से एक मैच जीतने पर भी प्लेऑफ में उसकी जगह पक्की हो जाएगी पर ये इतना आसान नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंजाब किंग्स के चार विदेशी खिलाड़ी मार्कस स्टॉयनिस, मार्को यानसेन, जोश इंग्लिस और एरॉन हार्डी अब तक भारत नहीं लौटे हैं। इसका कारण अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर शुरु होना भी है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन और ऑस्ट्रेलिया के जोश इंग्लिस को अगले महीने होने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए टीम में चुने गए हैं। ऐसे में यह भी संभव है कि अगर ये दोनों खिलाड़ी आईपीएल से वापस जुड़ें और फाइनल से पहले ही इंग्लैंड रवाना हो जाएं, जहां डब्ल्यूटीसी का खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। पंजाब किंग्स को अब राजस्थान, दिल्ली और मुंबई की टीमों से खेलना है. राजस्थान रॉयल्स से उसका मैच 18 को है. इसके बाद 24 मई को पंजाब और दिल्ली कैपिटल्स से होगा।

रोहित के टेस्ट से संन्यास के बाद इंग्लैंड दौरे के लिए कप्तानी को लेकर तेज हुई दौड़

नई दिल्ली , 14 मई (एजेंसियां) ।

टेस्ट क्रिकेट से रोहित शर्मा के पिछले हफ्ते संन्यास लेने के बाद इंग्लैंड में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम के नए कप्तान को लेकर चर्चा तेज़ हो गई है। जहां एक ओर शुभमन गिल का नाम सामने आ रहा है, वहीं पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर. अश्विन ने तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह को कप्तानी के लिए मज़बूत दावेदार बताया है।

अश्विन बोले- बुमराह हैं कप्तानी के हकदार – अपने शो 'ऐश की बात' में अश्विन ने कहा,इंग्लैंड जाने वाली टीम नई और बदली हुई होगी और उस टीम में शायद बुमराह सबसे सीनियर खिलाड़ी होंगे। वो निश्चित रूप से कप्तानी के विकल्पों में शामिल हैं। मैं मानता हूं कि वो इसके हकदार हैं, लेकिन चयनकर्ता उनके शारीरिक भार को देखकर फैसला लेंगे।

बुमराह को पहले भी मिल चुकी है कप्तानी – गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह ने 2022 में एजबेस्टन में खेले गए पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी, जब रोहित शर्मा कोविड के कारण टीम से बाहर थे। उस मैच में भले ही भारत को हार मिली थी, लेकिन बुमराह की कप्तानी की काफी तारीफ हुई थी। इसके अलावा बुमराह ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक टेस्ट मैच में भारत को 295 रन से ज़बरदस्त जीत दिलाई थी।

फिटनेस होगी सबसे बड़ा सवाल – हालांकि बुमराह की चोटों का इतिहास देखते हुए चयनकर्ता उन्हें फुल-टाइम टेस्ट कप्तान बनाने से पहले उनके वर्कलोड और फिटनेस को लेकर सावधानी बरत सकते हैं।

19 जून से लॉर्ड्स में शुरू होगी सीरीज़ – इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज़ के लिए भारतीय टीम का ऐलान इसी महीने के अंत तक होने की उम्मीद है। पहला टेस्ट मुकाबला 19 जून से ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में खेला जाएगा।

एएफसी कप

चीन में जापान और वियतनाम के बीच एएफसी कप फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज महिला टीम घोषित, हेले मैथ्यूज करेंगी कप्तानी

तीन टी20 और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज़ 21 मई से होगी शुरू

नई दिल्ली , 14 मई (एजेंसियां) ।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए 15 सदस्यीय महिला टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 21 मई से 8 जून के बीच खेला जाएगा, जिसमें तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच शामिल हैं। टीम की कमान एक बार फिर स्टार ऑलराउंडर हेले मैथ्यूज के हाथों में होगी, जबकि शेमेन कैंपबेल उपकप्तान की भूमिका निभाएंगी।

दो नए चेहरों को मिला मौका – इस स्क्वाड में पिछले महीने पाकिस्तान में खेले गए वर्ल्ड कप क्वालिफायर की तुलना में दो बदलाव किए गए हैं। 20 वर्षीय गयाना की ऑलराउंडर रियलियाना ग्रिमंड और सेंट किट्स की तेज गेंदबाज़ जहांज़ारा क्लैक्सन को टीम में शामिल किया गया है। ये दोनों खिलाड़ी रशाडा विलियम्स (विकेटकीपर-बल्लेबाज) और चिनेल हेनरी (ऑलराउंडर) की जगह टीम का हिस्सा बनी हैं।

13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी टीम – वेस्टइंडीज महिला टीम 13 मई को इंग्लैंड रवाना होगी। सीरीज़ की शुरुआत 21 मई को पहले टी20 मुकाबले से होगी, जो द स्पिटफायर ग्राउंड, कैंटरबरी में खेला जाएगा।

पूरा कार्यक्रम

टी20 सीरीज़:
पहला टी20 – 21 मई, कैंटरबरी
दूसरा टी20 – 23 मई, होव
तीसरा टी20 – 26 मई, चेल्म्सफोर्ड

वनडे सीरीज़:
पहला वनडे – 30 मई, डर्बी
दूसरा वनडे – 4 जून, लीसेस्टर
तीसरा वनडे – 7 जून, टॉन्टन

वेस्टइंडीज महिला टीम: हेले मैथ्यूज (कप्तान), शेमेन कैंपबेल (उपकप्तान), आलिया एलेन, जहांज़ारा क्लैक्सन, अफी फ्लेचर, चेरी एन फ्रेजर, शबीका गजनबी, जनीलिया ग्लासगो, रियलियाना ग्रिमंड, ाायदा जेम्स, किआना जोसेफ, मैंडी मंगरू, अश्मिनी मुनिसार, करिश्मा रामहरक, स्टेफनी टेलर।

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, कई इंटरनेशनल टूर्नामेंट में बिखेरी चमक

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय चेस खिलाड़ी वर्तमान में दुनिया भर में चल रहे कुछ अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। आइए नजर डालते हैं कुछ प्रमुख टूर्नामेंट में, जिनमें मंगलवार को भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा।

एशियन चेस चैंपियनशिप 2025

भारतीय शतरंज खिलाड़ियों ने एशियन चेस चैंपियनशिप में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। ओपन सेक्शन में पांच पुरुष और वीमेन सेक्शन में चार भारतीय महिला खिलाड़ी टॉप 10 में शामिल हैं। महिला वर्ग में सेषाद्री रिजा ने पांच में से पांच मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया है। ओपन सेक्शन में भारत के एल. श्रीहरि चौथे स्थान पर हैं, जबकि ईरान के बर्दिया दानेशवर शीर्ष पर हैं। भारत के कार्तिकेयन मुरली और निहाल सरीन भी टॉप 10 में शामिल हैं — क्रमशः सातवें और दसवें स्थान पर। यह चैंपियनशिप न केवल एशियन चैंपियन का खिताब तय करती है, बल्कि 2025 फाइडे वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफायर भी है। ग्रांड चेस टूर: सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया 2025

ग्रांड चेस टूर 2025 के दूसरे चरण और क्लासिकल इवेंट 'सुपरबेट चेस क्लासिक रोमानिया' में भारत के डी. गुकेश को राउंड 6 में अलीरेज़ा फिरोज़ा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। छह राउंड के बाद गुकेश केवल 2 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर हैं। वहीं, भारत के दूसरे प्रतिभागी आर. प्रज्ञानानंद ने जान-क्रिज़टोफ़ डूडा से ड्रॉ खेला। उनके अब 6 में से 4.5 अंक हैं और वह अलीरेज़ा फिरोज़ा, फबियानो कारुआना और मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

फाइडे वीमेन ग्रां प्री 2024-2025

फाइडे महिला ग्रां प्री श्रृंखला के ग्रॉसलोबमिंग चरण में अन्ना मुझ्यचुक और झू जिनेर 5-5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। भारत की आर. वैषाली सातवें राउंड में अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक से हारने के बाद चौथे स्थान पर खिसक गई हैं। तान झोंगयी, जो मौजूदा महिला वर्ल्ड चैंपियनशिप की रनर-अप हैं, 4.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। यह ग्रॉसलोबमिंग लेग 2024-2025 महिला ग्रां प्री की अंतिम प्रतियोगिता है और यह अगली वीमेन कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए अहम क्वालिफिकेशन इवेंट है।

आईपीएल में अब केवल खेल हों , डांस और डीजे नहीं : गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि कहा है कि 17 मई से दोबारा शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र के दौरान डांस और डीजे नहीं होना चाहिये केवल मैच खेले जाने चाहिये। गावस्कर ने कहा है कि हाल में हुए पहलगाम आतंकी हमले में कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है जिससे वे शोक में हैं। ऐसी स्थित में आईपीएल मैच में किसी भी प्रकार से मनोरंजन के इंतजाम नहीं होने चाहिये। गावस्कर ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के दौरान भी सीमावर्ती इलाकों में कुछ लोगों की जाने गयीं हैं। ऐसे में उनके प्रति सम्मान जताते हुए हमें आईपीएल को खेल तक ही सीमित रखना चाहिये। उन्होंने कहा मैच में लोगों को आने दें पर संगीत न बजाएं, ओवरों के बीच में डीजे न चिल्लाएं, ऐसा कुछ भी न हो। बस खेल हो, कोई डांसर न हो, कुछ भी न हो केवल क्रिकेट हो। यह पीड़ित परिवारों की भावनाओं का सम्मान करने का एक तरीका होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल का मौजूदा सत्र 17 मई से छह स्थानों पर फिर से शुरू करने का फैसला किया, जिसमें संशोधित कार्यक्रम के अनुसार फाइनल तीन जून को होगा।

बीपीओ इंडस्ट्री में अब इंसानों के बजाय एजेंटिक एआई कर रहा काम

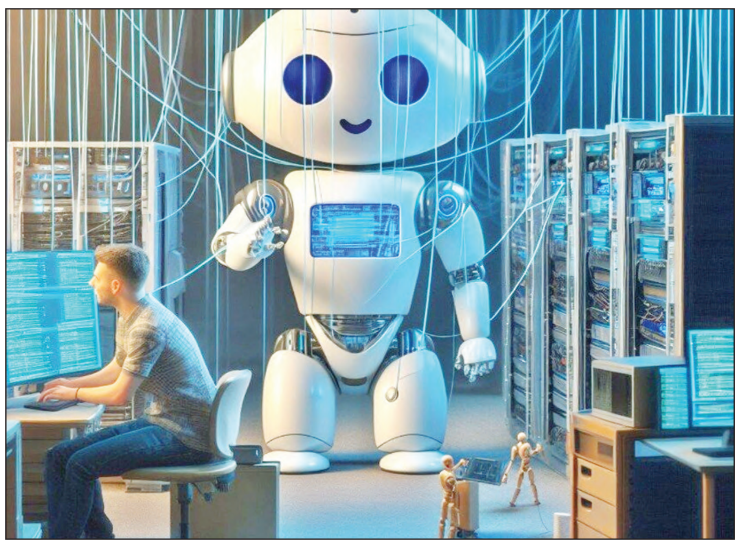

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

54 बिलियन डॉलर की बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) इंडस्ट्री, जो पहले कामकाज और मानव संसाधन के कारण मशहूर थी, अब बड़े बदलाव से गुजर रही है। यह बदलाव अब इंसानों के बजाय कंप्यूटर से हो रहा है, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की वजह सेहैं।

भारत की बीपीओ इंडस्ट्री में हजारों कंपनियां और 20 लाख हैं कर्मचारी

एआई और एक नया प्रकार का एआई, जिसे एजेंटिक एआई कहते हैं, तेजी से बीपीओ इंडस्ट्री में बदलाव ला रहा है। यह एआई अब बिना इंसान की मदद से काम करता है और फैसले भी ले सकता है। इस बदलाव से न केवल सेवाओं का तरीका बदल रहा है, बल्कि कौन सी सेवाएं जरूरी यह भी पता कर रहा है।

यह बदलाव इंसानों को रिप्लेस करने का नहीं है, बल्कि इंसानों के काम करने की क्षमता को और बेहतर बनाने का है। गेनपेक्ट टेक्नोलॉजी और इनोवेशन चीफ ने कहा कि हम अब सामान्य एआई से बढ़कर ऐसे एआई बना रहे हैं, जो किसी खास सेक्टर के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हम अब ऐसे एआई एजेंट्स को व्यापार में शामिल कर रहे हैं, जो सीख सकते हैं और बेहतर काम कर सकते हैं।

बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ) इंडस्ट्री को अक्सर कंपनियों के खर्च घटाने की रणनीति के रूप में देखा जाता है। कई बड़ी कंपनियां भारत से सस्ते और अच्छे कर्मचारियों की मदद लेकर कई तरह की सेवाएं देती रही हैं। इनमें कस्टमर सपोर्ट से लेकर अकाउंट, डेटा एनालिसिस से लेकर लोन प्रोसेसिंग तक शामिल हैं।

भारत की बीपीओ इंडस्ट्री जिसमें हजार से ज़्यादा कंपनियां काम कर रही हैं और जहां करीब 20 लाख लोगों को रोज़गार मिला हुआ है, अब तेजी से बदल रही है। पहले इस इंडस्ट्री सस्ते और अच्छे काम करने वाले लोगों से जानी जाती थी, लेकिन अब काम का तरीका बदल रहा है। अब बहुत सारे काम इंसान नहीं, बल्कि एआई से चलने वाले सॉफ्टवेयर कर रहे हैं। बिल मिलाना, नए ग्राहक को जोड़ना जैसे काम इंसान करते थे, अब ये काम स्मार्ट कंप्यूटर बोट्स कर रहा है। वह भी बिना किसी इंसानी मदद के। अब इस इंडस्ट्री में तीन चीज़ें साथ चल रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

चौथी तिमाही के नतीजों के बाद टाटा मोटर्स के शेयरों में आई गिरावट

मुंबई, 14 मई। टाटा मोटर्स के शेयर की कीमत में बुधवार को सुबह के कारोबार में 3 फीसदी की गिरावट आई, जो मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद चौथी तिमाही के नतीजों के बाद आई. टाटा मोटर्स ने लाभांश की भी घोषणा की है.

जगुआर लैंड रोवर के कमर्शियल व्हीकल निर्माता टाटा मोटर्स ने मंगलवार 13 मई को जनवरी-मार्च 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही) के दौरान अपने समेकित शुद्ध लाभ में 51.34 फीसदी की साल-दर-साल गिरावट दर्ज की, जो 8,470 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने पिछले वर्ष इसी अवधि में 17,407 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था. कंपनी की वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही बिक्री 1,19,502 करोड़ रुपये रही, जो साल-दर-साल 0.4 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी दिखाता है.टाटा मोटर्स, ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की आय साल-दर-साल 4.1 फीसदी गिरकर 16,700 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एबिटा मार्जिन 60 आधार अंक घटकर 14 फीसदी हो गया।

वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान, हालांकि टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 25 के लिए 4,39,695 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व दर्ज किया, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 1.3 फीसदी अधिक था, लेकिन इसका लाभ 11.4 फीसदी गिरकर 27,830 करोड़ रुपये हो गया।

महंगाई में गिरावट का दावा करते हुए ट्रंप ने फेड से ब्याज दरों में की कटौती की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फेडरल रिजर्व (फेड) से ब्याज दरों में कटौती की मांग की है। उन्होंने कहा कि गैस, ऊर्जा, किराना और लगभग हर चीज की कीमतों में गिरावट आई है, इसलिए अब फेड को दरें घटानी चाहिए। ट्रंप ने मंगलवार देर रात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, अब कोई महंगाई नहीं है और गैसोलीन, ऊर्जा, किराना और लगभग हर चीज के दाम कम हो गए हैं! फेड को अब दरें कम करनी चाहिए, जैसा कि यूरोप और चीन ने किया है। उन्होंने फेड चेयर जेरोम पॉवेल को एक बार फिर निशाने पर लेते हुए कहा, टू लेट पॉवेल को क्या हो गया है यह अमेरिका के साथ अन्याय है, जो अब पूरी तरह से खिलने के लिए तैयार है। इसे होने दो, यह एक खूबसूरत चीज़ होगी! ट्रंप पहले भी कई बार फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की आलोचना कर चुके हैं। उनका मानना है कि ब्याज दरों में कमी से अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया के कई बड़े देश पहले ही दरें घटा चुके हैं। हालांकि फेडरल रिजर्व ने अब तक संकेत नहीं दिए हैं कि वह निकट भविष्य में दरों में कटौती करेगा। महंगाई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से फेड ने पहले ही कई बार दरें बढ़ाई थीं।

गेल इंडिया लिमिटेड के तिमाही नतीजे किए जारी, 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ

मुंबई। गेल इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को मार्च 2025 को खत्म हुई तिमाही के नतीजे जारी किए। इस तिमाही में कंपनी को 2,491.76 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ हुआ। यह बीते साल की इसी तिमाही में हुए 2,468.71 करोड़ के मुनाफे के करीब बराबर है। हालांकि, दिसंबर 2024 वाली पिछली तिमाही की तुलना में मुनाफा में भारी गिरावट आई है। तब कंपनी का मुनाफा 4,081.56 करोड़ था, यानी इस बार मुनाफा करीब 39 प्रतिशत कम हुआ है। कंपनी की कुल ऑपरेशनल आय यानी रेवेन्यू 36,551.15 करोड़ रही, जो एक साल पहले की 32,833.24 करोड़ से 11.3 प्रतिशत ज़्यादा है। लेकिन पिछली तिमाही के 36,937.05 करोड़ से थोड़ा कम है। गेल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1 रुपये प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी ने बताया कि यह 6.50 के इंटरिम डिविडेंड के अतिरिक्त है, जो पहले ही इस साल के दौरान दिया जा चुका है।

सेबी ने सतराता से वापस लिया एमएम रिट का दर्जा, निवेशकों को किया सावधान

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।

भारतीय बाज़ार नियामक सेबी ने मंगलवार को निवेशकों को सतराता नाम की रियल एस्टेट कंपनी को लेकर चेताया है। सतराता एक कॉमर्शियल रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म है जिसे सुदर्शन लोढ़ा और प्रियंका राठौर ने शुरू किया था। कंपनी ने सेबी के नए नियमों के तहत स्मॉल एंड मिडियम रिट के तौर पर रजिस्ट्रेशन लिया था, लेकिन अब उसने खुद ही यह रजिस्ट्रेशन सरेंडर कर दिया है। सेबी ने कहा कि सतराता एसएम रिट कोई सेबी-रेगुलेटेड संस्था नहीं है और यह खुद को एसएम रिट या रेगुलेटेड इंटरमीडियरी के तौर पर पेश नहीं कर सकती। सतराता ने जनवरी 2025 में एसएम रिट के रूप में मंजूरी पाई थी और वित्त वर्ष 2025-26 में 6 स्कीम लॉन्च करने की योजना बनाई थी, लेकिन एक भी स्कीम शुरू नहीं हो सकी। सेबी ने बताया कि सतराता के प्रमोटर्स पर कानूनी कार्यवाही चल रही है। इस मामले में सेबी ने कंपनी के साथ-साथ उसके स्वतंत्र निदेशकों, कंप्लायंस अफसर और ट्रस्टी से चर्चा की। इसके बाद सतराता ने अपना रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट वापस कर दिया। सतराता के पास दो हजार करोड़ से ज्यादा की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट हैं। एसएम रिट के तहत निवेश की न्यूनतम सीमा 10 लाख होती है। एसएम रिट नियम 2024 में लागू किए गए थे ताकि फ्रैक्शनल ओनरशिप प्लेटफॉर्म्स को रेगुलेट किया जा सके, रिस्क को कम किया जाए और निवेशकों की सुरक्षा तय की जा सके।

एसएम रिट के नियमों के तहत अब 50 करोड़ या उससे ज्यादा की रेसिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज को इसमें शामिल किया जा सकता है। पहले सिर्फ बड़ी कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज को रिट में लाया जा सकता था और मिनिमम इनवेस्टमेंट भी काफी ज्यादा था। नए नियमों में अब स्पॉन्सर्स को खुद भी निवेश करना होगा और ऋण पर भी लिमिट तय की गई है।

ब्रोकरेज फर्म ने ब्रिटानिया के शेयर पर 'बॉय' रेटिंग दे रखी

मुंबई। ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने ब्रिटानिया के शेयर पर 'बॉय' रेटिंग दे रखी है। रिपोर्ट में शेयर का नया टारगेट 6,770 रुपये तय किया गया है, जो मौजूदा कीमत 5,454 से 24 प्रतिशत ऊपर है। वित्तीय साल 26 को लेकर कंपनी का आउटलुक काफी सकारात्मक है। ब्रिटानिया की चौथी तिमाही 25 में बिक्री 9 प्रतिशत बढ़ी, जो कि पिछली सात तिमाहियों में सबसे तेज ग्रोथ है। वॉल्यूम में भी 3 प्रतिशत की बढ़त हुई। ईबीआईटीडीए मार्जिन 18.2 प्रतिशत रहा, जो विश्लेषकों की उम्मीद से बेहतर था। ब्रिटानिया अब सिर्फ बिस्किट नहीं, बल्कि कई दूसरे प्रोडक्ट्स जैसे केक, ब्रेड, डेयरी, रस्क, मिल्कशेक, वाफर्स और क्रॉइसांट पर भी फोकस कर रही है। ये सभी कैटेगरी अब 100 करोड़ या उससे ज्यादा की सेल्स वाली बन चुकी हैं, जिससे कंपनी का प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मजबूत हो गया है। कंपनी ने वित्तीय साल 26 के लिए 5 प्रतिशत कीमत बढ़ाने का फैसला किया है और लागत में 2.6 प्रतिशत बचत का लक्ष्य रखा है। इससे मुनाफा और बेहतर हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी अब बड़े पैक और प्रीमियम बिस्किट रेंज पर भी जोर दे रही है। अगले 2-3 महीनों में कुछ नए प्रीमियम बिस्किट बाज़ार में लांच हो सकते हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि गेहूं के दाम में गिरावट की उम्मीद नहीं है क्योंकि उत्पादन और सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दोनों बढ़े हैं। गेहूं कंपनी के कुल कच्चे माल में करीब 30 प्रतिशत हिस्सा रखता है। कंपनी का कहना है कि आने वाले समय में और दाम नहीं बढ़ाए जाएंगे, लेकिन पिछले दाम बढ़ोतरी का असर पहली तिमाही 26 में भी दिखेगा। छोटे प्रतिस्पर्धियों से अभी दाम घटाने की कोई उम्मीद नहीं है।

टोयोटा के चेयरमैन का दावा, इलेक्ट्रिक से ज्यादा बेहतर हैं हाइब्रिड वाहन

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक वाहनों को हमेशा पर्यावरण के अनुकूल समाधान के रूप में देखा जाता है, लेकिन ऑटोमोबाइल कंपनी टोयोटा के चेयरमैन अकीओ टोयोडा का मानना है कि हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। उन्होंने इलेक्ट्रिक गाड़ियों की क्लीन छवि पर सवाल खड़े किए हैं। टोयोडा के अनुसार, सिर्फ टेलपाइप से उत्सर्जन न होना इन्हें पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल नहीं बनाता, क्योंकि इन वाहनों के निर्माण और संचालन से जुड़ी छिपी हुई प्रदूषण लागत को अक्सर नजरअंदाज कर देते है।

टोयोडा का मनाना हैं कि ईवी की बैटरियों में इस्तेमाल होने वाली धातुओं जैसे लिथियम, कोबाल्ट और निकल के खनन और परिवहन से भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन होता है। इसके अलावा, अगर इन वाहनों को चार्ज करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली बिजली थर्मल स्रोतों से आती है, तब कुल मिलाकर इनका कार्बन फुटप्रिंट उतना कम नहीं होता जितना प्रचारित किया जाता है। जापान का उदाहरण देकर टोयोडा ने बताया कि वहां ईवी कारों बढ़ने से कुल उत्सर्जन बढ़ सकता है, क्योंकि बिजली अब भी थर्मल पावर से आती है।

ईवी गाड़ियों की क्लीन छवि पर सवाल खड़े किए

इस संदर्भ में टोयोटा के हाइब्रिड वाहनों को एक व्यावहारिक समाधान के रूप में पेश किया गया है। हाइब्रिड गाड़ियां पेट्रोल और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से चलती हैं और यह खुद-ब-खुद चार्ज होती हैं, जिससे 40 प्रतिशत तक ईंधन की बचत होती है। अब तक दुनिया भर में कंपनी ने 2.7 करोड़ हाइब्रिड गाड़ियां बेची हैं और उनका दावा है कि इससे 90 लाख इलेक्ट्रिक कारों के बराबर कार्बन उत्सर्जन में कमी आई है वहां भी बिना बड़े पैमाने पर चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर या बैटरी निर्माण के। टोयोडा का दृष्टिकोण है कि कार्बन न्यूट्रैलिटी की दिशा में एक से अधिक तकनीकों की जरूरत है। हाइब्रिड, प्लग-इन हाइब्रिड, हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहन सभी मिलकर ही इस लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं।

भारत जैसे देशों के लिए टोयोटा की सोच विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सीमित है और बिजली उत्पादन अब भी कोयले पर निर्भर है। टोयोटा इंडिया ने भारत में अब तक कोई फुल इलेक्ट्रिक वाहन लांच नहीं किया है, बल्कि अर्बन क्रूजर हायराइडर और इनोवा हाईक्रॉस जैसी मजबूत हाइब्रिड गाड़ियां उतारी हैं, जो चार्जिंग की जरूरत के बिना ही बेहतर माइलेज देती हैं।

वन प्लस 13टी ने बैटरी टेस्ट में प्रीमियम फोन्स को पछाड़ा

वन प्लस 13टी ने हाल ही में एक बैटरी टेस्ट में प्रीमियम स्मार्टफोन्स को पीछे छोड़ दिया है। यूट्यूबर टेक ड्रॉइडर ने शाओमी 15 प्रो, सैमसंग गैलेक्सी एस25 अल्ट्रा, आईफोन 16 प्रो मैक्स, पिक्सल 9 प्रो एक्सएल के साथ वनप्लस 13टी की बैटरी परफॉर्मेंस का परीक्षण किया। इस टेस्ट में 6260एमएएच की बैटरी वाले वन प्लस 13टी ने अन्य सभी डिवाइसेज को पीछे छोड़ते हुए सबसे बेहतर बैटरी लाइफ दी। टेस्ट में गूगल पिक्सल 9 प्रो एक्सएल सबसे पहले बंद हुआ, क्योंकि इसकी बैटरी बहुत जल्दी खत्म हो गई और यह सबसे अधिक तापमान भी दिखा।

माइक्रोसॉफ्ट में छंटनी, 6000 कर्मचारी होंगे प्रभावित, नौकरी का संकट

वाशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)।

टेक दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को छंटनी शुरू की है। इससे लगभग 6,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे। यह कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग तीन फीसद है। माइक्रोसॉफ्ट की यह दो साल से अधिक समय बाद सबसे बड़ी छंटनी है। इस समय कंपनी का सबसे अधिक फोकस कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर है।

इसका सबसे बड़ा झटका कंपनी के गृह राज्य वाशिंगटन पर पड़ा है। माइक्रोसॉफ्ट ने राज्य को सूचित किया कि रेडमंड मुख्यालय से संबद्ध 1,985 कर्मचारियों की छंटनी की जा रही है। इनमें से कई सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और उत्पाद प्रबंधन भूमिका में हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने कहा कि छंटनी सभी स्तरों और भौगोलिक क्षेत्रों में होगी। कर्मचारियों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

खबर के अनुसार, टेक दिग्गज के इस फैसले से लगभग 6,000 कर्मचारी सर्वाधिक प्रभावित होंगे। प्रवक्ता ने बयान में कहा कि यह गतिशील बाजार में सफलता के लिए कंपनी को सर्वश्रेष्ठ स्थिति में लाने के लिए जरूरी है। बयान में उम्मीद जताई गई है कि तिमाही शुद्ध आय 25.8 बिलियन डॉलर होगी। पिछले साल जून के अंत में माइक्रोसॉफ्ट के दुनिया भर में 228,000 कर्मचारी थे।

कुल मिलाकर यह 2023 में 10,000 पदों को समाप्त करने के बाद से कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी है। जनवरी में कंपनी ने कर्मचारी के प्रदर्शन के आधार पर छंटनी की शुरुआत की थी। प्रवक्ता ने साफ किया है ताजा छंटनी का प्रदर्शन से कोई लेना देना नहीं है। इसका बड़ा उद्देश्य प्रबंधन को आर्थिक दबाव से मुक्त रखना है। जनवरी में सीईओ सत्य नडेला ने विश्लेषकों से कहा था कि अब कंपनी का फोकस एआई क्लाउड पर होगा।

सोमवार को माइक्रोसॉफ्ट के शेयर 449.26 डॉलर पर कारोबार कर रहे थे, जो इस साल अब तक का सबसे उच्चतम मूल्य है। पिछले साल जुलाई में रिकॉर्ड 467.56 डॉलर पर बंद हुए थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

तुर्कीये के फलों का...

गाजियाबाद के साहिबाबाद फल मंडी के व्यापारियों ने भी तुर्की से सेब और अन्य फलों के आयात का बहिष्कार करने का फैसला किया है।

एशिया के सबसे बड़े मार्बल व्यापार केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले उदयपुर के व्यापारियों ने तुर्की से मार्बल का आयात बंद करने का फैसला किया है। इसका कारण है- तुर्की का पाकिस्तान को समर्थन देना। उदयपुर मार्बल प्रोसेसर्स कमेटी के अध्यक्ष कपिल सुराना ने बताया कि कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि जब तक तुर्की पाकिस्तान का समर्थन करता रहेगा, तब तक उससे व्यापार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत में आयात होने वाले कुल मार्बल का करीब 70% हिस्सा तुर्की से आता है, लेकिन अब यह आयात बंद किया जा रहा है।भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के इस दौर में तुर्की के रुख ने भारतीय व्यापारियों को नाराज किया है। तुर्की अक्सर पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है। ऐसे में उदयपुर के मार्बल व्यापारियों द्वारा उठाया गया यह कदम सिर्फ एक आर्थिक फैसला नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संदेश है कि भारत अब हर स्तर पर अपने विरोधियों को जवाब देने को तैयार है।

ग्लोबल टाइम्स और...

इस तरह की खबरें शेयर बाजार में कंपनी के शेयर बढ़ाने के लिए चलाई गई थीं। इसका सीधा फायदा चीनी एयरक्राफ्ट निर्माता कंपनी एवीआईसी चेंगदू एयरक्राफ्ट को मिला, जिसके शेयर दो दिन में 36% तक बढ़ गए। तुर्की की मीडिया ने भारत को मुस्लिम विरोधी देश के रूप में दिखाने की कोशिश की और मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे संगठनों को डिजिटल प्रचार के ज़रिए उभारा। वहीं, चीनी मीडिया भारत में दो मोर्चों पर युद्ध होने की झूठी भविष्यवाणी करके लोगों को डराने की कोशिश कर रहा था। इन सभी झूठे प्रचारों को देखते हुए भारत सरकार ने पहली बार इतने सख्त कदम उठाए और चीन के दोनों सरकारी मीडिया संस्थानों ग्लोबल टाइम्स और शिन्हुआ न्यूज के सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कर दिया है।

नाम बदलने से...

उन्होंने कहा, हम इस तरह के प्रयासों को अपने सैद्धांतिक रुख के अनुरूप स्पष्ट रूप से अस्वीकार करते हैं। जायसवाल ने इस मुद्दे पर मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, रचनात्मक नाम रखने से यह निर्विवाद वास्तविकता नहीं बदलेगी कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।पिछले साल अप्रैल में भी, जब बीजिंग ने अरुणाचल प्रदेश में 30 स्थानों के स्टैंडेराइज्ड नामों की लिस्ट जारी की थी, तब भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। चीनी नागरिक मामलों के मंत्रालय ने 2017 में जांगनान में 6 स्थानों के नामों की पहली सूची जारी की, जबकि 2021 में 15 स्थानों की दूसरी सूची जारी की गई और उसके बाद 2023 में 11 स्थानों के नामों की एक और सूची जारी की गई।

न्यायमूर्ति गवई ...

के अतिरिक्त न्यायाधीश और 12 नवंबर, 2005 को स्थायी न्यायाधीश बने। न्यायमूर्ति गवई ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में मुख्य पीठ के साथ-साथ नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में सभी प्रकार के कार्यभार वाली पीठों की अध्यक्षता की है।वह शीर्ष अदालत में कई मामलों में संवैधानिक पीठ का हिस्सा रहे हैं, जिनमें नोटबंदी, अनुच्छेद 370, चुनावी बॉन्ड योजना और अनुसूचित जाति एवं जनजाति श्रेणियों के भीतर उप वर्गीकरण के मामले शामिल थे। उन्होंने अनुसूचित जाति / जनजाति के बीच क्रीमी लेयर शुरू करने की पुरजोर वकालत की थी।

बलूचिस्तान ने किया...

ढाका में उसके 93000 सैन्यकर्मियों को आत्मसमर्पण के एक और अपमान से बचाया जा सके। भारत पाकिस्तानी सेना को हराने में सक्षम है और अगर पाकिस्तान ने कोई ध्यान नहीं दिया तो केवल पाकिस्तानी लालची सेना के जनरलों को ही रक्तपात के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान पीओके के लोगों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रहा है।मीर यार बलूच ने कहा कि दुनिया को पाकिस्तान के एकतरफा बयान पर भरोसा नहीं करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान के नेता के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर और 27 मार्च 1948 को बलूचिस्तान के पाकिस्तान में शामिल होने के समारोह में अंतरराष्ट्रीय या तीसरे देश की भागीदारी को साबित करने वाला एक भी कागज और कानूनी दस्तावेज पेश नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि एक बार जब हमें संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता और स्वतंत्रता मिल जाएगी तो हम अपने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए मैत्रीपूर्ण और दीर्घकालिक संबंध बनाएंगे, शांति बनाए रखेंगे और वैश्विक आर्थिक मंदी को रोकने, जलवायु परिवर्तन और गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने में मदद करेंगे।

विजय शाह पर...

लेकिन कांग्रेस ने इस विवाद को पकड़ते हुए सीधे-सीधे विजय शाह का इस्तीफा मांग लिया है। कांग्रेस की मध्यप्रदेश यूनिट के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने 'एक्स' पर विजय शाह के वीडियो को शेयर करते हुए सवाल किया कि भाजपा तुरंत यह बताए कि क्या विजय शाह की 'घटिया सोच' से वह सहमत है? उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से विजय शाह की टिप्पणी पर जवाब और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनका इस्तीफा मांगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor, APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19), Near Bus Stand, Ranigunj, Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

मिस वर्ल्ड 2025 की प्रतिभागियों ने वारंगल में ऐतिहासिक स्थलों की विरासत यात्रा की

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत में अपने सांस्कृतिक विसर्जन के हिस्से के रूप में, 22 अमेरिकी देशों की मिस वर्ल्ड 2025 की प्रतिभागियों ने तेलंगाना के ऐतिहासिक स्थलों की विरासत यात्रा की, जिसमें क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं और वास्तुकला के चमत्कारों को प्रदर्शित किया गया।प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को हज़ार स्तंभों वाले मंदिर, वारंगल किला, रामप्पा मंदिर और रामप्पा झील सहित प्रतिष्ठित स्थानों का दौरा किया। पारंपरिक तेलुगु साड़ियों और तिलक पहने, प्रतिभागियों ने स्थानीय रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो तेलंगाना की विरासत के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाता है।मुलुगु जिले में स्थित रामप्पा मंदिर में, प्रतिभागियों का जिला कलेक्टर टी एस दिवाकर, एसपी शबरीशा और पर्यटन अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया, साथ ही जीवंत कोया आदिवासी सींग नृत्य, गुसाडी और ओग्गू

डोलू प्रदर्शन भी हुए।वे मंदिर की जटिल शिल्पकला, प्राचीन वास्तुकला और सालभंजिका मूर्तियों जैसी अनूठी मूर्तियों से मंत्रमुग्ध हो गए, जिन्हें स्थानीय गाइड और अधिकारियों ने समझाया। प्रतिभागियों ने गर्भगृह में प्रवेश करने से पहले अपने पैर धोए और देवता की विशेष पूजा की। इस कार्यक्रम में पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री डी अनसूया सीताक्का भी शामिल हुईं, जिन्होंने प्रतिभागियों से बातचीत की और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से अनुष्ठानों को देखा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संगीत सिम्फनी ने मंदिर की यात्रा को भव्यता प्रदान की। वारंगल के हजार स्तंभ मंदिर में, प्रतिभागियों ने राजसी नंदीश्वर मूर्ति के साथ सेल्फी ली, परंपरा के अनुसार उसके कान में अपनी इच्छाएँ फुसफुसाईं और मंदिर की स्थापत्य कला पर विस्मय व्यक्त किया। पर्यटन गाइडों ने काकतीय राजवंश, गोलुसुकट्टू टैंक जैसे इंजीनियरिंग नवाचारों और उनकी स्थायी विरासत के बारे में विस्तार से बताया। आगंतुकों ने हरिता काकतीय में स्थानीय महिलाओं के साथ बथुकम्मा नृत्य समारोह में भी भाग लिया और रामप्पा झील में पारंपरिक फोटोशूट के लिए पोज दिए। तेलंगाना की सांस्कृतिक समृद्धि से प्रभावित होकर, प्रतिभागियों ने तेलंगाना ज़रूर नारे को सही मायने में उपयुक्त बताया। कई प्रतिभागियों ने राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन द्वारा गर्मजोशी से किए गए आतिथ्य और सावधानीपूर्वक व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा, ग्रामीण तेलंगाना सुंदर और स्वागत करने वाला है। हेरिटेज टूर ने न केवल तेलंगाना के आध्यात्मिक और ऐतिहासिक गौरव को उजागर किया, बल्कि वैश्विक दर्शकों को इसकी जीवंत परंपराओं और वास्तुशिल्प चमत्कारों की एक झलक भी दी।

तेलंगाना ब्लॉगर्स कम्युनिटी द्वारा साउथ इंडियन आईकोन अवार्ड कार्यक्रम टी-हब में आयोजित किया गया। जिसमें प्रसिद्ध समाज सेवी पूजा गुप्ता को साउथ इंडियन अवार्ड सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खलील-उर-रहमान, रौनक यार खान, फरहान सिंह आदि उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत बुधवार को टेस्टी फुड, सिकंदराबाद द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर - -सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल,रामप्रकाश अग्रवाल,जगत नारायण अग्रवाल,महेश अग्रवाल,अशोक गुप्ता एस.जे,महेश गुप्ता,सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,बिमल किशोर सांघी,नमन सांघी, ई-जगन (चंपा पेट), भगतराम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, प्रीतिका अग्रवाल, उमाकान्तजी गुप्ता, -उर्मिला अग्रवाल,संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल,अरविन्द गुप्ता, उमा रानी,आनंद गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल,राजेश योगा सरजी,विशाल जी अग्रवाल,शिवानी अग्रवाल,नव्या अग्रवाल,जस्टी अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

वीर सैनिकों के सम्मान में जगमगाए देश भर के रेलवे स्टेशन

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावन-

ाओं से भर दिया।

इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया।

इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया।

भारतीय रेल की इस पहल ने ना केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

एमआईएम विधायक ने शराब की दुकान बंद करने को लेकर आसिफनगर में दिया धरना

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बुधवार शाम को आसिफनगर में उस समय तनाव पैदा हो गया जब नामपल्ली से एआईएमआईएम विधायक मोहम्मद माजिद हुसैन ने एक शराब की दुकान के सामने धरना दिया और उसे तत्काल बंद करने की मांग की।

यह विरोध प्रदर्शन तीन दिन पहले श्रीचंद्रा वाइन्स में एक दिहाड़ी मजदूर की संदिग्ध मौत के बाद शुरू हुआ, जिसके कारण क्षेत्र में अशांति बढ़ गई है।

स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर माजिद हुसैन शराब दुकान पर पहुंचे और विरोध में कुर्सी पर बैठ गए, उन्होंने शराब की दुकान के नकारात्मक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह दुकान कई सामाजिक मुद्दे पैदा कर रही है और इसे हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए।पुलिस को मुश्किल स्थिति का सामना करना पड़ा जब धरने में लोगों की संख्या बढना शुरू हो गई और कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा होने की संभावना बढ़ गई। विधायक को शांत करने के काफी प्रयासों के बाद पुलिस ने शराब की दुकान को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इसके बाद विधायक वहां से चले गए लेकिन उन्होंने अधिकारियों से दुकान को फिर से न खोलने की सख्त अपील की।माजिद हुसैन ने दो-हराया कि शराब की दुकान की मौजूदगी स्थानीय समुदाय के लिए बहुत बड़ी परेशानी का कारण बन रही है और निवासियों की सुरक्षा और भलाई के लिए इसे अनिश्चित काल के लिए बंद करने की मांग की। जब तक कोई समाधान नहीं निकलता, यह मुद्दा आने वाले दिनों में विवाद का विषय बना रहेगा।

बालापुर में पति ने महिला की बेरहमी से हत्या कर दी

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बालापुर इलाके में स्थित कोठापेट के न्यू ग्रीन सिटी में 30 वर्षीय नाजिया बेगम की उसके पति जाकिर अहमद ने बेरहमी से हत्या कर दी। दंपति हाल ही में अपने तीन बच्चों के साथ इस इलाके में रहने आए थे।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, जाकिर को नाजिया पर विवाहेतर संबंध होने का संदेह था। हिंसा की एक चौंकाने वाली घटना में, उसने उसे रस्सी से बांधा, कांच के टुकड़ों से उस पर हमला किया और फिर देर रात उसका गला घोंटकर हत्या कर दी।.

यह जघन्य अपराध तब प्रकाश में आया जब नाजिया की मां रुबीना ने अगली सुबह पुलिस से संपर्क किया। जब तक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे, ज़ाकिर पहले ही भाग चुका था।

बालापुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारी आगे की जानकारी जुटाने के लिए परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान भी दर्ज कर रहे हैं।

इस घटना से स्थानीय समुदाय में खलबली मच गई है तथा घरेलू हिंसा और दुर्व्यवहारपूर्ण रिश्तों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

गोलकोंडा भाजपा जिला मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाजपा गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. ऊमा महेंद्र ने मंडल भाजपा अध्यक्षों की नियुक्तियां की। जिसमें जी. बालाजी को नानल नगर मंडल का अध्यक्ष, बोम्मला श्रीकांत को टोलीचौकी मंडल का अध्यक्ष, नितेश अग्रवाल को घाँसी बाज़ार मंडल का अध्यक्ष एवं के. प्रकाश को पुरानापूल मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। गोलकोंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र द्वारा आधिकारिक रूप से जारी किए गए।

चादरघाट स्थित शिरडी साई बाबा मंदिर में भावसार विजन इंडिया, हैदराबाद क्षेत्र-104 की ओर से अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशांत नीमकर, शीतल नीमकर, शंकर आसुतकर, घनश्याम पतंगे, अश्विनी पतंगे, वंदना आसुतकर, अनीता पारेकर आदि ने सेवा दी।

नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों ने शपथ ली

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में पारदर्शिता और जवाबदेही तंत्र के लिए एक महत्व-पूर्ण घटनाक्रम में, चार नवनियुक्त राज्य सूचना आयुक्तों को बुधवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक औपचारिक समारोह के दौरान शपथ दिलाई गई।मुख्य सूचना आयुक्त (सीआईसी) जी. चंद्रशेखर रेड्डी ने नियुक्त किए गए लोगों को पद की शपथ दिलाई: मोहसिना परवीन, बोरड्डी अयोध्या रेड्डी , पीवी श्रीनिवास राव और देशला भूपाल । इस समारोह में तेलंगाना राज्य सूचना आयोग में आयुक्तों को आधिकारिक रूप से शामिल किया गया।शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी भी उपस्थित थे, जिन्होंने राज्य में सूचना के अधिकार (आरटीआई) ढांचे को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।इस कार्यक्रम में मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव , डीजीपी जितेंद्र, सांसद मल्लू रवि , एमएलसी अद्दांकी दयाकर और भाजपा विधायक राकेश रेड्डी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे ।नए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से लंबित आरटीआई मामलों के निपटान में मदद मिलने और नागरिकों की सार्वजनिक सूचना तक पहुँच बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। उनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा पारदर्शिता और उत्त-रदायी शासन सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद द्वारा मातृ दिवस पर तेलंगाना राज्य स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का सफल आयोजन

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने रविवार, 11 मई, 2025 को मातृ दिवस (चौंहशीं'ी ऊ्र) के उपलक्ष्य में तेलंगाना राज्य स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का आयोजन किया।राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार यह विशेष कार्यक्रम युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या डॉ. साध्वी श्री गवेषणा श्री जी के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ, जिनकी प्रेरणादायक उपस्थिति ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।इस कार्यशाला की अध्यक्षता युवा दिवस के राष्ट्रीय संयोजक और तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद के अध्यक्ष श्री अभिनंदन नाहटा ने की। श्री सौरभ भंडारी ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए उन्हें कार्यशाला में प्रक्षिशण हेतु निवेदन किया। इसके पश्चात, कार्यशाला का मुख्य आकर्षण रहा मातृ दिवस

के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष सत्र, जिसका विषय था साथ-साथ बढ़ते: युवाओं और माताओं को सशक्त बनाना। इस सत्र की मुख्य वक्ता प्रसिद्ध लाइफ कोच श्रीमती विशाली श्रीपदा थीं, जिन्होंने अपने निजी अनुभवों और प्रेरणादायक विचारों से श्रोताओं को लाभान्वित किया। कार्यक्रम के दौरान अनेक श्रोताओ ने अपनी अपनी जिज्ञासाएं रखी। श्रीमती विशाली और साध्वी श्री मयंक प्रभा जी ने समस्त जिज्ञासाओं का समाधान दिया।

साध्वी श्री डॉ गवेषणा जी ने व्यक्ति के जीवन में माँ के महत्व को समझाते हुए युवाओं को आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दी।

परिषद् अध्यक्ष अभिनन्दन नाहटा ने मातृ दिवस पर सभी युवाओं के मन की बात रखते हुए कहा कि एक युवक के जीवन निर्माण में माँ की सबसे अहम भूमिका होती है पर उनके त्याग और बलिदान का अहसास उन्हें तब होता है जब वह अपनी धर्मपत्नी द्वारा अपने बच्चों के लिए किये जा रहे त्याग बलिदान को देखता हैं।

तेरापंथ युवक परिषद के सदस्य अभिषेक नाहटा और किशोर मंडल के सदस्य रौनक नाहटा ने अपनी मधुर आवाज में माँ को समर्पित गीत प्रस्तुत किये। कन्या मंडल की सदस्या निष्ठा नाहटा ने भी मातृ दिवस पर एक भावपूर्ण कविता पाठ किया।

इस कार्यक्रम का कुशल संयोजन सौरभ भंडारी ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक प्रेमप्रकाश पुगलिया और रॉबिन बैद थे ।

संगठन मंत्री जिनेन्द्र बैद ने आभार ज्ञापन किया और सह मंत्री जिनेन्द्र सेठिया ने बताया कि तेरापंथ युवक परिषद् हैदराबाद द्वारा इस कार्यकाल में एक युवक के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा हैं। परिषद ने भोजन की सुंदर व्यवस्था हेतु हिमायतनगर मित्र मंडल को आभार ज्ञापन किया । कार्यशाला के अंत में सभी युवको ने सामूहिक रूप से साध्वीश्री के चरणों में भाव अभिवंदना प्रस्तुत की। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद ने सभी कार्यकर्ताओं और मुख्य वक्ता को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया।

डलास में 1 जून को बीआरएस रजत जयंती समारोह, तेलंगाना भवन में पोस्टर का अनावरण

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस की रजत जयंती 1 जून को अमेरिका के डलास में डीआर पेपर एरिना में एक भव्य कार्यक्रम के साथ मनाई जाएगी, जो 2 जून को तेलंगाना स्थापना दिवस के साथ मेल खाती है। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने बुधवार को तेलंगाना भवन में बीआरएस रजत जयंती समारोह के पोस्टर का अनावरण किया।

इस अवसर पर बोलते हुए श्रीनिवास यादव ने बीआरएस और तेलंगाना गठन की रजत जयंती को लेकर प्रवासी भारतीयों में वैश्विक उत्साह की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में तेलंगाना के एनआरआई गर्व के साथ राज्य के गठन का जश्न मना रहे हैं।उन्होंने कहा, के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में दस वर्षों में हैदराबाद ने उल्लेखनीय विकास देखा। एल्काथुर्थी में समारोह ऐतिहासिक थे, और यह देखकर खुशी हो रही है कि अब एनआरआई बीआरएस रजत जयंती के लिए आगे आ रहे हैं।बीआरएस के वैश्विक एनआरआई समन्वयक महेश बिगाला ने घोषणा की कि पार्टी के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और डलास में एक बड़े एनआरआई सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव समारोह को संबोधित करेंगे।

मंगलवार को नवयुवक सेवादल गोशामहल डिविजन वार्ड-51 को गोशामहल पार्षद लाल सिंह ने जीएचएमसी द्वारा दिये गये खेल सामग्री जिसमें क्रिकेट किट, बॉक्सिंग किट, बिजनस किट, कैरम बोर्ड, फुटबॉल, वॉलीबॉल, योग मैट्स, शतरंज आदि युवा खिलाड़ियों एवं बच्चों में वितरित की। इस अवसर पर किशन, प्रदीप सिंह, अज्ञप साहू, सुधाकर गौड, रवींदर सिंह, जयपाल सिंह, रोहित जोहरी, नरसिंह राव अप्पा, संदीप सिंह, अमरदीप सिंह एवं अन्य उपस्थित थे।

18 महीने, 5.2 लाख अभी भी इंतज़ार में

क्या तेलंगाना का पेंशन वादा कभी पूरा होगा?

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शासन के पहले 100 दिनों के भीतर सामाजिक पेंशन पर त्वरित कार्रवाई का वादा करने के बावजूद, तेलंगाना कांग्रेस सरकार ने अभी तक नए आवेदकों को पेंशन स्वीकृत करने और वितरित करने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी नहीं की है। लगभग 18 महीने हो चुके हैं , और लगभग 5.2 लाख पात्र व्यक्ति बिना किसी राहत के इंतजार कर रहे हैं।

जनवरी 2024 में सत्ता में आने के तुरंत बाद, सरकार ने नई आसरा पेंशन के लिए आवेदन एकत्र करने के लिए प्रजा पालना कार्यक्रम के तहत ग्राम सभाएँ आयोजित कीं । इसके बाद ऑनलाइन आवेदन आए, जिससे लोगों को उम्मीद जगी कि नया प्रशासन अपने घोषणापत्र के अनुसार काम करेगा। अनुमान है कि 25 लाख आवेदन जमा किए

गए, और अधिकारियों ने लगभग 5.2 लाख को पात्र के रूप में सत्यापित किया । फिर भी, अभी तक किसी को भी पेंशन लाभ नहीं मिला है।हालांकि सरकार ने पात्र लाभार्थियों की सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू करने का दावा किया है , लेकिन इसमें देरी जारी है। सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी (एसईआरपी) को प्रक्रिया का समन्वय करने का निर्देश दिया गया था, जिसमें नए सर्वेक्षण करने में ग्राम सचिवों और नगरपालिका बिल संग्रहकर्ताओं को शामिल किया गया था । मृतक पेंशनभोगियों के परिवारों से यह भी कहा गया था कि यदि पति या पत्नी लाभ के लिए पात्र हैं तो वे दस्तावेज उपलब्ध कराएं। फिर भी, कोई वितरण नहीं किया गया है।

जबकि नई पेंशन लंबित है, सरकार मौजूदा लाभार्थियों की सूची में कटौती कर रही है । जुलाई 2024 में, कई पेंशन प्राप्तकर्ताओं वाले परिवारों को 1,800 से अधिक रिकवरी नोटिस जारी किए गए थे। इसके अलावा, मृत्यु या पलायन जैसे कारणों से लगभग 1.4 लाख लोगों को हटा दिया गया। नतीजतन, लाभार्थियों की संख्या 44.7 लाख से घटकर 42.7 लाख हो गई है , जिससे सरकार को हर महीने अनुमानित 150 करोड़ की बचत हो रही है ।सरकार ने पेंशन योजना में अधिक बीड़ी श्रमिकों को शामिल करने के लिए पीएफ कट-ऑफ तिथि को 2018 तक संशोधित करने का भी वादा किया था। आवेदन एकत्र करने के बावजूद, कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। राज्य भर में लगभग 50,000 बीड़ी श्रमिक इस वादे के कार्यान्वयन का इंतजार कर रहे हैं।आवेदक लगातार निराश हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें बिना किसी पुष्टि के आधार कार्ड और बैंक विवरण के लिए बार-बार अनुरोध किया जा रहा है। कई लोग अपडेट की उम्मीद में बैंकों और राजस्व कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं । लाभार्थी सरकार से आग्रह करते हैं कि कम से कम अगले महीने से वितरण शुरू किया जाए , खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें अधिकारियों ने मंजूरी दे दी है।

सेटविन के निदेशक धनराज मडिगा की 20वीं वर्षगांठ पर अयोजित समारोह में उपस्थित पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव एवं अन्य।

राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन सम्पन्न

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की लोकप्रिय और सक्रिय काव्य संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में 44वें वर्ष के 9वें मासिक कवि सम्मेलन का आयोजन श्री संजीव आंजनेय स्वामी मंदिर के पवित्र प्रांगण नेकलस

रोड, डॉ. भीमराव अम्बेडकर की विशाल मूर्ति के सम्मुख विश्व-शांति कवि सम्मेलन के रूप में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, अवकाश प्राप्त संस्कृत विभागाध्यक्षा व प्रोफ़ेसर, सरकारी महिला महाविद्यालय, बेगमपेट, हैदराबाद ने कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भगवान बुद्ध की शिक्षाओं पर अपना धारा प्रवाह व्याख्यान प्रस्तुत किया। गीत चाँदनी के अध्यक्ष व वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और गीत चाँदनी कार्यदर्शी व कवि गोविंद अक्षय ने संचालन किया और संस्था की गतिविधियों एवं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नगरद्वय के अलग-अलग स्थानों पर आयोजित होने वाले कवि सम्मेलनों के बारे में प्रकाश डाला। कवि सम्मेलन के आरंभ में भगवान श्री संजीव आंजनेय स्वामी जी की पूजा और आरती का कार्यक्रम संपन्न हुआ और मंदिर में विश्व-शांति तथा देश की एकता व सुख-शांति के लिए प्रार्थना की गयी।कवि संतोष कुमार मिश्र माधुर्य ने अपनी मौलिक माँ सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में जयपुर (राजस्थान) की धरती से पधारे देश सुप्रसिद्ध साहित्यकार श्री अशोक आत्रेय, उर्दू पत्रकार मोहसीन ख़ान, शायर अंजनी कुमार गोयल, विभा भारती, श्रुतिकांत भारती, प्रणव कुमार सिंह मंच पर उपस्थित थे। मंदिर के पंडित गुण्डय्या स्वामी सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि इस मंदिर के निर्माण में स्वर्गीय नामदेव जी का बड़ा योगदान रहा है। 3 वर्ष और 6 वर्ष की आयु से श्री विश्वेश्वर राव और श्री बी. मुरली जी मंदिर के विकास और उत्थान में तन, मन और धन से अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करते आ रहे हैं। उर्दू पत्रकार जनाब मोहसीन ख़ान ने इस अवसर पर कवियों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रीय एकता और विश्व शांति को केंद्र में रखकर पढ़ी कविताओं की ख़ूब प्रशंसा की और कवियों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं।कवि सम्मेलन में नगरद्वय के कवियों द्वारा बुद्ध की शिक्षाओं, राष्ट्रीय एकता, सद्भावना, विश्व बंधुत्व, विश्व-शांति, देश की समसामयिक परिस्थितियों, आतंकवाद जैसी ज्वलंत समस्याओं पर अपने मार्मिक गीत, ग़ज़लें, हास्य-व्यंग्य और नयी कविताओं के साथ-साथ भक्ति प्रदान कविताओं का पाठ कर एक समाँ-सा बाँध दिया। कविता पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री गोविंद मिश्रा, अशोक आत्रेय जयपुर (राजस्थान), आर. दुर्गाराज पटून, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, संत कुमार मंडल जागृति, राजकुमार यादव, आरती कुमारी, श्रीपूनम जोधपुरी, चंपालाल बैद, दीपक चिंडालिया वाल्मीकि, अनिल कुमार गुप्ता, जी. परमेश्वर, गोविंद अक्षय, रत्नकला मिश्र, अंजनी कुमार गोयल, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव आदि के नाम सम्मिलित हैं।मुख्य वक्ता डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने अपने वक्तव्य में कहा कि गौतम बद्ध भारतीय दार्शनिक, सुधारक, बौद्ध धर्म के संस्थापक एवं प्रवर्तक थे, जिनकी शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन हुआ। गौतम बुद्ध ने विश्व में शांति का संदेश दिया है। आज की परिस्थितियों में विश्व-शांति स्थापना के लिए कवियों, लोक कलाकारों एवं संगीतकारो को आगे आना चाहिए। विशेष अतिथि अशोक आत्रेय, जी. परमेश्वर, विभा भारती ने अपने वक्तव्यों में कहा कि गौतम बुद्ध ने विश्व में शांति स्थापित करने के लिए अपने दूत जिनमें उनका निजी पुत्र और पुत्री दोनों सम्मिलित थे, को संसार के अनेक देशों में भेजा। उसके कारण विश्व के अनेक देशों में भारतीय संस्कृति और विश्व-शांति की स्थापना हुई। आज जब विश्व तृतीय महायुद्ध की आशंकाओं से घिरा हुआ है तब विश्व-शांति के लिए भगवान बुद्ध के संदेश ही शांति स्थापना के मूल मंत्र हैं। विश्व-शांति स्थापना के लिए कवियों, लोक कलाकारों एवं संगीतकारो को आगे आना चाहिए। श्री श्रुतिकांत भारती ने गीत चाँदनी के कवि सम्मेलनों की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि गीत चाँदनी के कवियों में देश प्रेम कूट कूट कर भर हुआ।

शेयर मार्केट

बीएसई : 81,330.56
+182.34 +0.22% ↑
एनएसई :24,666.90
88.55 (0.36%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 95,660/- (प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,560/- (प्रति किलोग्राम)

भाजपा, बीआरएस जनकल्याण पर ध्यान भटकाने के लिए एक गिरोह की तरह काम कर रहे हैं: टीपीसीसी

हैदराबाद, 14 मई (यूएनआई) तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस कांग्रेस सरकार की बढ़ती लोकप्रियता और उसकी जनकल्याणकारी पहलों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए एक गिरोह की तरह काम कर रहे हैं।

जीएचएमसी के पूर्व नेता मोहम्मद वाजिद हुसैन के साथ गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए निजामुद्दीन ने कहा कि जब भी कांग्रेस कोई बड़ी योजना घोषित करती है या उसे लागू करती है, तो दोनों पार्टियां मिलकर गलत सूचना अभियान और व्यक्तिगत हमले शुरू कर देती हैं। उन्होंने उन पर सार्वजनिक चर्चा को हाईजैक करने के लिए झूठ, नाटक और झूठे अलार्म का सहारा लेने का आरोप लगाया।

उन्होंने बीआरएस नेताओं के टी रामा राव, हरीश राव और कविता के साथ-साथ भाजपा नेताओं जी किशन रेड्डी, एटाला राजेंद्र और बंदी संजय का नाम लेते हुए आरोप लगाया कि वे स्क्रिप्टेड दोषारोपण के खेल और निराधार आलोचना में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियां आंतरिक सत्ता संघर्ष का सामना कर रही हैं, जिसने उनकी संगठनात्मक ताकत और मनोबल को कमजोर कर दिया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का बचाव करते हुए निजामुद्दीन ने कहा कि विपक्ष के हमले उनकी बढ़ती लोकप्रियता को लेकर असुरक्षा की भावना से उपजी है। उन्होंने पिछले छह महीनों में कांग्रेस सरकार की प्रमुख उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, जिसमें मुफ्त बढ़िया चावल योजना, सिंचाई परियोजनाओं का पुनरुद्धार और नई भर्ती अभियान शामिल हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता के सफल आयोजन की भी सराहना की और कहा कि आईपीएल को स्थगित करने के बावजूद तेलंगाना एक सुरक्षित और स्वागत योग्य स्थल बना रहा। निजामुद्दीन ने मुख्यमंत्री के खिलाफ अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करने के लिए भाजपा नेता एटाला राजेंद्र की निंदा की और इसे भाजपा की हताशा का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा और बीआरएस दोनों ने झूठे आख्यानों के माध्यम से मुफ्त चावल योजना जैसी कल्याणकारी पहलों को पटरी से उतारने की कोशिश की। निजामुद्दीन ने कहा कि कांग्रेस के शासन में लोग वास्तविक प्रगति देख रहे हैं, विपक्ष केवल नाटक पेश करता है, समाधान नहीं। तेलंगाना विकास चाहता है, राजनीतिक नाटक नहीं।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, No.6946592P NK Ram Kishun Yadav of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Son Name is changed from RITESH KUMAR YADAV to RITESH YADAV

CHANGE OF NAME
I, No.JC 733690F SUB Sunil Singh Bhadauriya of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad TS that my mother Name is changed from SHAKUNTLA BHADAURIYA to SHAKUNTALA BHADOURIYA

CHANGE OF NAME
I, No.6946643X Nk Lakhan Singh of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad TS that my mother Name is changed from PREM BATTI to PREMVATI

CHANGE OF NAME
I, No.15814201X NK Rupnawar Bapu Gangaram of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my mother Name is changed from SUSHILA to SUSHILA GANGARAM RUPANVAR and my father name is also changed from GANGARAM to GANGARAM BHAGUJI RUPNAVAR

CHANGE OF NAME
I, PALLAVI is legally wedded spouse of Army No.15814201X NK Rupnawar Bapu Gangaram R/o.vill&Post:Kusegaon, Teh: Daund, Dist:Pune, Maharashtra 412219 have changed my name from PALLAVI to RUPNAWAR PALLAVI BAPU vide affidavit dt:14/05/2025 before C.Sameul, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. 10329740N Hav AVALA DURGA RAJU of 125 InfBn (TA)The Guards, C/o.56 APO hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from SATYAVATI, DOB:01-07-1969 to AVALA SATYAVATHI, DOB:05-06-1951 vide affidavit dt:14-5-2025

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-17036530Y, Rank-NK, Name-Ennas Ali Residing at Vill - Hatizana, PO-Joshihatipara,PS--Howly, Dist-Barpeta, PIN-781316, State-Assam. I have changed my Sister name from LATIFA KHATUN to LATIFA BEGUM and DOB also changed from 04/03/1983 to 01/01/1986 Affidavit dated 14 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I K KEERTHANA islegally wedded Spouse of Service No-17035652W, Rank-NK,Name-Kancharana Krishnamurthy Residing at Vill-Pillalavalasa,PO-Dharmapuram, Teh-Ponduru, Dist-Srikakulam, PIN-532402, State-Andhra Pradesh. I have changed my name from K KEERTHANA to KANCHARANA KEERTHANA Affidavit dated 14 May 2025 before Notary C Samuel Secunderabad.

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने गांठदार त्वचा रोग के लिए दुनिया का पहला टीका लॉन्च किया

विजयवाड़ा, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पशुधन स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को पशुधन समृद्धि सम्मेलन में हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक की सहायक कंपनी बायोवेट द्वारा विकसित स्वदेशी गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) वैक्सीन बायोलम्पिवैक्सिन को लॉन्च किया।

लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) एक ट्रांसबाउंड्री पशु रोग है, जिसने मवेशियों के स्वास्थ्य और डेयरी उद्योग पर इसके गंभीर प्रभाव के कारण भारत में काफी ध्यान आकर्षित किया है।

बायोलम्पिवैक्सिन जिसे सीडीएससीओ ने मंजूरी दी है, दुनिया का पहला और सबसे सुरक्षित, संक्रमितों को टीका लगाए गए पशुओं से अलग करने वाला (डीआईवीए) मार्कर टीका है, जो पशुओं को गांठदार त्वचा रोग (एलएसडी) से बचाने के लिए रोग निगरानी में मदद करेगा, यहां एक विज्ञप्ति में कहा गया।

वैक्सीन लॉन्च करते हुए, नायडू ने इस अनूठी पशुधन वैक्सीन के विकास और व्यावसायीकरण के लिए बायोवेट की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व स्तरीय मेड इन इंडिया वैक्सीन की उपलब्धता देखकर खुशी हो रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वैक्सीन के प्रभावी रोलआउट को सुनिश्चित करने के लिए सभी व्यवहार्य उपाय गंभीरता से किए जाने चाहिए, जो न केवल राज्य के लक्षित 20% पशुधन विकास प्रक्षेपवक्र में योगदान दे सकता है, बल्कि डेयरी उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता को भी बढ़ावा दे सकता है। एलएसडी वैक्सीन एक एकल टीकाकरण व्यवस्था है जो सभी उम्र के मवेशियों और भैंसों को साल में एक बार दी जाती है। प्रस्तुति 25 खुराक से लेकर अधिकतम 100 खुराक प्रति शीशी तक की बहु खुराक वाली शीशियों में है और वैक्सीन 2-8 डिग्री सेल्सियस भंडारण तापमान पर स्थिर है। बायोवेट बेंगलुरु में अपनी उत्पादन सुविधाओं से वैक्सीन की 500 मिलियन खुराक का उत्पादन कर सकता है, जिससे स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है। पशुपालन, डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय आँकड़ों के अनुसार, भारत में एलएसडी के दो बड़े प्रकोप हुए हैं, पहला 2019 में और दूसरा 2022 में। इन प्रकोपों के दौरान लगभग 200,000 मवेशियों की मौत हो गई है, और लाखों मवेशियों ने लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) के कारण अपनी दूध उत्पादन क्षमता खो दी है। जब कोई पशुधन लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) से संक्रमित होता है, तो उसे तेज बुखार और दर्दनाक त्वचा की गांठें होती हैं जो घातक साबित हो सकती हैं और दूध उत्पादन को दूषित कर सकती हैं। संक्रमण से दूध की पैदावार में भारी कमी आती है, जिससे बड़े पैमाने पर डेयरियों के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है और व्यापक दूध आपूर्ति श्रृंखला बाधित होती है। भारत में 2022 के एलएसडी प्रकोप के दौरान, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब और जम्मू और कश्मीर जैसे राज्यों में रुग्णता दर 80% तक पहुँच गई, जिसमें मृत्यु दर 67 प्रतिशत तक पहुँच गई। इससे अनुमानित 18,337.76 करोड़ से अधिक की आर्थिक हानि हुई तथा दूध उत्पादन में 26% की गिरावट आई, जिससे डेयरी उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को काफी नुकसान पहुंचा।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी आज कालेश्वरम में सरस्वती पुष्कर घाट का उद्घाटन करेंगे

हैदराबाद , 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी 15 मई से शुरू होने वाले सरस्वती पुष्करम के अवसर पर जयशंकर भूपलपल्ली जिले के कालेश्वरम में त्रिवेणी संगम पर सरस्वती पुष्कर घाट का उद्घाटन करेंगे।

उद्घाटन के बाद, मुख्यमंत्री कालेश्वर त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करेंगे और अनुष्ठान करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस शुभ कार्यक्रम में राज्य के कई मंत्रियों के भी भाग लेने की उम्मीद है।हर 12 साल में एक बार आयोजित होने वाला सरस्वती महा पुष्करम बृहस्पति (गुरु) के मिथुन राशि में प्रवेश का प्रतीक है, जो 14 मई को रात 10.35 बजे हुआ। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, पुष्कर स्नान अगली सुबह 15 मई को सुबह 0544 बजे तोगुता आश्रम पीठाधिपति माधवानंद सरस्वती स्वामीजी के नेतृत्व में संकल्प के साथ शुरू होगा। तेलंगाना सरकार के बंदोबस्ती विभाग ने तीर्थयात्रियों के लिए व्यापक व्यवस्था की है। पवित्र स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अस्थायी टेंट सिटी बनाई गई है। प्रत्येक दिन सुबह 645 बजे से 735 बजे तक सरस्वती घाट पर सरस्वती नवरात्रि मालाहारती की जाएगी, उसके बाद सुबह 830 बजे से 1100 बजे तक विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे। शाम को श्रद्धालुओं और आगंतुकों के लिए सांस्कृतिक और कला प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। सरस्वती नदी को अंतरवाहिनी या अदृश्य नदी माना जाता है, ऐसा माना जाता है कि यह कालेश्वरम त्रिवेणी संगम में भूमिगत बहती है, जहां यह गोदावरी और प्राणहिता नदियों से मिलती है। 15 मई से शुरू होने वाला पुष्करम 26 मई तक चलेगा, जो ज्ञान, बुद्धि और आत्मज्ञान के उपासकों के लिए आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण अवधि है।

तेलंगाना बौद्धिक मंच की उपाध्यक्ष चुनी गई गुंटरेड्डी रामादेवी

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय बीसी महिला कल्याण संयोजक और बीसी समुदाय की वरिष्ठ महिला श्रीमती गुंटरेड्डी रामदेवी को तेलंगाना बौद्धिक मंच के राज्य उपाध्यक्ष के रूप में चुनी गई है। यह जानकारी तेलंगाना बौद्धिक मंच राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ राजनारायण मुदिराज ने दी।राजनारायण ने आगे बताया कि यह निर्णय फोरम की कार्यकारी समिति की बैठक में लिया गया।

रमादेवी ने खेलों में कई पुरस्कार जीती है। उन्होंने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम.ए. और एम.फिल. की पढ़ाई पूरी की है और इस समय पीएचडी कर रही हैं। छात्रों के लिए थ्रोबॉल और जोड़ो जैसे कई खेल प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की है।

रमादेवी पिछले 25 वर्षों से बीसी कल्याण एसोसिएशन के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रही है। संयुक्त आंध्र प्रदेश राज्य में बी.सी. महिला कल्याण एसोसिएशन की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। इस दौरान उन्होंने महिला अधिकारों, महिला सशक्तिकरण और महिला आरक्षण के मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर पर कई लड़ाइयाँ लड़ी है। भरतनाट्यम् में उत्कृष्ट कलाकार के रूप में उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

तेलंगाना में बेमौसम बारिश से फसलों पर कहर, किसानों ने की राहत की मांग

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले कुछ दिनों में राज्य के कई इलाकों में बेमौसम बारिश और आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई है, जिससे फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। लगातार हो रही बारिश, तेज हवाओं और ओलावृष्टि ने कई जिलों के किसानों को परेशान कर दिया है। धान, मक्का और आम जैसी फसलों को इसका सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है।मुलुगु, आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियल, करीमनगर, निजामाबाद, कामारेड्डी, सिद्दीपेट, वारंगल, हनमकोंडा, संगारेड्डी, मेडक, रंगारेड्डी, सूर्यपेट, यादाद्री भोंगीर और महबूबाबाद जैसे जिलों में फसलों को भारी नुकसान की सूचना मिली है। मुलुगु में, खरीद केंद्रों पर धान का स्टॉक भीग गया, जिससे वे बिक्री के लिए अनुपयुक्त हो गए, जबकि खड़ी फसलें तेज हवाओं के कारण नष्ट हो गईं। मंचेरियल के किसानों ने पिछले अप्रैल में हुए नुकसान के समान ही नुकसान की शिकायत की, जिसमें खरीद केंद्रों पर 2 लाख मीट्रिक टन धान के साथ-साथ लगभग 862 एकड़ धान और 3,713 एकड़ आम के बाग तबाह हो गए थे।

प्रारंभिक अनुमानों से पता चलता है कि 12-14 मई की बारिश ने काफी नुकसान पहुंचाया है, कृषि अधिकारियों द्वारा चल रहे सर्वेक्षणों से पूरी जानकारी मिलने की उम्मीद है। भारतीय मौसम विभाग ने हैदराबाद और अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था, जिसमें 14 मई तक हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान लगाया गया था। चक्रवाती परिसंचरण द्वारा संचालित बेमौसम मौसम ने कटाई के मौसम को बाधित कर दिया है, विशेष रूप से धान और मक्का के लिए, जबकि उत्तरी जिलों में आम के बागों में आंधी के कारण समय से पहले फल गिर गए।मुलुगु के वेंकटेश जैसे किसानों ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा: जब हम बेचने के लिए तैयार थे, तब बारिश ने हमारे धान को नष्ट कर दिया। हमें तत्काल सरकारी मदद की आवश्यकता है।राज्य सरकार ने जिला अधिकारियों को नुकसान का त्वरित आकलन करने का निर्देश दिया है, साथ ही पिछली घटनाओं की तरह 10,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने का वादा किया है। हालांकि, किसानों ने खरीद और राहत में देरी का हवाला देते हुए निराशा व्यक्त की।विकाराबाद, महबूबनगर और वानापर्थी जैसे जिलों में छिटपुट बारिश जारी रहने का अनुमान है, इसलिए किसान और अधिक नुकसान की आशंका जता रहे हैं। सर्वेक्षण जारी होने के साथ ही किसान अपनी स्थिति को बेहतर बनाने और कृषि क्षेत्र में गहराते संकट को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

ताडोबा में क्षेत्रीय संघर्ष में एक बाघ की मौत दूसरा घायल

मंचेरियाल,14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) । ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के रामदेगी जंगलों में क्षेत्र को लेकर दो बाघों और एक स्थानीय बाघ के बीच संघर्ष में एक बाघ की मौत हो गई, जबकि एक अन्य बाघ घायल हो गया वन अधिकारियों ने बताया कि ब्रह्मा नामक बाघ की मौत उस समय हुई जब वह अपने इलाके में रहने वाले छोटा मटका नामक दूसरे बाघ से लड़ रहा था इस झड़प में छोटा मटका को मामूली चोटें आई है ब्रह्मा का शव उस जगह से बरामद किया गया जहां दोनों बाघों के बीच लड़ाई हुई थी एनटीसीए के प्रोटोकॉल के अनुसार उसका निपटान किया गया ब्रह्मा एक अन्य बाघ वीरभद्र के साथ काफी समय से छोटा मटका और उसकी मादा साथी, नयनतारा से इलाके पर कब्ज़ा करने की कोशिश कर रहा था छोटा मटका और नयनतारा दोनों ही नियमित रूप से दिखाई देकर रिज़र्व में आने वाले पर्यटकों को रोमांचित कर रहे थे अधिकारियों ने बताया कि छोटा मटका ने हाल ही में अपने इलाके में घुसने की कोशिश करने पर भजरंग और मोगली नामक दो बाघों को मार डाला था जिससे यह पता चलता है कि वह इलाके पर अपना दबदबा बनाए हुए है वन्यजीव विशेषज्ञों ने कहा कि बाघों के बीच इलाके को लेकर लड़ाई रिजर्व में एक स्वस्थ संकेत है और यह बाघों के संरक्षण में अधिकारियों के प्रयासों का संकेत है।

कांग्रेस रणनीति में सुधार :

पार्टी कैडर का आधुनिकीकरण और भाजपा का मुकाबला करने के लिए नेताओं के लिए एआई प्रशिक्षण शुरू करेगी

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। चूंकि नए युग की प्रौद्योगिकी विभिन्न क्षेत्रों के पेशेवरों के लिए एक अपरिहार्य उपकरण बन गई है, इसलिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरी है।एक समय सीमित डोमेन तक सीमित रहने वाला एआई अब चिकित्सा, विपणन, इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी और वास्तुकला सहित विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है।अब, एआई राजनीति में भी अपनी पैठ बना रहा है।जबकि एआई का इस्तेमाल पहले से ही राजनीतिक दलों के आधिकारिक हैंडल के लिए इमेज और सोशल मीडिया कंटेंट बनाने के लिए किया जा रहा है, एक नया चलन उभर रहा है - राजनीतिक नेताओं को एआई के इस्तेमाल की ट्रेनिंग देकर उन्हें चुनाव के लिए तैयार करना। यह अभिनव दृष्टिकोण इस बात में एक महत्वपूर्ण विकास को दर्शाता है कि कैसे पार्टियां अपने नेताओं को आधुनिक समय के राजनीतिक युद्ध के मैदानों के लिए तैयार करती हैं।मध्य प्रदेश में कांग्रेस पार्टी दिसंबर 2023 में राज्य में करारी हार के बाद भाजपा का मुकाबला करने के लिए डिजिटल परिवर्तन लाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की ओर रुख कर रही है।बताया जा रहा है कि राज्य के सभी पार्टी विधायकों, जिला अध्यक्षों, विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों और जिला प्रभारियों को 9 जून से एआई पर अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में सोशल मीडिया आचरण, गलत सूचना का पता लगाने और एआई के उपयोग को शामिल किया जाएगा।रिपोर्ट्स के मुताबिक, बंद कमरे में हुई बैठक में पार्टी ने यह तय किया कि वह वैचारिक रूप से कमजोर है और उसकी डिजिटल प्रवृत्ति पुरानी हो चुकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दो नेताओं, एआईसीसी एमपी प्रभारी हरीश चौधरी और राज्य कांग्रेस प्रमुख जीतू पवार ने भी बैठक में कहा कि पार्टी को तकनीक और अनुशासन को बेहतर बनाकर व्यापक प्रशिक्षण की जरूरत है। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मोबाइल फोन के बेहतर उपयोग, वास्तविक और फर्जी समाचारों में अंतर करने तथा गलत सूचना की पहचान करने पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा।विषय विशेषज्ञ इन प्रशिक्षण सत्रों का संचालन करेंगे। कार्यशालाएं 2-3 दिन तक चलने की संभावना है।

मेट्रो स्टेशनों से लेकर बस्ती दवाखानों तक...

विभिन्न क्षेत्रों में जीएचएमसी कार्यबल में शामिल होने के लिए ट्रांसजेंडर तैयार

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीएचएमसी की अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा शबरीश और चंद्रकांत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना राज्य सरकार ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों के लिए सम्मानजनक जीवन और स्थिर रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है।शहरी सामुदायिक विकास (यूसीडी) विभाग के तत्वावधान में बुधवार को जीएचएमसी मुख्यालय के पंवार हॉल में ट्रांसजेंडर प्रतिनिधियों और गैर सरकारी संगठनों के साथ एक बैठक आयोजित की गई।अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा शबरीश ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की शैक्षणिक योग्यता, कौशल और रुचि के आधार पर जीएचएमसी विभागों में नौकरी के अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।यूसीडी के अतिरिक्त आयुक्त चंद्रकांत रेड्डी ने ट्रांसजेंडरों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने घोषणा की कि जीएचएमसी ने पहले ही तीन ट्रांसजेंडर स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) बनाए हैं और बैंक लिंकेज प्रदान करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा, उन लोगों के लिए आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए और अधिक एसएचजी बनाए जाएंगे जो प्रत्यक्ष नौकरी के अवसरों के लिए पात्र नहीं हो सकते हैं।

जीएचएमसी ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को कई क्षेत्रों में एकीकृत करने की योजना बना रही है, जिनमें शामिल हैं:

-स्वच्छता अभियान में सुरक्षा और ग्रीन मार्शल

-पार्कों, एचएमडब्ल्यूएसएसबी जलाशयों और स्ट्रीट लाइटिंग में रखरखाव की भूमिका

-खेल मैदानों और मेट्रो स्टेशनों पर सहायक भूमिकाएँ

-बस्ती के अस्पतालों में पैरामेडिक पद

-अमृत योजना के तहत जल गुणवत्ता परीक्षण

जीएचएमसी स्पोर्ट्स विंग के अतिरिक्त आयुक्त यादगिरी राव ने बताया कि खेल क्षेत्र में विभिन्न शैक्षणिक स्तर वाले लोगों के लिए भूमिकाएं उपलब्ध हैं, जिनमें शून्य से लेकर उच्च योग्यता वाले उम्मीदवार शामिल हैं। कौशल विकास केंद्र और गैर सरकारी संगठन ट्रांसजेंडरों को प्रशिक्षित करने और नौकरी बाजार से जुड़ने के लिए सहयोग कर रहे हैं।

सत्र के दौरान, कई ट्रांसजेंडर प्रतिनिधियों ने अपने विचार साझा किए, उपलब्ध प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा रोजगार और आजीविका से संबंधित शंकाओं का समाधान किया।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीनिवास, बागवानी अधिकारी डॉ. सुनंदा, प्रशासन जेसी श्रीनिवास तथा विभिन्न ट्रांसजेंडर एसोसिएशनों और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

खड़ी कार में 5 साल के बच्चे की मौत, 30 दिनों में दूसरा मामला

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगा रेड्डी के कडथल मंडल के मक्था माधाराम में कथित तौर पर अपने पिता की कार के अंदर फंसने से पांच वर्षीय बच्ची की दम घुटने से मौत हो गई।

पीड़िता की पहचान अक्कारी अक्षया के रूप में हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार, अक्षय के पिता यादैया रविवार 11 मई को चर्च से लौटे और गाड़ी को बिना लॉक किए पार्क कर दिया। इसके बाद वे निजी काम से चले गए। परिवार की नजरों से बचकर अक्षया कार में घुस गई और गलती से खुद को अंदर लॉक कर लिया। कई घंटों के बाद जब बच्ची गायब मिली, तो परिवार ने तलाश शुरू की और आखिरकार उसे कार में बेहोश पाया। वह पहले ही मर चुकी थी, और बंद गाड़ी में फंसने के कारण गर्मी से जुड़ी जटिलताओं के संकेत मिल रहे थे।पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।इसी तरह की एक घटना में, पड़ोसी रंगा रेड्डी में गलती से कार के अंदर बंद हो जाने के बाद क्रमशः चार और पांच साल की दो लड़कियों की दम घुटने से मौत हो गई।

सोमवार दोपहर को चेवेल्ला के दामरगिड्डा गांव में खड़ी एक कार के अंदर फंसने से दो चचेरी बहनें मर गईं। यह घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई जब अपने रिश्तेदार के घर के पास खेल रही लड़कियां एक लावारिस कार में घुस गईं और गलती से खुद को अंदर बंद कर लिया।पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, उनके माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि बच्चे कार के अंदर थे। लगभग 30 से 45 मिनट के बाद, लड़कियों को बेहोश पाया गया और उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। परिवार एक विवाह समारोह में भाग लेने के लिए दामरगिड्डा आए थे। घटना के बाद, पुलिस अस्पताल पहुँची, लेकिन माता-पिता पहले ही शवों को अपने-अपने पैतृक गाँव ले जा चुके थे। चेवेल्ला पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने पुष्टि की कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

राजेंद्रनगर थाने में संदिग्ध परिस्थितियों में ऑटो चालक की मौत

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। 35 वर्षीय ऑटो-रिक्शा चालक मोहम्मद इरफान की मंगलवार रात राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई । इस घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया है और जवाबदेही की मांग की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, गांडीपेट निवासी इरफान को उसकी पत्नी निशाद बेगम द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद शाम करीब साढ़े सात बजे थाने बुलाया गया , जिसमें उसने इरफान पर किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया था।उस्मानिया जनरल अस्पताल के बाहर मीडिया से बात करते हुए इरफान के भाई मोहम्मद सादिक ने आरोप लगाया कि थाने के अंदर उनके भाई के साथ मारपीट की गई। पुलिस स्टेशन पर मेरे भाई की पत्नी ने पुलिस से उसे पीटने के लिए कहा। उसकी बात पर अमल करते हुए पुलिस ने उसे रबर बेल्ट से पीटा। हम उसकी चीखें सुन सकते थे, लेकिन जब हमने अंदर जाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें दरवाजे पर ही रोक दिया, सादिक ने कहा।रात करीब 10:30 बजे इरफ़ान कथित तौर पर पुलिस स्टेशन से बाहर निकला, उल्टी करने लगा और कुछ ही देर बाद बेहोश हो गया। उसके परिवार वाले उसे तुरंत पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया ।घटना के बाद पुलिस ने निषाद बेगम की ओर से एक नई शिकायत दर्ज की, जिसमें इरफान के कथित विवाहेतर संबंध के बारे में उनके पहले के आरोप को दोहराया गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेलंगाना में सीएम बदलने के चौंकाने वाले दावे

क्या केसीआर संभालने वाले हैं कमान ?

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूर्व भाजपा विधायक एनवीएसएस प्रभाकर की टिप्पणी के बाद तेलंगाना में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है । हाल ही में मीडिया से बात करते हुए प्रभाकर ने राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत दिया, जिसमें मुख्यमंत्री की स्थिति में बदलाव और बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) का कांग्रेस में संभावित विलय शामिल है ।

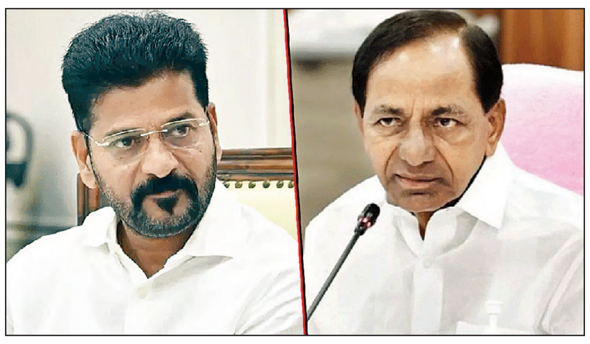

इस टिप्पणी से पूरे राज्य में खलबली मच गई है, क्योंकि प्रभाकर ने खुलासा किया कि कांग्रेस और बीआरएस के बीच समझौता हो गया है , जिससे संकेत मिलता है कि विलय 2 जून को या 9 दिसंबर के बाद हो सकता है ।प्रभाकर की टिप्पणियों से पता चलता है कि बीआरएस का कांग्रेस के साथ विलय आसन्न है, जिससे राज्य में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव आएगा। हालांकि विवरण स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक इस तरह के विकास के संभावित नतीजों पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं। अगर यह सच है, तो यह विलय मौजूदा राजनीतिक समीकरणों को हिला सकता है, तेलंगाना के सत्ता गलियारों में गठबंधन और रणनीतियों को बदल सकता है।

एक और साहसिक बयान में प्रभाकर ने पुष्टि की कि राज्य में मुख्यमंत्री का परिवर्तन निश्चित है। उनके अनुसार, तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर (के. चंद्रशेखर राव) रेवंत रेड्डी की जगह सीएम बनने के लिए तैयार हैं । अगर यह बदलाव साकार होता है, तो यह तेलंगाना की राजनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। प्रभाकर की टिप्पणियों ने भविष्य के नेतृत्व की गतिशीलता के बारे में अटकलों को हवा दे दी है, खासकर तब जब कांग्रेस पार्टी राज्य में मजबूत स्थिति में है और रेवंत रेड्डी जैसे नेता हलचल मचा रहे हैं।

अटकलों को बल देते हुए, बीआरएस के एक प्रमुख नेता हरीश राव ने हाल ही में एक बयान दिया, जिसमें उन्होंने संकेत दिया कि वह केटीआर (केटी रामा राव) के नेतृत्व में काम करने के इच्छुक हैं । राव के बयान को कई लोग सत्तारूढ़ पार्टी के भीतर आगामी राजनीतिक पुनर्गठन के स्पष्ट संकेत के रूप में देख रहे हैं , जो संकेत देता है कि बड़े बदलाव होने वाले हैं।

इस खुलासे ने विभिन्न राजनीतिक हलकों से प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं, विपक्षी दलों ने राज्य के शासन पर इसके संभावित प्रभावों के बारे में चिंता व्यक्त की है। यदि कांग्रेस और बीआरएस के बीच विलय होता है, तो निस्संदेह यह राजनीतिक परिदृश्य को बदल देगा, जिसमें सत्ता की गतिशीलता नए गठबंधनों के पक्ष में बदल जाएगी।तेलंगाना में राजनीतिक बदलावों की श्रृंखला जारी है, इसलिए आने वाले सप्ताहों में तीव्र राजनीतिक वार्ता और सत्ता संघर्ष देखने को मिल सकता है, क्योंकि राज्य एक नए नेतृत्व ढांचे की संभावना के लिए तैयारी कर रहा है।

मंत्री पोंगुलेटी ने राज्यपाल से कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा की

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बुधवार को राज्यपाल जिष्णुदेव वर्मा से शिष्टाचार भेंट की।बैठक के दौरान मंत्री ने राज्यपाल को भू भारती अधिनियम और इंदिराम्मा आवास योजना के कार्यान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जो राज्य सरकार की दोनों प्रमुख पहल हैं।उन्होंने राज्यपाल को बताया कि इंदिराम्मा आवास योजना के तहत राज्य सरकार इस वर्ष 4.5 लाख घरों को मंजूरी दे रही है, जिसमें प्रत्येक विधायक प्रतिनिधि को 3,500 घर आवंटित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, राज्यपाल के दृष्टिकोण और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन के अनुरूप, आदिवासी निर्वाचन क्षेत्रों को अतिरिक्त 500 से 700 घर आवंटित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, आईटीडीए सीमा के भीतर चेंचू परिवारों के लिए 10,000 घरों को मंजूरी दी जा रही है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि पहले चरण में सबसे गरीब लोगों के लिए घरों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्यपाल द्वारा गोद लिए गए गांवों में इंदिराम्मा घरों को मंजूरी दी गई है, जिनमें कोठागुडेम जिले में पूसुकुंटा, भद्राद्री जिले में गोगुलापुडी, आदिलाबाद जिले में भुरकी और मंगली, और नागरकुरनूल जिले में अप्पापुर और बौरापुर शामिल हैं। भू भारती अधिनियम पर बोलते हुए, मंत्री ने बताया कि इसे पिछले एक दशक से राज्य में बनी हुई भूमि से संबंधित समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए पेश किया गया था। पिछले महीने की 17 तारीख से चार मंडलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किए गए इस अधिनियम को अब इस महीने की 5 तारीख से 28 मंडलों तक बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवेदन निः शुल्क स्वीकार किए जा रहे हैं और भूमि विवादों को सुलझाने के लिए सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं।

आईएमए ने तेलंगाना में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ लड़ाई तेज की

हैदराबाद, 14 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नीम हकीमों के खिलाफ लड़ाई को और तेज करने के लिए, भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), तेलंगाना चैप्टर ने बुधवार को अपनी स्थानीय शाखाओं को संबंधित जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को नीम हकीमों द्वारा संचालित चिकित्सा प्रतिष्ठानों की सूची सौंपने का निर्देश दिया और उनसे त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया।अपनी स्थानीय इकाइयों को संबोधित एक पत्र में, आईएमए, तेलंगाना ने अपने सदस्यों को जिला कलेक्टर और एसपी से संपर्क करने का निर्देश दिया, ताकि वे जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारी (डीएम एंड एचओ) को अयोग्य व्यक्तियों द्वारा संचालित स्वास्थ्य सुविधाओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उचित निर्देश दें।

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
अग्रसेन बैंक
Estd.1998
Head Office # 15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad - 500012 TS
Ph: 040 2473 6228 www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

CAREER GROWTH STARTS HERE

We are one of the leading Urban Co-operative Banks in the State of Telangana and shortly opening our New Branches at Kukatpally, Gaganpahad, Ameerpet and Madhapur in Hyderabad. We require dynamic, energetic and result oriented staff for the following positions:

Banking / Marketing Executives
- 2-3 Years Banking Experience will be preferred
- Freshers, Commerce Graduates / Any graduate with good communication skills and computer knowledge can also apply

Officers / Assistant Managers
- MBA, MCA, BE / B-Tech, CA Inter / Commerce Graduate with 2-3 years experience in any commercial organization in the field of Accounts. Computer Networks, Finance, Loans Processing, Banking Products Marketing.

AGM (Credit / Marketing) & Manager (Credit / Marketing / Legal)
- Minimum of 10 years experience in Public Sector/Private Sector / Cooperative Banks.
- JAIIB/CAIIB qualified will be preferred.
- BL, LLB, LLM

Gold Appraisers
- Having vast experience in the line of Gold Jewellery and its appraisal.

Pay Package: Commensurate with the Qualification and experience of the candidates.

Eligible candidates can email / send their Curriculum Vitae along with passport size photograph at the address given below:
E-mail: **tacubl@agrasenbank.in** Postal Address: **General Manager, #15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar, Hyderabad –500012 Telangana**

Place: Hyderabad
Date: 15/05/2025
APPLY WITHIN 7 DAYS
Sd/-
General Manager / CEO

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.